संसदीय पैनल की वैधता को चुनौती देने वाली न्यायमूर्ति वर्मा की याचिका खारिज - 12

आंध्र प्रदेश के बंदरगाह शहर में काकीनाडा प्रोजेक्ट से भारत बनेगा ऊर्जा निर्यातक - 12

रूस ने की ईरान में दखलअंदाजी बल प्रयोग की धमकियों की निंदा- 13

मुझे डेल स्टेन की आक्रामकता बहुत पसंद है: हेनिल पटेल - 14

आज का मौसम

19.0° अधिकतम तापमान

6.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 07.09

सूर्यास्त 05.41

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

मुरादाबाद

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

माघ कृष्ण पक्ष चतुर्दशी 12:04 उपरांत अमावस्या विक्रम संवत 2082

शनिवार, 17 जनवरी 2026, वर्ष 6, अंक 291, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

सड़क पर किसान

किसान संगठनों और मजदूर एवं ट्रेड यूनियनों के सदस्यों ने बिजली विधेयक 2025, बीज विधेयक, वीबी-जी राम जी विधेयक के खिलाफ पटियाला में शुक्रवार को सड़कों पर विरोध प्रदर्शन किया। ● एजेंसी

अब वैश्विक नेतृत्व पर ध्यान केंद्रित करें भारतीय स्टार्टअप

● भारतीय स्टार्टअप से मोदी ने किया विनिर्माण और गहन प्रौद्योगिकी क्षेत्र में आगे बढ़ने का आह्वान

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को भारतीय स्टार्टअप से विनिर्माण, गहन प्रौद्योगिकी और वैश्विक नेतृत्व पर अधिक ध्यान देने का आह्वान करते हुए कहा कि स्टार्टअप इंडिया का अगला दशक भारत को नवाचार के वैश्विक अग्रणी देशों की पंक्ति में खड़ा करने वाला होना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने 'स्टार्टअप इंडिया' पहल की 10वीं वर्षगांठ पर 'भारत मंडपम' में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि स्टार्टअप भारत के आर्थिक और प्रौद्योगिकी भविष्य को आकार देने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

उन्होंने 'स्टार्टअप इंडिया' पहल को एक क्रांति करार देते हुए कहा कि 2014 में जहां देश में 500 से भी कम स्टार्टअप थे, वहीं आज यह संख्या दो लाख से अधिक हो चुकी है। इनमें से करीब 125 स्टार्टअप एक अरब डॉलर या उससे अधिक मूल्यांकन के साथ यूनिकॉर्न दर्जा हासिल कर चुके हैं। मोदी ने कहा कि इसके साथ ही भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप परिवेश बन गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जोखिम लेने की प्रवृत्ति को पहले हतोत्साहित किया जाता था लेकिन अब वह मुख्यधारा में आ गई है और स्टार्टअप रोजगार सृजन, नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दे रहे हैं। उन्होंने स्टार्टअप संस्थापकों एवं उद्यमियों से कहा, सरकार आपके हर प्रयास में आपके साथ है। मुझे आपकी क्षमता पर पूरा भरोसा है। आपका साहस, आत्मविश्वास और नवाचार भारत के भविष्य को आकार दे रहे हैं।

मोदी ने कहा कि पिछले 10 वर्षों ने भारत की उद्यमशील क्षमताओं को साबित किया है और अब लक्ष्य यह होना चाहिए कि अगले दशक में भारत नए स्टार्टअप रुझानों और प्रौद्योगिकियों में विश्व का नेतृत्व करे। एआई पर सरकार की पहल का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जो देश एआई क्रांति में आगे रहेगा, उसे उतना ही अधिक लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि 'इंडिया एआई मिशन' के तहत एआई विकास से जुड़ी उच्च कंप्यूटिंग लागत की चुनौती से निपटने के लिए 38,000 से अधिक जीपीयू जोड़े गए हैं।

परिश्रम और साहस के साथ जोखिम उठाना जरूरी

मोदी ने कहा कि नई ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए परिश्रम के साथ साहस और जोखिम उठाने की क्षमता भी जरूरी है। 'स्टार्टअप इंडिया' ने देश में उद्यमिता की संस्कृति को लोकतांत्रिक बनाया है और छोटे शहरों, कस्बों एवं गांवों तक कारोबारी आकांक्षाओं को पहुंचाया है। 'स्टार्टअप इंडिया' की रफ्तार लगातार तेज हो रही है। कई यूनिकॉर्न कंपनियां अब अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लेकर आ रही हैं और बड़े पैमाने पर रोजगार भी सृजित कर रही हैं।

ब्रीफ न्यूज

घनी धुंध की वजह से राष्ट्रपति मुर्मू का जालंधर दौरा रद्द

जालंधर। पंजाब में शुक्रवार को घनी धुंध और कड़ाके की ठंड की वजह से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का जालंधर का दौरा कर दिया गया। मुर्मू को यहां नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में आयोजित दीक्षांत समारोह में पहुंचकर विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान करनी थीं। सुबह से घनी धुंध के कारण उड़ान भरना मुश्किल हो गया तो राष्ट्रपति की सुरक्षा के मद्देनजर यह दौरा रद्द कर दिया गया। राष्ट्रपति गुरुवार को अमृतसर पहुंची थीं। उनके दौरे को लेकर जालंधर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे।

नए भाजपा अध्यक्ष के नाम की घोषणा 20 जनवरी को

नई दिल्ली। भाजपा ने शुक्रवार को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव का कार्यक्रम जारी किया। इस पद के लिए नामांकन 19 जनवरी को दाखिल किए जाएंगे और 20 जनवरी को नए पार्टी अध्यक्ष के नाम की घोषणा की जाएगी। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन के निर्विरोध पार्टी अध्यक्ष चुने जाने की संभावना है। प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री शाह समेत पार्टी का शीर्ष नेतृत्व नवीन की उम्मीदवारी का समर्थन कर रहा है। नड्डा को भी जून 2019 में पहले भाजपा का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया था और बाद में 20 जनवरी, 2020 को निर्विरोध राष्ट्रीय अध्यक्ष चुन लिया गया।

बीएमसी पर ठाकरे राज का अंत, 25 साल बाद भाजपा नीत महायुति ने किया कब्जा

राज्य भर में महायुति को भारी बढ़त, लातूर और भिवंडी निजामपुर में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी

महाराष्ट्र निकाय चुनाव

● बीएमसी में ठाकरे बंधु 74 और कांग्रेस 13 सीटों पर आगे, सात पर जीते निर्दलीय

मुंबई, एजेंसी

नवी मुंबई में पार्टी उम्मीदवारों की जीत का जश्न मनाते भाजपा कार्यकर्ता।

महाराष्ट्र निकाय चुनाव में देर शाम तक जारी मतगणना के नतीजों में भाजपा के नेतृत्व वाला महायुति गठबंधन राज्य भर में भारी बढ़त के साथ उभरा है। करीब 74,000 करोड़ रुपये के वार्षिक बजट वाले बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) पर भी ठाकरे राज का अंत साफ हो गया है। कुल 227 में से 131 सीटों पर बढ़त ले चुके महायुति का 25 साल बाद बीएमसी पर फिर कब्जा होने का रास्ता साफ हो गया है। पुणे, नागपुर, जालना और पिंपरी चिंचवड़ में भी भाजपा को भारी बढ़त हासिल हुई है। लातूर और भिवंडी निजामपुर में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है।

बीएमसी के लिए मतगणना के रुझानों से महायुति को स्पष्ट बढ़त मिल चुकी है और उसने बहुमत का आंकड़ा भी पार कर लिया है। राज्य चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार निकाय की कुल 227 सीटों में से 102 पर भाजपा और 29 पर उसके सहयोगी शिवसेना (शिंदे गुट) के उम्मीदवार आगे चल रहे हैं। शिवसेना (यूबीटी) के उम्मीदवार 65 सीटों और मनसे नौ सीटों पर आगे थी। कांग्रेस ने 15 और निर्दलीय उम्मीदवारों ने सात सीटों पर बढ़त बनाई है। बीएमसी चुनाव में भारी बढ़त के बाद मुंबई में भाजपा मुख्यालय को ऐतिहासिक जीत का जश्न मनाने के लिए सजाया गया है। इस पल को यादगार बनाने के लिए भाजपा मुख्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ आम लोगों की भी भारी भीड़ इकट्ठी हो गई।

> महाराष्ट्र का आभार! राज्य की उत्साही जनता ने राजग के जनहितकारी सुशासन के एजेंडे को आशीर्वाद दिया है। नगर निकाय चुनावों के परिणाम दर्शाते हैं कि महाराष्ट्र की जनता के साथ राजग का संबंध और गहरा हुआ है। हमारे कामकाज और विकास की दृष्टि ने लोगों का दिल जीता है। - **प्रधानमंत्री मोदी**

चाचा-भतीजे के गढ़ पुणे में भी भाजपा को बढ़त

पुणे। देर शाम तक मतगणना के नतीजों और रुझानों के अनुसार भाजपा ने उपमुख्यमंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) अध्यक्ष अजित पवार और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष और उनके चाचा शरद पवार का गढ़ मानी जाने वाली पुणे और पिंपरी चिंचवड महानगरपालिकाओं में भी बढ़त बना ली है। भाजपा पुणे में 29 वार्ड में जीत दर्ज कर चुकी हैं जबकि 43 वार्ड में बढ़त बनाए हुए है। यहां 165 सदस्यीय सदन में राकांपा और राकांपा (शप) क्रमशः तीन और दो सीटें जीतकर दूसरे स्थान पर हैं। पिंपरी-चिंचवड के 128 सदस्यीय सदन में भाजपा 81 और राकांपा 36 सीट पर बढ़त बनाए हुए है। कांग्रेस ने पुणे में तीन सीट जीती हैं और नौ पर आगे है। शिवसेना (उबाठा) का खाता भी नहीं खुला है।

एआईएमआईएम 11 नगर निगमों में 58 सीट पर आगे

मुंबई। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने 11 नगर निगमों की 58 सीटों पर बढ़त बनाई है। मुंबई में उसके तीन और ठाणे में पांच उम्मीदवार जीते हैं। पार्टी का पारंपरिक गढ़ माने जाने वाले छत्रपति संभाजीनगर में 16 उम्मीदवार आगे चल रहे हैं। एआईएमआईएम ने राज्य के दूसरे हिस्सों में भी बढ़त हासिल की है। नांदेड़ में पार्टी नौ सीटों पर आगे चल रही है, जबकि धुले में आठ उम्मीदवार आगे हैं। पार्टी ने अमरावती और नागपुर में भी अच्छी बढ़त हासिल की है, जो इसके बढ़ते असर का संकेत है।

गौरी लंकेश का हत्यारोपी जालना से चुनाव जीता

जालना। पत्रकार एवं मानवाधिकार कार्यकर्ता गौरी लंकेश की 2017 में हुई हत्या का आरोपी श्रीकांत पंगारकर शुक्रवार को जालना नगर निगम से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में पार्षद का चुनाव जीत गया। उसने भाजपा के रावसाहेब धोबले को हराया।

मुंबई में भाजपा का पहला मेयर मराठी मानुष होगा

भाजपा ने मुंबई में अपना पहला मेयर बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। भाजपा ने वादा किया है कि महानगर को पहला मराठी मेयर मिलेगा। भाजपा प्रवक्ता केशव उपाध्याय ने कहा कि इसमें कोई शक नहीं कि मुंबई के इतिहास में पहली बार भाजपा का कोई मराठी मेयर पद संभालेगा।

ईडी कार्यालय पर पुलिस का छापा पूर्व नियोजित

● झारखंड हाईकोर्ट का केंद्रीय गृह सचिव को पक्षकार बनाने का निर्देश

● ईडी को सीआरपीएफ या बीएसएफ की सुरक्षा भी मुहैया कराने को कहा

रांची, एजेंसी

झारखंड हाईकोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि यहां प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के कार्यालय पर हाल में की गई पुलिस का छापा प्रथमदृष्टया पूर्व नियोजित प्रतीत होती है। न्यायमूर्ति संजय कुमार द्विवेदी ने ईडी की ओर से दायर एक रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए मामले में केंद्रीय एजेंसी को केंद्रीय गृह सचिव को पक्षकार बनाने का निर्देश दिया। केंद्रीय गृह सचिव को ईडी के कार्यालय और उसके अधिकारियों की सुरक्षा के लिए सीआरपीएफ, बीएसएफ या किसी और अर्द्धसैनिक बल को तैनात करने का आदेश दिया।

न्यायमूर्ति द्विवेदी ने रांची के एसएसपी राकेश रंजन को भी ईडी कार्यालय की सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। कहा, यदि ईडी कार्यालय और उसके अधिकारियों की सुरक्षा में कोई चूक होती है तो एसएसपी रांची को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया जाएगा। हाईकोर्ट ने झारखंड सरकार के पूर्व कर्मचारी संतोष कुमार की ओर से एयरपोर्ट थाने में दर्ज कराई गई प्राथमिकी के आधार पर ईडी अधिकारियों के खिलाफ पुलिस जांच पर भी रोक लगा दी। झारखंड पुलिस के ईडी के रांची कार्यालय पर छापे के खिलाफ संघीय एजेंसी बृहस्पतिवार को हाईकोर्ट पहुंची थी।

ईडी ने अपनी याचिका में कार्यालय में छापेमारी की सीबीआई से जांच कराने का अनुरोध करते हुए पुलिस पर संघीय एजेंसी के कामकाज में सीधा हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया है। ईडी के वकील ने अदालत से कहा कि केंद्रीय एजेंसी संतोष द्वारा 23 करोड़ रुपये के कथित घोटाले की जांच कर रही है। ईडी द्वारा अब तक नौ करोड़ रुपये बरामद किए जा चुके हैं। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के पूर्व कर्मचारी संतोष कुमार द्वारा 12 जनवरी को शिकायत दर्ज कराने के बाद पुलिसकर्मियों ने बृहस्पतिवार को ईडी कार्यालय का दौरा किया और सीसीटीवी फुटेज जब्त कर ली। संतोष ने आरोप लगाया था कि पूछताछ के दौरान ईडी अधिकारियों ने उनकी पिटाई की थी।

श्री बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर निर्माण के लिए हुई पहली रजिस्ट्री

राज्य ब्यूरो,लखनऊ

● सुगम दर्शन का सपना होगा साकार, ब्रज क्षेत्र में बढ़ेगा पर्यटन व रोजगार

अमृत विचार: मथुरा के वृंदावन स्थित श्री बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर के निर्माण की दिशा में शुक्रवार को भूमि की पहली रजिस्ट्री हो गई। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर गठित उच्चाधिकार प्राप्त समिति व जिला प्रशासन के संयुक्त प्रयासों से कॉरिडोर निर्माण का रास्ता साफ हुआ है। इस परियोजना से न केवल दर्शन सरल होंगे, बल्कि समूचे ब्रज क्षेत्र के विकास को और गति मिलेगी।

कॉरिडोर निर्माण के लिए शुक्रवार को बिहारीपुरा क्षेत्र की संपत्ति संख्या-25 के एक भाग (69.26 वर्ग मीटर) की रजिस्ट्री तहसीलदार सदर के पक्ष में की गई। यति गोस्वामी, अभिलाष गोस्वामी व अनिकेत गोस्वामी ने अपनी भूमि का विक्रय विलेख (सेल डीड) निष्पादित किया। कॉरिडोर के निर्माण से वृंदावन व आसपास के क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। नए होटलों, रेस्टोरेंटों और दुकानों के खुलने से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। कॉरिडोर बनने के बाद श्री बांके बिहारी जी के दर्शन सुलभ हो जाएंगे। यह प्रोजेक्ट न केवल वृंदावन की ऐतिहासिक पहचान को सुरक्षित

रखेगा, बल्कि आधुनिक तीर्थयात्रियों की जरूरतों को भी पूरा करेगा।

उच्चाधिकार प्राप्त समिति में न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) अशोक कुमार की अध्यक्षता में प्रशासन, पुलिस, पुरातत्व विभाग और गोस्वामी समाज के प्रतिनिधि शामिल हैं। समिति ने मंदिर के गोस्वामियों, सेवायतों, व्यापारियों और स्थानीय लोगों के साथ निरंतर बैठकें कर सभी के सुझावों को इस योजना में शामिल किया है। संकरी गलियों में होने वाली भीड़ का दबाव कम करने को प्रस्तावित कॉरिडोर श्रेयस्कर होगा। कारिडोर में श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित वातावरण, बैठने की व्यवस्था, पेयजल और सुगम प्रवेश-निकासी द्वार बनाए जाएंगे।

सट्टेबाजी-जुए से जुड़े 242 अवैध वेबसाइट लिंक पर लगा प्रतिबंध

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को सट्टेबाजी और जुआ खेलने से संबंधित 242 अवैध वेबसाइट के लिंक को प्रतिबंधित कर दिया। यह आदेश पिछले साल अगस्त में पैसे के इस्तेमाल वाले गेमिंग ऐप पर लगाए गए सरकारी प्रतिबंध के बाद आया है। सूत्रों ने कहा, भारत सरकार ने शुक्रवार को अवैध सट्टेबाजी और जुआ से जुड़े 242 अवैध वेबसाइट लिंक को प्रतिबंधित कर दिया। ऑनलाइन गेमिंग अधिनियम पारित होने के बाद से अब तक 7,800 से अधिक अवैध सट्टेबाजी और जुआ संबंधी वेबसाइट को बंद किया जा चुका है।

● युवाओं को वित्तीय नुकसान से बचाने के लिए केंद्र का कदम

यूपी बोर्ड: कक्षा 9 और 11 में व्यावसायिक शिक्षा अनिवार्य

लखनऊ/प्रयागराज। उप्र माध्यमिक शिक्षा परिषद ने शैक्षिक सत्र 2026 से कक्षा 9 और 11 में व्यावसायिक शिक्षा को अनिवार्य किया है। साथ ही आईटी, आईटीईएस, इलेक्ट्रॉनिक्स, एपेरल व ब्यूटी एंड वेलनेस विषयों के व्यावसायिक पाठ्यक्रम को विषय समितियों के अनुमोदन के बाद परिषद को सौंप दिया गया है।

अधिकारियों के मुताबिक पाठ्यक्रम में तकनीकी जरूरतों, उद्योगों की अपेक्षाओं तथा विद्यार्थियों की रोजगार क्षमता को केंद्र में रखते हुए व्यवहारिक व कौशलआधारित विषयवस्तु शामिल की गई है। परिषद का मानना है कि यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप विद्यार्थियों में कौशल विकास, और व्यावसायिक दक्षता को बढ़ावा देगी।

मचाडो का शांति नोबेल पदक ट्रंप के हाथों में

वाशिंगटन। वेनेजुएला में विपक्ष की नेता मारिया कोरिना मचाडो ने बृहस्पतिवार को अपना नोबेल शांति पुरस्कार पदक अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भेंट कर दिया।

कुछ ही दिन पहले अमेरिका की ओर से वेनेजुएला में सैन्य हमला कर उसके नेता निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को गिरफ्तार करने के बाद मचाडो ने यह फैसला लिया। मचाडो ने पदक के साथ संदेश में लिखा, 'राष्ट्रपति डोनाल्ड जे ट्रंप के लिए, शक्ति के माध्यम से शांति को बढ़ावा देने, कूटनीति को आगे बढ़ाने और स्वतंत्रता एवं समृद्धि की रक्षा करने में आपके असाधारण नेतृत्व के लिए कृतज्ञता के तौर पर।'

● राष्ट्रपति मादुरो की गिरफ्तारी के बाद वेनेजुएला में विपक्ष की नेता ने कृतज्ञता के तौर पर किया भेंट

ट्रंप बोले- थैंक्यू मारिया

ट्रंप ने सोशल मीडिया पर पुष्टि की कि मचाडो ने यह पदक उन्हें दिया है। उन्होंने कहा कि मचाडो से मिलना उनके लिए सम्मान की बात है। ट्रंप ने कहा, वह एक बेहतरीन महिला हैं जिन्होंने बहुत कुछ झेला है। मारिया ने मेरे किए गए काम के लिए मुझे अपना नोबेल शांति पुरस्कार दिया। यह आपसी सम्मान का कितना अद्भुत भाव है। धन्यवाद मारिया।

दिल्ली-एनसीआर में फिर ग्रैप-3 लागू किया

नई दिल्ली। एनसीआर और आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने आगामी दिनों में वायु गुणवत्ता के गंभीर श्रेणी में पहुंचने की आशंका को देखते हुए शुक्रवार को 'ग्रैप-3' प्रतिबंध लागू कर दिए।

आईएमडी के मुताबिक धीमी हवा, स्थिर वातावरण, प्रतिकूल मौसम मापदंडों और प्रदूषकों के फैलाव की कमी से दिल्ली का औसत एक्यूआई आने वाले दिनों में 400 को पार कर गंभीर श्रेणी में प्रवेश कर सकता है।

संदेश कहा- प्रत्येक विश्वविद्यालय किसी एक खेल को लें गोद, ताकि नशे से दूर और अनुशासित रहे युवा वर्ग

खेल प्रतिभाओं को तराशें शिक्षण संस्थान : मुख्यमंत्री

● योगी ने कहा- पीएम मोदी के मार्गदर्शन में देश में उभरी नई खेल संस्कृति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/गोरखपुर

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों का आह्वान किया है कि वे किसी एक खेल को गोद लेकर उससे जुड़ी प्रतिभाओं को तराशने का कार्य करें। उन्होंने कहा, इससे न केवल युवाओं में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और अनुशासन विकसित होगा, बल्कि खेल भावना के जरिए उन्हें नशे और सामाजिक विकृतियों से भी दूर रखा जा सकेगा।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में आयोजित पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय महिला बास्केटबॉल प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह को संबोधित

प्रतियोगिता का उद्घाटन करते मुख्यमंत्री योगी।

कर रहे थे। उन्होंने कहा कि युवा खेलेगा तो खिलेगा। यही युवा वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करेगा। खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने से युवाओं में आत्मविश्वास, टीम भावना और अनुशासन आता है। स्वस्थ शरीर से ही जीवन के सभी साधन प्राप्त किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा, भारत की ऋषि परंपरा का उद्घोष 'शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्' आज भी उतना ही प्रासंगिक है।

खिलाड़ियों को सम्मान पुरस्कार और नौकरी

योगी ने कहा कि प्रदेश सरकार खिलाड़ियों को हर स्तर पर प्रोत्साहित कर रही है। ओलंपिक में प्रतिभाग करने वाले यूपी के खिलाड़ी को 10 लाख रुपये दिए जाते हैं। ओलंपिक में एकल स्वर्ण पदक विजेता को 6 करोड़ रुपये और क्लास-वन नौकरी, जबकि टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक पर तीन करोड़ रुपये का प्रावधान है। रजत और कांस्य पदक विजेताओं सहित एशियाड, कॉमनवेल्थ गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप के पदक विजेताओं को भी आकर्षक पुरस्कार दिए जाते हैं। अब तक 500 से अधिक पदक विजेता खिलाड़ियों को सीधे सरकारी नौकरी दी जा चुकी है।

कॉमनवेल्थ और ओलंपिक के दृष्टिगत तैयारियां

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि वर्ष 2030 के कॉमनवेल्थ गेम्स गुजरात में प्रस्तावित हैं और वर्ष 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए भारत प्रयासरत है। ऐसे में राज्यों और खिलाड़ियों को अभी से अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयारी करनी होगी। मुख्यमंत्री ने गुब्बारे उड़ाकर और बास्केटबॉल कोर्ट में बॉल उछालकर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और फर्स्ट हाफ का मैच देखकर तालियां बजाकर महिला खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया।

अमृत विचार

मुरादाबाद , शनिवार,17 जनवरी 2026

नेताजी के जन्मदिन पर एमआईटी में होगा ब्लैक आउट मॉक ड्रिल

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- कलेक्ट्रेट सभागार में हुई बैठक में मॉक ड्रिल की तैयारियों पर चर्चा

अमृत विचार: नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती पर नागरिक सुरक्षा संगठन के द्वारा ब्लैक आउट मॉक ड्रिल करने की तैयारियों को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में शुक्रवार को बैठक हुई। अपर जिलाधिकारी नगर ज्योति सिंह और नागरिक सुरक्षा के उप नियंत्रक नीरज चक ने मॉक ड्रिल के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

उपनियंत्रक नागरिक सुरक्षा नीरज चक ने मॉकड्रिल की कार्ययोजना प्रस्तुत की। अपर जिलाधिकारी नगर ज्योति सिंह और अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ममता मालवीय के निर्देशन में मॉक ड्रिल के लिए एमआईटी इंस्टीट्यूट रामगंगा विहार निर्धारित किया गया। चयनित स्थल पर निर्धारित समय पर ब्लैक आउट मॉक ड्रिल के आयोजन के लिए बैठक में निर्देश दिया गया। चिकित्सा विभाग द्वारा आवश्यक एम्बुलेंस चिकित्सा टीम सहित प्रतिभाग करने के निर्देश दिए। अग्निशमन विभाग द्वारा फायर टेंडर के साथ और विद्युत विभाग को मॉकड्रिल स्थल एवं आस-पास के घरों में ब्लैक आउट करने को कहा गया। अपर जिलाधिकारी ने आपदा मित्रों एवं एसडीआरएफ को भी प्रतिभाग करने का निर्देश दिया।

बैठक में अग्निशमन अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, अधिशासी अभियंता विद्युत नगरीय, अधिशासी अभियंता लोनिवि (प्रान्तीय खण्ड), आपदा विशेषज्ञ, सहायक उपनियंत्रक नागरिक सुरक्षा पंकज सक्सेना, डिप्टी चीफ वार्डेन नागरिक सुरक्षा, प्रभागीय वार्डेन नागरिक सुरक्षा कटघर प्रभाग, सुरेन्द्र प्रकाश गुप्ता प्रभागीय वार्डेन नागरिक सुरक्षा प्रभाग, अशोक कुमार गुप्ता स्टाफ अधिकारी टू प्रभागीय वार्डेन कोतवाली उपस्थित रहे।

1881-82 में हुआ निर्माण,1891 में नवाब के सेनाध्यक्ष जनरल अजीमुद्दीन खां का बना आशियाना

145 वर्ष पुरानी राजकीय हामिद इंटर कॉलेज की इमारत जर्जर, हादसे का डर

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

- अभिनेता प्राण और रजा मुराद के पिता मुराद खां ने इसी कॉलेज में पाई तालीम

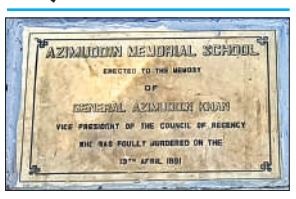

जनरल अजीमुद्दीन खां के नाम की तख्ती।

अमृत विचार : शहर के हाथीखाना-नसरुल्लाह खां रोड स्थित 145 वर्ष पुरानी राजकीय हामिद इंटर कॉलेज की इमारत जर्जर हालत में है और हर समय हादसे का डर सताता रहता है। वर्ष 1881-82 में इस इमारत का निर्माण हुआ। इसके बाद वर्ष 1891 में यह इमारत नवाब की सेना के सेनाध्यक्ष जनरल अजीमुद्दीन खां का आशियाना बना।

उनकी हत्या के बाद वर्ष 1936 में लोअर मिडिल स्कूल बनाया गया। इसमें प्रसिद्ध अभिनेता प्राण और रजा मुराद के पिता फिल्म अभिनेता मुराद खां ने तालीम पाई है। राजकीय हामिद इंटर कॉलेज की इमारत में यूं तो एक हाल समेत 18 कमरे हैं। प्रधानाचार्य डॉ. अरविंद गौतम बताते हैं कि इमारत के जर्जर होने के कारण अधिकांश में ताले लगवा दिए हैं। बताते हैं कि दो वर्ष पूर्व बोर्ड परीक्षा के दौरान एक कमरे का प्लास्टर गिर गया था। जिसके बाद कमरों को बंद करा दिया गया।

नई इमारत के छह कमरों में बोर्ड परीक्षा कराई जाएगी। बताया कि एक मल्टीपर्पज हॉल और एक कंप्यूटर कक्ष बनकर तैयार हो गया है, लेकिन कार्यदायी संस्था सीएनडीएस ने हैंडओवर नहीं किया है।

प्रधानाचार्य ने बताया कि बुजुर्गों ने बताया कि इस विद्यालय से प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता प्राण और फिल्म अभिनेता रजा मुराद के पिता फिल्म अभिनेता मुराद खां ने भी तालीम हासिल की है। इसके अलावा कई विद्यार्थी प्रमुख सचिव पद तक पहुंचे हैं। फिलहाल विद्यालय में 102 विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

अभिनेता प्राण के पिता रामपुर की एक फैक्ट्री में नौकरी करते थे और उनका मकान कोतवाली के पीछे था। प्राण फुटबॉल के अच्छे खिलाड़ी होने के कारण कॉलेज की फुटबॉल टीम के कप्तान थे।

एंग्लो इंडियन वास्तुशिल्प के आधार पर बनी कॉलेज की इमारत। ● अमृत विचार

एंग्लो इंडियन वास्तुशिल्प का अद्भुत नमूना है भवन

कॉलेज की इमारत का नक्शा फ्रांसीसी इंजीनियर सीडब्ल्यू राइट ने बनाया था। जो एंग्लो इंडियन वास्तुशिल्प का अद्भुत नमूना है। वर्ष 1936 का यह कॉलेज अब जीर्ण-क्षीर्ण अवस्था में है। रियासत कालीन राजकीय हामिद इंटर कालेज खुद में बड़ा इतिहास समेटे हुए है। कॉलेज की इमारत फिलहाल घनी आबादी के बीच में फंस गई है।

राजकीय हामिद इंटर कॉलेज बहुत कुछ इतिहास समेटे हुए है। पहले यह जनरल अजीमुद्दीन खां का आवास था। वर्ष 1936 में इस इमारत में कॉलेज बनाया गया। जहां फिल्म अभिनेताओं समेत पूर्व मंत्री शिव बहादुर सक्सेना ने भी शिक्षा ग्रहण की है।

– डॉ. अरविंद गौतम, प्रधानाचार्य
राजकीय हामिद इंटर कॉलेज

न्यूज ब्रीफ

दो बाईकों की भिड़ंत में बैंक के चपरासी की मौत

मिलक अमृत विचार : शुक्रवार शाम आमने-सामने से दो बाईकों की भिड़ंत में बैंक कर्मचारी की मौत हो गई। हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवा दिया। हादसा गुरुवार की देर रात क्षेत्र के ग्राम राठौड़ा स्थित पुलिया पर हुआ। ग्राम ऐमी निवासी छोटेलाल(53) रठौंडा स्थित एक बैंक में चपरासी थे। देर शाम वह बाइक से घर जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही बाइक ने उनकी टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया।सूचना पर पहुंचे परिजन उन्हें लेकर निजी चिकित्सक के पास ले गए। जहां से वह उन्हें घर के गए। शुक्रवार को सुबह हालत बिगड़ता देख परिजन उन्हें लेकर नगर के सरकारी अस्पताल पहुंचे। जहां मौजूद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवा दिया।

गुरू जम्भेश्वर विवि की पहले दिन की परीक्षा में पकड़े गए तीन नकलची

158 केंद्रों में हुई परीक्षा, 502 परीक्षार्थियों ने छोड़ी, 10836 रहे उपस्थित

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

परीक्षा देकर बाहर निकलते परीक्षार्थी। ● अमृत विचार

- कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और सीसीटीवी कैमरों की निगरानी रही

अमृत विचार : गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय की परीक्षाएं शुक्रवार को जिले के 158 परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराई गईं। परीक्षा में कुल पंजीकृत 11338 परीक्षार्थियों में 10,836 जिसमें 5877 छात्र एवं 4959 छात्राएं परीक्षार्थी परीक्षा में बैठी। वहीं 502 परीक्षार्थी में 366 छात्र एवं 136 छात्राओं ने परीक्षा छोड़ दी। उड़न दस्ते द्वारा 3 परीक्षार्थी नकल करते पकड़े गए। सुबह 9 बजे से 11 बजे तक हुई परीक्षा के दौरान केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और सीसीटीवी कैमरों की निगरानी रही।

पहले दिन कुछ परीक्षार्थी परीक्षा केंद्रों पर देर से पहुंचे, जिन्हें चेतावनी देकर प्रवेश की अनुमति दी गई। प्रशासन की ओर से प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर स्टेटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई थी। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल भी तैनात रहा। परीक्षा के दौरान तीन परीक्षार्थी के नकल में पकड़े जाने अलावा किसी भी प्रकार की अव्यवस्था की सूचना नहीं मिली। कुलपति ने बताया कि शुक्रवार को बीए प्रथम सेमेस्टर के ट्रैवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट, फ़ारसी, फ़ंक्शनल हिंदी और उर्दू विषयों की परीक्षा आयोजित की गई। इसके अलावा बीएससी भौतिकी, बीएससी (ऑनर्स) कृषि, बीबीए बिज़नेस इकोनॉमिक्स, बीबीए (हेल्थ केयर) के बेसिक्स ऑफ एकाउंटिंग तथा बीसीए के कंप्यूटर फंडामेंटल्स एंड पीसी सॉफ्टवेयर विषय की परीक्षा भी कराई गई। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार इन परीक्षाओं में कुल लगभग 93 हजार विद्यार्थियों को सम्मिलित होना था। प्रशासनिक अधिकारियों ने परीक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और केंद्र व्यवस्थापकों को परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के निर्देश दिए गए थे।

एचटी लाइन की चपेट में आकर संविदा कर्मी की मौत

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- पेड़ की छंटाई के दौरान हुआ हादसा, परिजनों ने लगाया आरोप
- बेहोशी की हालत में पेड़ के सहारे टिका था रवि

रवि सैनी को उतारते कर्मचारी।

अमृत विचार : कटघर थाना क्षेत्र में बिजली विभाग में कार्यरत एक संविदा कर्मचारी की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से मौत हो गई। पीतल बस्ती बिजली घर क्षेत्र स्थित बलदेवपुरी में शाखाओं की छंटाई के दौरान हादसा हुआ। साथियों ने बेहोशी की हालत में उसे नीचे उतारा और निजी अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर कर दिया। अस्पताल पहुंचे परिजनों का रो रोकर बुरा हाल था। परिजनों ने काम के दौरान बिजली चालू करने का आरोप लगाया है।

रवि कुमार(30) चार वर्षों से शिवपुरी विद्युत केंद्र पर संविदा कर्मचारी के रूप में कार्य कर रहा था। शुक्रवार को शिवपुरी विद्युत केंद्र पर तैनात रवि कुमार और अन्य संविदा कर्मी जेई के साथ बलदेवपुरी में पेड़ों की कटाई-छंटाई का कार्य कर रहा था। शटडाउन लेकर उस क्षेत्र में पेड़ों के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन के कारण पेड़ों की छंटाई का कार्य किया जाना था। इसी दौरान रवि का संतुलन बिगड़ गया और उसके हाथ से आरी नीचे गिर गई। साथ में कार्य कर रहे अन्य कर्मचारियों ने उसे देखा तो वह बेहोशी की हालत में पेड़ के गूदे पर टिका था। नीचे से उसे आवाज लगाई गई लेकिन वह बेहोश था जिसके साथियों ने सीढ़ी लगा कर उसे पेड़ से नीचे उतारा और परिवार के लोगों ने हादसे की सूचना कटघर कोतवाली पुलिस दी। सूचना पर पहुंचे थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। गंभीर रूप से झुलसे रवि कुमार को पुलिस टीम द्वारा निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उपचार के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया।

थाना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि डयूटी पर कार्य के दौरान यह हादसा हुआ। उन्होंने बताया कि परिजनों ने काम के दौरान बिजली चालू करने का आरोप लगाया है। बाकी पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आने बाद ही सब कुछ साफ हो पाएगा। परिजनों की ओर से मिली तहरीर पर कार्रवाई की जाएगी।

टीजीटी परीक्षा आज और कल

मुरादाबाद, अमृत विचार : लोक सेवा आयोग के सचिव के निर्देश पर सहायक अध्यापक, प्रशिक्षित स्नातक श्रेणी (पुरुष एवं महिला शाखा) (प्रा.) की परीक्षा का आयोजन 17 और 18 जनवरी (शनिवार व रविवार) को किया जाएगा। परीक्षा दो सत्रों में आयोजित होगी। शुक्रवार को जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि परीक्षा का प्रथम सत्र सुबह 9 से 11 बजे तक वहीं द्वितीय सत्र दोपहर 3 से शाम 5 बजे तक आयोजित किया जाएगा। आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 17 जनवरी को प्रथम पाली में 28 परीक्षा केंद्रों तथा द्वितीय पाली में 19 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा संपन्न कराई जाएगी। वहीं 18 जनवरी को प्रथम पाली में 26 परीक्षा केंद्रों तथा द्वितीय पाली में 3 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा आयोजित की जाएगी।उन्होंने बताया कि परीक्षा को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी निर्धारित केंद्रों पर केंद्र व्यवस्थापक एवं सहायक केंद्र व्यवस्थापक नियुक्त किए गए हैं। सभी केंद्र व्यवस्थापकों और सहायक केंद्र व्यवस्थापकों को परीक्षा के दौरान कानून-व्यवस्था, सुरक्षा एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को बनाए रखने के निर्देश दिए हैं।

एफपीओ को निर्यात फर्म के रूप में विकसित करने की तैयारी

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- पांच एफपीओ स्वामियों को हैदराबाद में मिलेगा विशेष प्रशिक्षण

अमृत विचार : मंडल स्तर पर किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को सशक्त बनाकर उन्हें निर्यात फर्म के रूप में विकसित करने की दिशा में सरकार प्रयास कर रही है। इसी क्रम में मंडल के मुरादाबाद, संभल, चंदौसी और अमरोहा जिलों से चयनित पांच एफपीओ स्वामियों को एक्सपोजर विजिट के लिए हैदराबाद भेजा जाएगा।

शुक्रवार को ज्येष्ठ कृषि विपणन निरीक्षक अशीष गुप्ता ने बताया कि यह एक्सपोजर विजिट हैदराबाद स्थित मैनिज में आयोजित की जाएगी। यहां एफपीओ स्वामियों को मिलेट्स से बने उत्पादों एवं अन्य सब्जियों के निर्यात से संबंधित प्रशिक्षण दिया जाएगा। अवधि पांच दिन की होगी, जिसमें देश के अनुभवी विशेषज्ञ एफपीओ प्रतिनिधियों को निर्यात से जुड़ी बारीकियों की जानकारी देंगे। एफपीओ स्वामियों को बताया जाएगा कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार की मांग के अनुसार कृषि उत्पादों की गुणवत्ता कैसे बेहतर और सुंदर की जाए। इसके साथ ही उत्पादों की आकर्षक और सुरक्षित पैकेजिंग,ब्रांडिंग,लेबलिंग,गुणवत्ता प्रमाणन,तथा निर्यात की औपचारिक प्रक्रियाओं पर भी विस्तार से जानकारी दी जाएगी।

विशेषज्ञ समझाएंगे कैसे प्रस्तुत करें उत्पाद

विशेषज्ञ यह भी समझाएंगे कि विदेशी बाजारों में प्रतिस्पर्धा के लिए उत्पादों को किस प्रकार प्रस्तुत किया जाए। ज्येष्ठ कृषि विपणन निरीक्षक के मुताबिक इस पहल का मुख्य उद्देश्य एफपीओ को सीधे अंतर्राष्ट्रीय बाजारों से जोड़ना है, किसानों को उनके उत्पादों का बेहतर मूल्य मिल सके। एफपीओ के माध्यम से निर्यात को बढ़ावा देने से किसानों की आय में वृद्धि होगी और वे आर्थिक रूप से अधिक सशक्त बन सकेंगे।

रामपुर में 317 परीक्षार्थियों ने दी परीक्षा

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : गुरु जंभेश्वर विवि की स्नातक एवं स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं शुक्रवार से राजकीय रजा स्नातकोत्तर महाविद्यालय में हुई। प्रथम पाली की परीक्षा प्रातः 9 से पूर्वाह्न 11 बजे तक हुई। परीक्षा के लिए पंजीकृत 334 परीक्षार्थियों में से 317 उपस्थित रहे जबकि, 17 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

प्राचार्य डॉ. जागृति मदान ढींगरा ने बताया कि परीक्षा प्रभारी द्वारा डॉ. अरशद रिजवी ने टीम के साथ परीक्षार्थियों की सघन जांच की। बताया कि राजकीय रजा स्नातकोत्तर महाविद्यालय में इंपैक्ट कॉलेज ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी तथा दीक्षित कॉलेज ऑफ हायर एजुकेशन रामपुर का परीक्षा केंद्र भी बनाया गया है। राजकीय रजा स्नातकोत्तर महाविद्यालय को परीक्षाओं के संचालन के लिए नोडल तथा प्रश्न पत्र एवं उत्तर पुस्तिका संकलन केंद्र भी बनाया गया है। कॉलेज में रुहेलखंड विवि की भी परीक्षा हो रही है। इस अवसर पर सहायक परीक्षा प्रभारी डॉ. मीनाक्षी गुप्ता, डॉ. हितेंद्र कुमार सिंह और डॉ. सोमेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

राजकीय रजा डिग्री कालेज में परीक्षा से पूर्व परीक्षार्थियों की तलाशी लेते प्राध्यापक।

महिला डिग्री कॉलेज में दो परीक्षार्थियों ने दी परीक्षा

रामपुर, अमृत विचार : किला स्थित राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में शुक्रवार से गुरु जंभेश्वर विवि द्वारा आयोजित परीक्षा प्रातः 9 से पूर्वाह्न 11 बजे तक हुई। परीक्षा प्रभारी डॉ. रजिया परवीन ने बताया कि शुक्रवार को बीएससी प्रथम सेमेस्टर की भौतिक विज्ञान की परीक्षा हुई। भौतिक विज्ञान की परीक्षा के लिए 2 परीक्षार्थी पंजीकृति थीं और दोनों परीक्षार्थी उपस्थिति रहीं। गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय द्वारा पहली बार यह परीक्षा कराई जा रही है। जिसमें बीए, बीएससी फर्स्ट सेमेस्टर और एमए फर्स्ट सेमेस्टर की परीक्षाएं संचालित होंगी। महाविद्यालय में बीए, बीएससी और एमए प्रथम सेमेस्टर की कुल 640 छात्राएं पंजीकृत हैं।

विकास भवन में 28 अधिकारी कर्मचारी अनुपस्थित, वेतन रोका

कार्यालय संवाददाता,मुरादाबाद

- सीडीओ ने किया निरीक्षण, अनुपस्थितों का स्पष्टीकरण लेने के निर्देश

अमृत विचार : मुख्य विकास अधिकारी मृणाली अविनाश जोशी ने शुक्रवार को विकास भवन का औचक निरीक्षण किया। सुबह 10:45 बजे किए गए निरीक्षण के दौरान विभिन्न विभागों की उपस्थिति पंजिकाओं का अवलोकन करने पर बिना किसी पूर्व सूचना या अनुमति के कुल 28 अधिकारी और कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए।

मुख्य विकास अधिकारी के औचक निरीक्षण में अर्थ एवं संख्या विभाग के दो, नेडा विभाग का एक, पशुपालन विभाग का एक, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के दो, पंचायती राज विभाग के तीन, सहकारिता विभाग के पांच, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण के दो, कृषि विभाग का एक, समाज कल्याण विभाग के तीन, मत्स्य विभाग का एक, जिला विकास कार्यालय के तीन, महिला कल्याण विभाग के तीन तथा दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग का एक अधिकारी-कर्मचारी अनुपस्थित मिले। मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित अनुभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि अनुपस्थित कर्मचारियों का 16 जनवरी का एक दिन का वेतन बाधित किया जाए तथा उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त करें। सीडीओ ने स्पष्ट किया कि कार्यों में लापरवाही और अनुशासनहीनता किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को समय से कार्यालय पहुंचकर जनहित के कार्यों को प्राथमिकता से निस्तारित करने के निर्देश दिए।

दिशा-निर्देश | मंडलायुक्त ने मंडल के जिलाधिकारियों को दिए दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई के निर्देश

प्रधानों के विरुद्ध दो-दो वर्षों से लंबित जांचों पर सख्ती

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- 15 दिन के भीतर मांगी लंबित मामलों के निस्तारण एवं दोषियों के खिलाफ की गई कार्रवाई की रिपोर्ट

अमृत विचार : ग्राम प्रधानों के विरुद्ध प्राप्त शिकायतों और उनसे संबंधित जांचो के लंबित रहने को लेकर मंडलायुक्त ने कड़ा रुख अपनाया है। आईजीआरएस के माध्यम से प्राप्त शिकायतों की समीक्षा में सामने आया है कि कई जनपदों में ग्राम प्रधानों के खिलाफ दर्ज शिकायतें और उनसे जुड़ी जांचें विभिन्न स्तरों पर लंबे समय से लंबित चल रही हैं।

मंडलायुक्त ने मामलों में जांच 20 माह से अधिक समय से लंबित होने को प्रशासनिक शिथिलता बताया। कहा कि इससे न केवल जन शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण प्रभावित हो रहा है, बल्कि शासन और प्रशासन की छवि भी धूमिल हो रही है। मंडलायुक्त ने जिलाधिकारियों का ध्यान शासनादेश 28 फरवरी 2014 की तरफ आकृष्ट किया। ग्राम प्रधानों के विरुद्ध शिकायतों की जांच के लिए स्पष्ट समय-सीमा निर्धारित है।

नियमानुसार प्रारंभिक जांच समय रहते पूरी कर रिपोर्ट जिलाधिकारी को सौंपी जानी चाहिए, जबकि शिकायत प्राप्त होने की तिथि से छह माह के भीतर संपूर्ण जांच प्रक्रिया पूर्ण कर रिपोर्ट संबंधित स्तर पर भेजना अनिवार्य है। इसके बावजूद जनपद स्तर पर शासन के निर्देशों का पालन नहीं किया जा रहा है। इस स्थिति को गंभीरता से लेते हुए मंडलायुक्त ने निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक जनपद में लंबित ग्राम प्रधानों की जांचों की व्यक्तिगत समीक्षा की जाए और विशेष अभियान चलाकर उनका शीघ्र निस्तारण कराया जाए। साथ ही जिला पंचायत राज अधिकारियों एवं जांच अधिकारियों की भूमिका की समीक्षा कर अनावश्यक विलंब के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की पहचान करने और उनके विरुद्ध कड़ी प्रशासनिक कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

जांच रिपोर्ट न देने पर समाज कल्याण व उद्यान अधिकारी को नोटिस

मुरादाबाद, अमृत विचार : ग्राम प्रधान के विरुद्ध लंबित जांच के मामले में लापरवाही बरतने पर जिला समाज कल्याण अधिकारी को नोटिस जारी किया गया है। डीएम ने नोटिस में कहा है कि तीन दिन के भीतर विलंब का औचित्य स्पष्ट करते हुए जांच आख्या प्रस्तुत की जाए। समय भीतर रिपोर्ट न देने पर विभागीय कार्रवाई की जाएगी। वहीं जिला उद्यान अधिकारी को भी नोटिस जारी किया गया है। जिला समाज कल्याण अधिकारी पंखुरी जैन को डीएम ने ग्राम पंचायतों में विकास कार्य में लगी धनराशि में ग्रामीणों के द्वारा फर्जीवाड़ा करने की शिकायत की जांच करने का निर्देश दिया था। नियम-3 प्रारंभिक जांच एवं नियम-6 अंतिम जांच के तहत निर्धारित समय-सीमा में जांच पूरी करने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद ग्राम पंचायत फरीदपुर कासम, विकासखंड डिलारी के ग्राम प्रधान के विरुद्ध प्राप्त शिकायत की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट लगभग एक वर्ष पांच माह बीतने के बाद भी प्रस्तुत नहीं की गई। इस संबंध में जिला समाज कल्याण अधिकारी को पूर्व में कई बार पत्र भेजकर जांच रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन उच्चाधिकारियों के आदेशों की अनदेखी की गई। जिला उद्यान अधिकारी रमेश सिंह राणा को डीएम ने ग्राम पंचायत लालापुर पीपलसाना, विकासखंड ठाकुरद्वारा के ग्राम प्रधान के विरुद्ध प्राप्त शिकायत की प्रारंभिक जांच के लिए जांच अधिकारी नामित किया था। एक सप्ताह के भीतर जांच पूरी कर बिंदुवार रिपोर्ट मुख्य विकास अधिकारी के माध्यम से प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद लगभग एक वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बाद भी जांच रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की गई। जिलाधिकारी ने शासकीय कार्यों के प्रति गंभीर लापरवाही मानते हुए जारी नोटिस में चेतावनी दी है कि निर्धारित समयावधि में संतोषजनक जवाब और जांच आख्या प्राप्त न होने की स्थिति में उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

साढ़े पांच करोड़ से बनेंगी सड़कें व पुलिया

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

लोगों को संबोधित करते कुंदरकी विधायक रामवीर सिंह। ● अमृत विचार

- कुंदरकी विधायक ने पूजन कर किया कार्यों का शिलान्यास

अमृत विचार : कुंदरकी विधायक रामवीर सिंह ने शुक्रवार को शिवराज सिंह मेमोरियल इंटर कॉलेज दौलारी एवं अक्का डिलारी तिराहा से भूमि पूजन कर साढ़े पांच करोड़ रुपये लागत की सड़क, रपटा और पुलिया निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया।

इस धनराशि से होने वाले कार्यों में एन.एच.24 से दलपतपुर समदी समदा मुड़िया मलूकपुर चंदनपुर ईशापुर मार्ग पर विशेष मरम्मत कार्य लागत 31.46 लाख, एन.एच.24 के किमी.-174 से दौलारी सम्पर्क मार्ग लागत 42.31 लाख, अक्का पांडे मार्ग से घोसीपुरा सम्पर्क मार्ग पर विशेष मरम्मत कार्य लागत 10.18 लाख, अक्का डिलारी से अक्का पाण्डे भोजपुर सम्पर्क मार्ग पर पुलिया निर्माण कार्य लागत 258.45 लाख, एन.एच.24 हरसख मझरा से ईलर रसूलाबाद सम्पर्क मार्ग पर रपटा निर्माण कार्य लागत 79.12 लाख और वीरपुर वरियार में रसीद ठेकेदार के घर से दौलरा राझेडा नदी तक संपर्क मार्ग पर पुलिया का निर्माण कार्य लागत 130.30 लाख शामिल है।

कुंदरकी विधायक रामवीर सिंह ने कहा कि मूढापांडे क्षेत्र में प्रतिवर्ष बाढ़ के कारण बहुत बड़ी आबादी प्रभावित होती है। आवागमन के रास्ते कट जाते है लोगों को 20-20 किलोमीटर घूम कर जाना पड़ता है। इसलिए आज सड़कों के साथ साथ कई जगहों पर पुलिया और रपटों के निर्माण का भी भूमि पूजन कर कार्य शुरू कराया है। सड़क गांव या शहर के विकास की पहली धुरी है। इस पर अवसर ब्लॉक प्रमुख मूढापांडे डॉ. नवदीप यादव, मंडल अध्यक्ष महेंद्र सैनी, नीरज चंद्रा, मनोज तोमर, रोहित सिंह, जय सिंह, सोनू रस्तोगी सहित सैकड़ों क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

कांग्रेस के पूर्व महासचिव ने जमीन कब्जाने का आरोप लगाया

मुरादाबाद, अमृत विचार : प्रदेश कांग्रेस के पूर्व महासचिव सचिन चौधरी ने कुछ लोगों पर उन्हें धमकाने डराने और उनकी जमीन पर कब्जा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि दूसरे पक्ष के लोग राजनीतिक संरक्षण में उनकी जमीन पर धन और बाहुबल के दम पर अनाधिकृत तरीके से कब्जा कर रहे हैं। दूसरे पक्ष पर फायरिंग करने का भी आरोप लगाया। कहा कि राजनीतिक दबाव में उन पर हुई कार्रवाई को अनुचित है। सिविल लाइंस स्थित भीमराव अंबेडकर पार्क में पत्रकार वार्ता में कांग्रेस नेता सचिन चौधरी ने कहा कि आंवला घाट स्थित उनकी जमीन पर 24 दिसंबर को कुछ लोग कब्जा करने हथियार बंद होकर पहुंचे थे। मना करने पर फायरिंग भी की। उन्होंने बताया कि आंवला घाट स्थित जमीन को 2016 में उनके परिवार ने ली थी। जिसका बैनामा 2017 में कराया गया था। जमीनके कागज उनके पास है। उन्होंने बताया कि मामला न्यायालय में लंबित है। कांग्रेस नेता ने कहा कि अकारण पुलिस ने सत्ता के दबाव में उन पर उल्टा कार्रवाई की। कांग्रेस नेता ने विरोधियों पर पुलिस को भी गुमराह करने का आरोप मढ़ा।

746 चालान, 1.92 लाख रुपये से अधिक का सम्मन शुल्क वसूला

मुरादाबाद, अमृत विचार : शुक्रवार को यातायात पुलिस द्वारा डेंटल तिराहा, लाकड़ी तिराहा, मानसरोवर तिराहा, कोहिनूर तिराहा, काशीराम गेट, सम्भल चौराहा और फव्वारा चौक सहित विभिन्न स्थानों पर दो व चार पहिया वाहन चालकों, ट्रैक्टर,ऑटो, रिक्शा चालकों सहित लगभग 670 आम नागरिकों को यातायात नियमों की जानकारी दी गई। वाहनों पर हूटर, सायरन व प्रेशर हॉर्न का प्रयोग न करने की अपील की। काशीराम गेट, लाकड़ी तिराहा और मानसरोवर चौराहा पर ऑटो व ई-रिक्शा चालकों को जागरूक किया। उपनिरीक्षक यातायात कपिल कुमार ने एस एस कॉलेज में छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों की जानकारी दी। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों 746 वाहनों के चालान किए, 1,92,900 रुपये का सम्मन शुल्क वसूला गया। बिना हेलमेट 269, बिना सीट बेल्ट 39, मोबाइल फोन का प्रयोग करते हुए 6, ओवर स्पीड 33, बिना ड्राइविंग लाइसेंस 63, बिना बीमा 29, तीन सवारी वाले 61, नो-पार्किंग में खड़े 153 तथा फॉल्टी नंबर प्लेट वाले 17 वाहनों के चालान किए गए।

प्रदूषण नियंत्रण विभाग के क्षेत्रीय अधिकारी झाड़ रहे जिम्मेदारी से पल्ला

काले धुएं का जहर उगल रहीं प्लास्टिक, ई-कचरा व पीतल गलाने की भट्ठियां

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- सांस और दमा की चपेट में लोग, शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं

छड़ियों वाले मैदान में घनी आबादी के बीच संचालित भट्ठी से उठता धुंआ।

हाजी नेक की मस्जिद मोहल्ले में बनी भट्ठी से निकलता धुंआ।

अमृत विचार : पीतल गलाने की आड़ में प्लास्टिक और ई कचरा जलाने वाली भट्ठियों से निकल रहा काला धुआं खतरे का संकेत है। भट्ठियों से निकलने वाला धुआं जहरीला है। ई कचरा और प्लास्टिक के जलाने के बाद निकलने वाला धुएं से इस क्षेत्र में रहने वाले अधिकांश लोग सांस और दमा की बीमारी की चपेट में आ रहे हैं। हैरानी यह है कि सब जानने के बावजूद प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी पल्ला झाड़ रहे हैं।

जामा मस्जिद, छड़ियों का मैदान, नवाबपुरा और लालबाग जैसे घनी आबादी वाले इलाकों की संकरी गलियों में रहने वाले हजारों परिवार जहरीले धुएं के कारण गंभीर बीमारियों की चपेट में आ चुके हैं। वजह महानगर की संकरी गलियों में ई-कचरा और पीतल गलाने की भट्ठियों से उठने वाला काला जहरीला धुआं है। छड़ियों का मैदान हाजी नेक की मस्जिद, नवाबपुरा में भट्ठियों के अलावा रामगंगा किनारे खुलेआम ई कचरा और प्लास्टिक जलाने का कारोबार चल रहा है। थाना नागफनी के प्रभारी ने यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि उन्हें केवल पीतल गर्म करने के कारोबार के बारे में जानकारी है। ई-कचरा और प्लास्टिक जलाने के बारे में जानकारी नहीं है। हालांकि वहीं की रहने वाली दया नाम की महिला के बेटे ने जलाई जा रही प्लास्टिक और ई कचरा जलाने से उसकी मां को सांस लेने में दिक्कत को लेकर थाने में तहरीर दी थी। नागफनी क्षेत्र की घोसियों वाली पुलिया और हाजी नेक की मस्जिद मोहल्ले में ई-कचरा जलाने का काम बड़े पैमाने पर खुलेआम किया जा रहा है। ई-कचरा जलाने के बाद उसकी राख को रामगंगा नदी में फेंक दिया जाता है, जिससे जल प्रदूषण भी बढ़ रहा है। बताया जा रहा है कि यहां अधिकतर भट्ठियों का संचालन रात में किया जाता है, जिससे प्रशासन की नजरों से बचा जा सके। वहीं छड़ियों का मैदान, नवाबपुरा लालबाग क्षेत्र में घनी आबादी के बीच 25 से 30 पीतल गलाने की भट्ठियों से अब ई-कचरा और प्लास्टिक जलाने का कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है। इन भट्ठियों से निकलने वाला धुआं आसपास रहने वाले परिवारों के लिए गंभीर खतरा बन चुका है। कई लोग सांस और दमा की बीमारी से पीड़ित हो गए हैं। स्थानीय निवासियों की मानें तो उन्होंने कई बार प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से शिकायत की, अधिकारी मौके पर भी आए, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

> 15 दिन पहले मिली शिकायत पर कटघर कोतवाली क्षेत्र में आठ भट्ठियों को तोड़ा गया था और भट्ठी संचालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई थी। इनके संचालन पर पूरी तरह से अंकुश लगाया जाएगा। -डीके गुप्ता, क्षेत्रीय अधिकारी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड

स्काईलाइन बुल्स ने सीएसएस रॉयल्स को 19 रन से हराया

मुरादाबाद, अमृत विचार : मॉडर्न पब्लिक स्कूल के मैदान में चल रहे किड्स प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट में शुक्रवार को टॉस जीतकर स्काईलाइन ने पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया।

स्काईलाइन की टीम ने 26.1 ओवर में 125 रन बनाए। प्रतीक्षा ने सर्वाधिक 50 रन बनाए। सीएसएस रॉयल्स की ओर से तेजस और स्वस्तिक ने प्रभावी गेंदबाजी करते हुए 4-4 विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सीएसएस रॉयल्स की टीम 21.2 ओवर में 106 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। टीम के लिए मन्नान उमर ने सर्वाधिक 65 रन की शानदार पारी खेली, जबकि अर्पित ने 11 रन का योगदान दिया। स्काईलाइन बुल्स की ओर से सुभान ने घातक गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट लिए। इस तरह स्काईलाइन बुल्स ने सीएसएस रॉयल्स को 19 रन से पराजित कर टूर्नामेंट में शानदार जीत दर्ज की।

कोहरे और शीतलहर से जनजीवन अस्त- व्यस्त

घने कोहरे से ढकी रही शुक्रवार की सुबह, दृश्यता 50 मीटर से भी कम रही

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

रेलवे स्टेशन के बाहर आग तापते कुली। ● अमृत विचार

सुबह ठंड में इस तरह निकले लोग।

अमृत विचार : जनवरी के दूसरे पखवाड़े में भी कड़ाके की ठंड और शीतलहर ने लोगों को ठिठुरा दिया। दिसंबर के बाद जनवरी में भी सर्दी के सितम से जनजीवन बेहाल है। घने कोहरे और शीतलहर के बीच शुक्रवार की सुबह लोग कांप गए। दोपहर तक कोहरा छाया रहा। दृश्यता कम होने से वाहन चालकों को वाहनों की रफ्तार धीमी रखनी पड़ी। भोर में तो वाहन रेंग कर चले। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 18-19 जनवरी को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं बूंदा-बांदी के साथ छिटपुट बारिश होने की भी संभावना है।

पश्चिमी विक्षोभ के चलते इन दिनों बादल और कोहरा हर दिन सूर्यदेव को ढक रहा है। जिस दिन दोपहर बाद धूप निकल भी रही है तो वह ठंड के आगे बेअसर साबित हो रही है। शुक्रवार को भी कड़ाके की ठंड और शीतलहर ने लोगों को

- 18-19 को बूंदाबांदी और हल्की बारिश का अनुमान

ठिठुरा दिया। पूरे दिन लोग ठंड से ठिठुरते रहे। सुबह घना कोहरा होने से वाहनों की गति पर ब्रेक लगी। दृश्यता 50 मीटर से कम रहा। बादल होने के चलते सूर्यदेव का दर्शन सुबह न होने से गलन बढ़ गई। तीन बजे के करीब बादलों की ओट से सूर्यदेव ने झांका लेकिन आधे घंटे के बाद फिर ओझल हो गए। ठंडी हवा ने लोगों को कंबल ओढ़ने के बाद भी कंपा दिया। वहीं दो स्वेटर और जैकेट पहनकर बाहर निकले लोगों को भी ठंड ने बेहाल कर दिया। ऐसे में गरीबों व असहायों पर ठंड किसी सितम से कम नहीं साबित हो रही है। रैन बसेरों में भी पर्याप्त इंतजाम न होने से लोग परेशान हैं। एक कंबल ठंड में नाकाफी साबित हो रही है। हालांकि जिला प्रशासन की ओर से इस बार अच्छी गुणवत्ता का कंबल वितरित किया गया है। अलाव भी जल रहे हैं लेकिन सुबह अलाव न जलने से लोग ठिठुरने को विवश हैं। सार्वजनिक स्थानों पर ठंड के चलते हर वर्ग बेहाल है। रेलवे स्टेशन के बाहर दिन में कुली अलाव सेंकते नजर आए। ठंड बेजुबानों पर भी भारी पड़ रही है।

रात के तापमान में गिरावट जारी

शुक्रवार को अधिकतम तापमान 13 और न्यूनतम तापमान 6 डिग्री सेल्सियस रहा। आर्द्रता 100 प्रतिशत होने से पूरे दिन वातावरण में नमी बनी रही। अभी एक सप्ताह तक इसी प्रकार तापमान रहने और भीषण ठंड का अनुमान मौसम विभाग की ओर से जताया गया है। कलेक्ट्रेट स्थित जिला आपदा प्रबंधन कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार रात के तापमान में गिरावट जारी है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मेरठ, मुजफ्फरनगर, अलीगढ़, मुरादाबाद और रुहेलखण्ड मंडलों में रात में शीतलहर चल रही है।

18 को सभी बूथों पर मौजूद रहेंगे बीएलओ

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के अंतर्गत दावे एवं आपत्तियां करेंगे प्राप्त
- सुबह 10:30 से 4:30 बजे तक सभी बूथों पर बीएलओ मौजूद रहेंगे

अमृत विचार : विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) के अंतर्गत दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करने के लिए 18 जनवरी (रविवार) को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विशेष तिथि के रूप में निर्धारित किया गया है। इस दिन सभी बूथों पर बीएलओ मौजूद रहेंगे। ऐसे में मतदाता बूथों पर पहुंचकर अपनी आपत्ति या दावा प्रस्तुत कर सकते हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी अनुज सिंह ने बताया कि आयोग द्वारा निर्धारित इस विशेष दिवस पर सभी बीएलओ अपने बूथ पर सुबह 10:30 बजे से शाम 4:30 बजे तक अनिवार्य रुप से उपस्थित रहने का निर्देश दिया गया है। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही नहीं चलेगी। उन्होंने बताया कि इस दौरान बीएलओ 6 जनवरी को प्रकाशित आलेख्य निर्वाचक नामावली, गणना अवधि के दौरान अप्राप्य श्रेणी में चिन्हित किए गए निर्वाचकों की सूची एवं अनुपस्थित, शिफ्टेड, मृतक और डुप्लीकेट मतदाताओं की सूची पढ़कर सुनाएंगे।

इसके साथ ही वे पात्र व्यक्तियों से फार्म 6 (घोषणा पत्र सहित), 6क, 7, तथा फार्म 8 (घोषणा पत्र सहित) में जरूरी प्रविष्टियां भरवाकर प्राप्त करेंगे। निर्वाचन संबंधी इस कार्य में बूथ लेवल एजेंट और ग्राम प्रधान सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधियों का भी सहयोग लिया जाएगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने यह भी निर्देश दिया है कि प्रत्येक बूथ पर आमजन के बैठने एवं पेयजल सहित अन्य जरूरी सुविधाएं भी उपलब्ध रहें ताकि बूथ पर आने वाले लोगों को कोई असुविधा न हो। मतदाताओं से अपील की गई कि वह समय पर पहुंच कर अपने दस्तावेज पूरे कराएं।

गोवंशों की दुर्दशा पर राष्ट्रीय बजरंग दल ने जताई नाराजगी

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- डीएम को संबोधित ज्ञापन देकर स्थिति में सुधार की मांग

अमृत विचार : राष्ट्रीय बजरंग दल महानगर के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने गोशाला में गोवंशों की ठीक से देखभाल न करने पर नाराजगी जताई। डीएम को संबोधित ज्ञापन शुक्रवार को कलेक्ट्रेट में जिला प्रशासन के अधिकारी को दिया गया।

पदाधिकारियों ने कहा कि भटवाली में सरकारी निराश्रित गोवंशीय गोशाला में भूख से तड़पती, बीमारी व इलाज की कमी और ठंड से ठिठुरती गोवंश की दयनीय दशा विचलित कर रही है।

प्रदेश अध्यक्ष रोहन सक्सेना ने कहा कि एक तरफ प्रदेश के मुख्यमंत्री अपने आप को गो भक्त कहते हैं। लेकिन उनकी सरकार में ही गोवंश उपेक्षित हैं। गोशालाओं में गो माता का बुरा हाल है। 15 जनवरी को टीम ने मौके पर जाकर देखा कि 6 गोवंश मरणासन्न अवस्था में पड़े है। कई गोवंश इलाज के लिए तड़प रहे हैं। ठंड से बेहाल गोवंश की देखभाल ठीक से नहीं हो रही है।

डीएम से मांग उठाई कि टीम गठित करके उच्च स्तरीय जांच कराकर कार्रवाई की जाए अन्यथा राष्ट्रीय बजरंग दल उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगा जिसकी जिम्मेदारी शासन व प्रशासन की होगी।

ज्ञापन देने वालों में जतिन प्रजापति, अभिषेक श्रीवास्तव, इशांक भारद्वाज, रोहित भटनागर महानगर अध्यक्ष हिन्दू हेल्पलाइन, भानू प्रताप सिंह प्रखंड महामंत्री राष्ट्रीय बजरंग दल, अभिषेक सैनी, प्रिंस, अमन, बॉबी, रोहित, गौरव सैनी, अजय सैनी, मोहित सैनी, कृष्णा सैनी, शिवा सैनी, महेंद्र सैनी, कुणाल चौधरी आदि शामिल रहे।

आयोग गठन की जानकारी न देने पर जताई चिंता

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

पेंशनर की बैठक को संबोधित करते अतिथि। ● अमृत विचार

- बैठक में सुनील कुमार शर्मा को वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद से मुक्त / उन्मोचित करने का प्रस्ताव पारित

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश राजकीय सिविल पेंशनर्स परिषद की मासिक बैठक शुक्रवार को पेंन्शनर्स कक्ष कोषागार कार्यालय परिसर के सभा कक्ष में हुई। बैठक का शुभारम्भ परिषद के सचिव यश कुमार त्यागी ने किया। इसमें जनवरी में जन्मे पेंशनर्स राम प्रसाद सिंह, कल्लू सिंह, राम चन्द्र, राम भरोसे, नेत्र पाल सिंह, ब्रह्मानवंद को पेन व गुलाव की कली भेंट कर जन्म दिन की बधाई देकर उनके दीघार्यु की कामना की गई।

अध्यक्षता कर रहे प्रेम प्रकाश सक्सेना ने बताया कि केन्द्र सरकार द्वारा अभी 8वें वेतन आयोग के गठन से सम्बन्धित किसी प्रकार की कार्यवाही की जानकारी न देने, पेन्शनर्स को 8वें आयोग में क्या लाभ मिलेगा इसकी जानकारी नहीं देना चिंता का विषय है। परिषद सरकार से मांग करती है कि 8वें वेतन आयोग में पेन्शनर्स के लाभों को स्पष्ट करे। परिषद के सचिव यश कुमार त्यागी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा भी बजट में पेन्शनर्स को 8वें वेतन आयोग में मूल भूत सुविधाओं एवं लाभों से वंचित रखा गया है, जो पेन्शनर्स के हक पर कुठाराघात है। इसे सहन नही किया जाएगा। परिषद के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील कुमार शर्मा के परिषद की बैठक में एवं राष्ट्रीय पेन्शनर्स दिवस पर अनुपस्थित रहने और परिषद हित में कार्य न करने तथा अन्य संगठन को बढावा देने के चलते बैठक में सर्व सम्मति से परिषद के सदस्यों ने सुनील कुमार शर्मा को वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद से मुक्त / उन्मोचित करने का प्रस्ताव ध्वनिमत से पारित किया। नियमों के अनुसार अग्रिम कार्यवाही/ प्रक्रिया कर वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद भरने की सहमति जताई। बैठक की अध्यक्षता प्रेम प्रकाश सक्सेना अध्यक्ष और संचालन यश कुमार त्यागी सचिव ने किया। बैठक में परिषद के सदस्य दिनेश कुमार शर्मा, पीएस गिल, आशा रानी, मालती देवी, प्रताप सिंह, प्रमोद कुमार सक्सेना, हरीश चन्द्र, इन्द्र कुमार सोती, नरेश चन्द्र, सरदार सिंह, महिपत सिंह, राम गोपाल चौधरी, सीपी सक्सेना, राम चन्द्र, बाल किशन, कुशल पाल सिंह आदि उपस्थित रहे।

न्यूज डायरी

हैंडीक्राफ्ट्स एक्सपो आर्टिफैक्ट्स के दूसरे संस्करण का केंद्रीय मंत्री ने किया उद्घाटन

मुरादाबाद, अमृत विचार : हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) द्वारा जोधपुर के बोरानाडा स्थित ट्रेड फैसिलिटेशन सेंटर में 15 से 19 जनवरी तक तक आयोजित हस्तशिल्प एक्सपो (आर्टिफैक्ट्स)-2026 के दूसरे संस्करण का उद्घाटन शुक्रवार को केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हस्तशिल्प एक्सपो भारत की सांस्कृतिक विरासत की शानदार मिसाल है। ईपीसीएच की सराहना करते हुए कहा कि उनके द्वारा तैयार मंच विश्व में भारतीय कारीगरों को पहचान दिला रहा है। कहा कि वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में जहां टैरिफ से जुड़ी अनिश्चितताएं व्यापार को प्रभावित कर रही हैं, भारत को एकजुटता और रणनीति के साथ आगे बढ़ना होगा। मंत्री ने मेले का भ्रमण कर प्रदर्शकों से बातचीत कर स्टॉलों का निरीक्षण किया। ईपीसीएच की प्रशासनिक समिति के सदस्य निर्मल भंडारी ने कहा कि आज जोधपुर टीएफसी के लिए एक ऐतिहासिक पल है। ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक राजेश रावत ने कहा कि मंत्री के इस दौरे से हमें प्रोत्साहन मिला है। उद्घाटन समारोह के दौरान राजस्थान सरकार के संसदीय कार्य, विधि और कानूनी मामले, कानूनी परामर्श एवं न्याय मंत्री जोगाराम पटेल, ईपीसीएच के प्रमुख सदस्य निर्यातक राधे श्याम रंगा, हंसराज बहैती, नरेश बोथरा, गौरव जैन, मनीष मेहता, प्रियेश भंडारी और जोधपुर क्षेत्र के सदस्य उपस्थित रहे।

ओम प्रकाश शर्मा की पुण्यतिथि पर शिक्षक नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

मुरादाबाद, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने चित्रगुप्त इंटर कॉलेज में शिक्षक राजनीति के युगपुरुष स्वर्गीय ओम प्रकाश शर्मा की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की। शिक्षकों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। श्रद्धांजलि सभा की अध्यक्षता संगठन के जिलाध्यक्ष राजीव कुमार पाठक ने की। वरिष्ठ शिक्षक नेता डॉ. सुनीत गिरी (पूर्व प्रत्याशी बरेली मुरादाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन) ने कहा कि स्वर्गीय ओम प्रकाश शर्मा ने शिक्षक समाज को शून्य से शिखर तक पहुंचाने का कार्य किया। 48 वर्षों तक लगातार विधान परिषद में रहकर शिक्षकों के अधिकारों के लिए अडिग संघर्ष किया। जिलाध्यक्ष राजीव कुमार पाठक ने कहा कि स्वर्गीय शर्मा का संदेश इकट्ठे रहो, नहीं तो मिट जाओगे आज भी शिक्षक समाज के लिए पथ-प्रदर्शक होने के साथ चेतावनी भी है।कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य मेजर सुदेश भटनागर सहित राकेश कुमार वर्मा, अनिल कुमार, मयंक त्यागी, आफताब आलम, ग्रंथ सिंह, अभिषेक राय आदि उपस्थित रहे। संचालन जिला मंत्री पुष्पेश मिश्रा ने किया।

आधुनिक युद्ध और राष्ट्र की क्षमता के बारे में दी जानकारी

मुरादाबाद, अमृत विचार : नागरिक सुरक्षा लखनऊ के निर्देश के अनुसार शुक्रवार से एमआईटी इंस्टिट्यूट के सभागार में वार्डन एवं स्वयंसेवक के क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम के तृतीय सत्र शुरु हुआ। इसमें 90 वार्डनों को प्रशिक्षण दिया गया। जिसका आरंभ जिला कमांडेंट अभिलेश सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। साथ में उपनियंत्रक नीरज चक, सहायक उपनियंत्रक सतीश कुमार, डिप्टी चीफ पंकज सक्सेना, प्रभागीय वार्डन सुरेन्द्र प्रकाश गुप्ता एवं मो. खालिद मौजूद रहे। जिला कमांडेंट ने वार्डनों को निरंतर प्रशिक्षण प्राप्त कर अपनी क्षमता बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। कार्यों की प्रशंसा भी की। उपनियंत्रक नीरज चक ने बताया कि प्रशिक्षण में आपदा प्रबंधन के साथ अग्निशमन, बचाव सेवा एवं एसडीआरएफ के कार्यों के बारे में एक्सपर्ट व्याख्यान होगा। पहले दिन मेजर डॉ. मीनू मेहरोत्रा एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर ने आपदा में नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों की भूमिका पर विस्तृत चर्चा की। दूसरे सत्र में प्रो0 आनंद कुमार सिंह ने आधुनिक युद्ध और राष्ट्र की क्षमता पर व्याख्यान दिया। अतिथि और वक्ताओं का स्वागत पुष्पगुच्छ देकर उपनियंत्रक नागरिक सुरक्षा ने किया। इस दौरान तुषार अग्रवाल, डिविजन वार्डन सुरेंद्र प्रकाश गुप्ता, मो. खालिद, वसीम अख्तर, वसीम अंसारी आदि मौजूद रहे।

स्वदेशी स्वरोजगार एवं उद्यमिता का मार्ग अपनाएं युवा

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

यात्रा को झंडी दिखाकर रवाना करते जिला विद्यालय निरीक्षक देवेंद्र कुमार पांडे।

स्वदेशी जागरण मंच की यात्रा में शामिल छात्र-छात्राएं। ● अमृत विचार

- स्वदेशी का संकल्प लेकर रन फॉर स्वदेशी के दूसरे चरण में लोगों ने लगाई दौड़

अमृत विचार : स्वामी विवेकानंद के जन्मदिवस (युवा दिवस) से प्रारंभ स्वदेशी जागरण मंच एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के तत्वावधान में द्वितीय चरण में शुक्रवार को महानगर के बुध बाजार स्थित एसएसके इंटर कॉलेज से स्वदेशी संकल्प दौड़ आयोजित की गई। इसका आरंभ भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया।

युवाओं को संबोधित करते हुए स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय विचार विभाग प्रमुख डॉ. राजीव कुमार ने कहा कि बेरोजगारी पश्चिमी संस्कृति की देन है, हमारे भारत में बेरोजगार के लिए कोई शब्द ही नहीं है। प्राचीन भारत में रोजगार सदैव व्यापार,उद्यमिता एवं कृषि से मिलता रहा था। रोजगार का अर्थ नौकरी नहीं है। युवाओं को स्वदेशी स्वरोजगार एवं उद्यमिता का मार्ग अपनाना चाहिए। मुख्य अतिथि जिला विद्यालय निरीक्षक देवेंद्र कुमार पांडेय ने कहा कि 2047 के विकसित भारत का रास्ता आत्मनिर्भरता से होकर जाता है। युवा एवं छात्र-छात्राएं हाथों में नारों की तख्तियां लेकर वन्दे मातरम्,जब बाजार जाएंगे सामान स्वदेशी लायेंगे, जन-जन की एक पुकार स्वदेशी उद्यमिता और स्वरोजगार के नारे लगाते हुए दौड़ रहे थे। दौड़ के समापन पर वरिष्ठ आयाम प्रमुख डॉ एके अग्रवाल ने स्वदेशी संकल्प शपथ दिलाई। पारकर इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य एस के नाथन ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन भाजपा महानगर उपाध्यक्ष राहुल शर्मा ने किया। प्रांत संयोजक कपिल नारंग एवं जिला सहसंयोजक नीरज सोलंकी ने कार्यक्रम का संयोजन किया। इस दौरान जिला विद्यालय निरीक्षक द्वितीय सतानंद शर्मा ,क्षेत्र विचार विभाग प्रमुख कुलदीप सिंह, भाजपा के महानगर अध्यक्ष गिरीश भंडूला, सूर्य मोहन शमशेरी, आकाश शर्मा,सुनीता शर्मा अभिषेक चौबे,अभिषेक राठौर राजेश पंडित, नवदीप टंडन, पंकज यादव मनजीत शर्मा, चंदर प्रजापति, क्षत्रिय महासभा, जैन समाज, आर्य समाज, पतंजलि व अन्य संगठनों ने सहयोग किया। इस दौरान जिला महिला प्रमुख पूनम चौहान, जिला सह महिला प्रमुख पुष्प सोलंकी, महानगर महिला प्रमुख नीलम जैन, रेनू गुप्ता, कशिश चौहान, चित्रगुप्त इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य मेजर सुदेश भटनागर, एसएसके इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य रवि, जोगिंदर पाल सिंह, विमलेंद्र शर्मा, डॉ विशेष शर्मा आदि मौजूद रहे।

अमृत विचार

मुरादाबाद , शनिवार, 17 जनवरी 2026

मुरादाबाद देहात

न्यूज ब्रीफ

तेंदुए ने नीलगाय को बनाया शिकार

कांठ, अमृत विचार : ग्राम संदलीपुर के समीप डीएमआर हॉस्पिटल के पीछे जंगल में गत 9 जनवरी को तेंदुए का शावक कुएं में गिर गया था। डिप्टी रेंजर पुष्पेंद्र सिंह ने घटनास्थल पहुंचकर रेस्क्यू चलाकर शावक को कुएं से निकाल दिया था और आसपास के ग्रामीणों को सावधान कर दिया था। शुक्रवार शाम संदलीपुर मार्ग पर डीएमआर हॉस्पिटल के पीछे जंगल में तेंदुए ने नीलगाय को अपना निवाला बना लिया। ग्रामीणों ने वन विभाग एवं 100 नंबर पर इस संबंध में सूचना दे दी है। शावक के कुएं में गिरने के बाद आज फिर से नीलगाय को तेंदुए द्वारा निवाला बनाए जाने पर आसपास के ग्रामीणों में दहशत व्याप्त है। डिप्टी रेंजर पुष्पेंद्र सिंह ने बताया कि घटना का मौका मुआ किया गया हैं। शासन से पिंजरा लगाए जाने की परमिशन मांगी गई है।

धौलपुरी तिराहे पर बनेगी पुलिस चौकी

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार : दलपतपुर अलीगंज मार्ग पर स्थित धौलपुर चौराहे पर वाहनों की आवाजाही ज्यादा रहने और बड़ी आबादी की सुरक्षा के लिए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर भगतपुर पुलिस ने लेखपाल से भूमि चिह्नित कराई थी। इसके बाद वहां चिह्नित भूमि पर मिट्टी डलवाने आदि का काम शुरू किया जा रहा है। इस दौरान एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह एवं सीओ ठाकुरद्वारा आशीष प्रताप सिंह ने भी निरीक्षण किया, जिनके निर्देश के बाद अब वहां पर मिट्टी डलवाने आदि कार्य कर कर चौकी का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। भगतपुर थाना प्रभारी ने बताया कि दौलपुरी तिराहा मुख्य तिराहा है। इसी के दृष्टिगत उच्च अधिकारियों के निर्देश पर चौकी की स्थापना कराई जा रही है।

गन्ने के रोग नियंत्रण का दिया प्रशिक्षण

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार : गन्ना एवं चीनी आयुक्त के निर्देशों के तहत रानीनांगल स्थित त्रिवेणी चीनी मिल में विभागीय एवं मिल स्टाफ के लिए गन्ना प्रजाति पहचान एवं रोग प्रबंधन विषय पर वृहद प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया। रानीनांगल में लाइव डेमो के माध्यम से प्रशिक्षण त्रिवेणी शुगर यूनिट रानीनांगल के सभागार में आयोजित प्रशिक्षण सत्र में कृषि विज्ञान केंद्र ठाकुरद्वारा के वैज्ञानिक डॉ. दीपक कुमार ने मुख्य वक्ता के रूप में प्रतिभाग किया।

कमरे में अंगीठी जलाकर सोने से दो बच्चों की मौत

परिवार के तीन सदस्यों का निजी अस्पतालों में किया जा रहा उपचार

संवाददाता, कांठ

अमृत विचार : शीतलहर से बचने के लिए गुरुवार रात पति-पत्नी अपने तीन बच्चों के साथ कमरे में अंगीठी जलाकर सो गए थे। शुक्रवार सुबह कमरे का दरवाजा खुलने पर पति को छोड़कर सभी लोग दम घुटने के कारण बेहोशी की हालत में थे। उपचार के दौरान दंपती के बेटे व बेटी को मृत घोषित कर दिया हैं। महिला को मेरठ रेफर कर दिया गया है। परिवार के तीनों सदस्यों का उपचार चल रहा है।

थाना छजलैट क्षेत्र के नायरा पेट्रोल पंप के पास जावेद पुत्र फारूख अपने परिवार के साथ रहता है। वह गुरुवार रात ठंड से बचने के लिए अपनी पत्नी शाहिस्ता तथा अपने पुत्र शिफान 6 वर्ष, आहिल 4 वर्ष, आयरा 3 वर्ष के साथ कमरे में कोयले की अंगीठी जलाकर सोया था। शुक्रवार सुबह 9 बजे दूसरे कमरे में सोए जावेद के भतीजे सलाउद्दीन व साला आमिर खान निवासी थाना व कस्बा चांदपुर बिजनौर ने जब उनका कमरा बंद देखा तब दरवाजा खटखटाया। तब जावेद ने अर्धमूर्छित अवस्था में किसी तरह कमरे का दरवाजा खोला। जबकि आग से कमरे में गैस के कारण दम घुटने से परिवार के अन्य चारों लोग अचेत अवस्था में थे। अचेत अवस्था में परिवार के पांच सदस्यों को छजलैट में निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां चिकित्सक ने आहिल चार वर्ष एवं आयरा 3 वर्ष को मृत घोषित कर दिया। उपचार के लिए शाहिस्ता को मुरादाबाद के उपरांत मेरठ में भर्ती कराया है। परिवार के शेष सदस्यों का उपचार चल रहा है। एएसपी अभिनव द्विवेदी एवं थाना अध्यक्ष प्रदीप सिंह सहरावत ने मौका मुआयना किया। परिवार के मुखिया ने किसी कार्रवाई से इनकार किया है।

रोत बिलखते परिजन। ● अमृत विचार

मृत बच्चे आहिल और आयरा।

शादी का झांसा देकर यौन शोषण का आरोप

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र में महिला ने गांव के युवक पर शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने का आरोप लगाया है। महिला ने इस संबंध में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

ठाकुरद्वारा थाना क्षेत्र के रतुपुरा रोड स्थित गांव की निवासी महिला का विवाह लगभग छह वर्ष पूर्व कांठ थाना क्षेत्र के गांव में हुआ था। शादी के करीब एक साल बाद ही पति-पत्नी के बीच मनमुटाव के चलते उनका तलाक हो गया था। इसके बाद से महिला अपने मायके में ही रह रही थी। इसी दौरान महिला के गांव के युवक से प्रेम संबंध हो गए। महिला का आरोप है कि युवक ने उससे शादी करने का वादा कर उसका यौन शोषण किया। बाद में उसने अपनी पत्नी स्वीकार करते हुए अपने घर में पत्नी मान कर रख लिया। उसके एक संतान भी है। जब महिला ने कोर्ट मैरिज का दबाव बनाया तो युवक ने उससे कोर्ट मैरिज करने से इनकार कर दिया। इसके बाद महिला ने कोतवाली पुलिस को शिकायत देकर युवक पर कार्रवाई की मांग की है। कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि शिकायत की जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद ही इस मामले में कोई कार्रवाई की जाएगी।

गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के कुलसचिव ने महाविद्यालय में किया औचक निरीक्षण

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

- कृष्णा महाविद्यालय में नकल विहीन परीक्षा व्यवस्था की सराहना
- शुक्रवार से विश्वविद्यालय की परीक्षाओं की शुरूआत

अमृत विचार : नगर के रमनावाला रोड स्थित कृष्णा महाविद्यालय में नकलविहीन परीक्षा सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के कुलसचिव सचिन महेश्वरी ने टीम के साथ शुक्रवार को पहली पारी में चल रही परीक्षाओं का औचक निरीक्षण किया। कुलसचिव ने सचल दल के साथ परीक्षा कक्षों में पहुंचकर परीक्षा का जायजा लिया।

शुक्रवार को महाविद्यालय में परीक्षाओं का आरंभ हुआ था। पहली पारी में बीएससी एग्रीकल्चर की परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें कुलसचिव ने अचानक पहुंचकर परीक्षार्थियों की जांच की। निरीक्षण के दौरान किसी भी छात्र के पास अनुचित सामग्री नहीं पाई गई, जिससे परीक्षा की पारदर्शिता और निष्पक्षता की पुष्टि हुई। कुलसचिव सचिन महेश्वरी ने महाविद्यालय प्रशासन, स्टाफ और विद्यार्थियों की सराहना करते हुए कहा कि परीक्षाएं इसी प्रकार निष्पक्ष और ईमानदारी से संपन्न होनी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को संदेश दिया कि नियमित अध्ययन और परिश्रम से ही सफलता प्राप्त की जा सकती है, जिससे किसी भी प्रकार की अनुचित सामग्री की आवश्यकता नहीं पड़ती। इससे छात्रों की वास्तविक गुणवत्ता और ज्ञान का सही मूल्यांकन संभव हो पाता है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राधेश्याम ने जानकारी देते हुए बताया कि पहली पारी में आयोजित बीएससी एग्रीकल्चर की परीक्षा में 232 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। उन्होंने बताया कि महाविद्यालय प्रशासन नकलविहीन और शांतिपूर्ण परीक्षा संचालन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

लोन चुकाए बिना फर्जी कागजों से बेच दी कार

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार : उत्तराखंड के युवक को स्थानीय युवक ने फर्जी कागजात से धोखा देकर लोन होने के बावजूद फर्जी कागजात बनवा कर वैगन आर कार बेच दी। एक लाख 83 हजार की बकाया जमा करने को कहा तो विक्रेता ने धमकाया। पुलिस से शिकायत करने पर जांच शुरू कर दी गई।

उत्तराखंड के थाना जसपुर क्षेत्र के रामनगर बन निवासी जाहिद हुसैन पुत्र जाबिर हुसैन ने कोतवाली पुलिस को शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया कि नगर के मोहल्ला फतह उल्ला गंज निवासी युवक ने उसे 3 लाख 40 हजार रुपयों में वैगन आर कार बेची थी। उस समय बताया गया कि कार पर कोई लोन नहीं है। उसे एनओसी और क्लोजर लेटर भी दिया गया। जब उसने कार अपने नाम कराने का प्रयास किया तो जानकारी मिली कि कार पर एक लाख 83 हजार रुपयों का लोन बकाया है। लोन अदा करने को कहा तो विक्रेता ने उसके साथ गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

कोहरे में बाइक नहर में गिरी, दो लोग घायल

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

अमृत विचार : सीओ सर्किल ठाकुरद्वारा के अंतर्गत भगतपुर थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह घने कोहरे के कारण बाइक नहर में गिर गई। दुर्घटना में दो युवक घायल हो गए।

घटना काशीपुर रोड पर थाने के मोड़ के पास हुई। जिसमें थाना क्षेत्र के गांव मानपुर निवासी फैज पुत्र अशफाक व मजरा रायपुर निवासी रियाज पुत्र अशरफ अली अपनी मोटरसाइकिल से दौलपुरी की ओर जा रहे थे। अधिक कोहरे के कारण बाइक नहर में जा गिरी। हादसे में फैज को गंभीर चोटें आईं, रियाज को हल्की चोटें लगीं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी विजेंद्र सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने दोनों युवकों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भोजपुर में उपचार के लिए भर्ती कराया। पुलिस ने परिजनों को घटना की सूचना दी है।

सड़क हादसे में दो बाइक सवार घायल

डिलारी, अमृत विचार : डिलारी मार्ग स्थित गांव जमशेदपुर के पास दो बाइकों की भिड़ंत होने से लोग दो घायल हो गए। गांव तागावाला निवासी सलमान अपनी बाइक से डिलारी जा रहा था। दूसरा बाइक सवार केशव भोजपुर को जा रहा था। तभी जमशेदपुर के पास दोनों बाइक भिड़ गईं, जिससे दोनों बाइक सवार घायल हो गए। घटना से सड़क पर भीड एकत्र हो गई। राहगीरों ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डिलारी में भर्ती कराया। सलमान की हालत बिगड़ती देख तैनात चिकित्सकों ने जिला अस्पताल को रेफर कर दिया। परिजनों ने बेहतर उपचार के लिए घायल को मुरादाबाद निजी चिकित्सालय में भर्ती कर दिया, जहां सलमान की हालत चिंताजनक है।

क्षेत्रीय विधायक ने सुनीं लोगों की समस्याएं

संवाददाता, कांठ

अमृत विचार : क्षेत्रीय विधायक एवं उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री कमाल अख्तर ने नगर स्थित अपने कैम्प कार्यालय पर आयोजित जनसुनवाई के दौरान क्षेत्र के विभिन्न गांवों एवं नगर क्षेत्र से आए नागरिकों की समस्याओं को सुना।

जनसुनवाई में बिजली, पानी, सड़क, जल निकासी, राशन कार्ड, पेंशन, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य, राजस्व तथा पुलिस से संबंधित मामलों के साथ-साथ एसआईआर से जुड़ी आ रही समस्याएं प्रमुख रूप से सामने आईं। नागरिकों ने मतदाता सूची में नाम कटने, नाम जोड़ने में देरी, त्रुटिपूर्ण प्रविष्टियां, बीएलओ स्तर पर हो रही परेशानियां तथा समय पर समाधान न मिलने जैसी शिकायतें रखीं। विधायक कमाल अख्तर ने सभी समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों एवं जिम्मेदार कर्मचारियों से तत्काल संपर्क किया और स्पष्ट निर्देश दिए कि एसआईआर से संबंधित सभी शिकायतों का निस्तारण पारदर्शी एवं समयबद्ध ढंग से किया जाए, किसी भी पात्र मतदाता का नाम न काटा जाए और जनता को परेशान न किया जाए। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े कार्यों में लापरवाही किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने जनसमूह को आश्वस्त किया कि जनता की सेवा और उनके अधिकारों की रक्षा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है, चाहे वह विकास कार्य हों या लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जुड़े विषय, वे हर स्तर पर जनता के साथ मजबूती से खड़े रहेंगे। इस जनसुनवाई के दौरान बड़ी संख्या में लोगों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान कराया। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष विक्रम सिंह यादव, नाजिम अली सैफी, नईम अहमद अंसारी, डॉ. दानिश अंसारी, सहल, अमजद अली, अंजार अहमद, मुजीब सईद, शकलैन चौधरी, याकूब प्रधान, ताहिर अली, आरिफ अली, संदीप कुमार गुर्जर, ओमप्रकाश सैनी, चन्द्र सेन सैनी, जगराम सैनी रहे।

नागरिकों की समस्याएं सुनते क्षेत्रीय विधायक कमाल अख्तर। ● अमृत विचार

ट्रैक्टर-ट्रॉली में ले जा रहे गोवंश को बजरंग दल ने पकड़ा

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार: दो ट्रैक्टर ट्रॉली में गोवंश भर कर ले जाने की सूचना पर राष्ट्रीय बजरंग दल के कार्यकर्ता पहुंच गए। उन्होंने 4 युवकों को मौके से पकड़ लिया। वह गोवंश को मूंढापांडे की ओर ले जा रहे थे।

शुक्रवार की शाम राष्ट्रीय बजरंग दल महानगर के गोरक्षा प्रमुख जतिन प्रजापति ने दोनों ट्रैक्टर ट्रॉली को गुलाब बाड़ी चुंगी पर पकड़ लिया और बाद में यह सूचना राष्ट्रीय बजरंग दल के प्रदेश अध्यक्ष रोहन सक्सेना को दी। उन्होंने कटघर थाना प्रभारी को इसकी जानकारी दी। बताया कि चारों युवकों को थाना प्रभारी ने कटघर थाने में बैठा लिया है। गोवंश को नगर निगम के कान्हा गोशाला लाकड़ी फाजलपुर के लिए भेज दिया गया है।

इस दौरान जतिन प्रजापति, अभिषेक श्रीवास्तव, इशांक भारद्वाज, गंगा राणा, रोहित सैनी, क्रिश शर्मा, दीपक आदि मौजूद रहे।

मौके से पकड़े गए गोवंश भरकर जाने के आरोपी। ● अमृत विचार

चुनाव के लिए नामाकंन पत्र किए जमा

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

अमृत विचार : बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव के लिए अध्यक्ष पद सहित 38 नामाकंन पत्र अलग-अलग पदों के लिए चुनाव के अधिकारियों के समक्ष जमा किए गए।

चुनाव अधिकारी सफदर अली ने बताया कि बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव के दौरान शुक्रवार को एल्डर कमेटी के समक्ष नामाकंन पत्र जमा किए गए। जिसमें अध्यक्ष के लिए आबिद अली, राजीव कुमार विश्नोई, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए मौ. सलीम अहमद, अनिल कुमार चौहान, सतीश कुमार चौहान, उपाध्यक्ष पद के लिए दिग्विंद्र सिंह, योगेंद्र सिंह, मौ. शाहिद , हामिद अली, रोशन सिह, कनिष्ठ उपाध्यक्ष 10 वर्ष से कम के लिए हरिओम सिंह, स्वतंत्र बाबू, केशव कुमार, महासचिव पद के लिए कुलदीप सिंह, रजनीश प्रताप सिंह, सतीश कुमार वत्सल, अब्दुल अतीक खां, सह सचिव पद के लिए अरविन्द कुमार, लोक प्रताप सिंह, सुनील कुमार सिंह, अरूण प्रताप वत्सल, महमूद अली खां, सुनील कुमार, मौ. कासिम, कोषाध्यक्ष पद के लिए शैलेद्र कुमार, अनिल कुमार, विशाल अग्रवाल, सदस्य कार्यकारणी 10 वर्ष से अधिक के लिए महेंद्र सिंह चौहान, सौरव गहलौत, सदस्य कार्यकारणी 10 वर्ष से कम के लिए वाहिद अली, रिजवान, अहसान हुसैन, विनय कुमार, ओम लोकेश कुमार, देवराज सिह, राजेंद्र सिंह आदि ने नामाकंन पत्र जमा किए। एल्डर कमेटी में पूर्व अध्यक्ष नरेंद्र सिंह, हीरालाल अग्रवाल, सत्यवीर सिंह,सफदर अली खां ने बताया कि सभी नामाकंन पत्र की जांच की गई, किसी भी नामाकंन पत्र पर कोई आपत्ति नही है। सभी नामाकंन पत्र जांच में सही पाए गए।

अध्यक्ष पद के लिए साथियों के साथ नामांकन करते राजीव बिश्नोई।

उपभोक्ताओं पर एक करोड़ 8 लाख का बिजली बिल बकाया

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

- 627 उपभोक्ताओं ने नहीं चुकाया भुगतान, ओटीएस योजना बेअसर

अमृत विचार : ठाकुरद्वारा विद्युत उपकेंद्र क्षेत्र में बिजली उपभोक्ताओं की लापरवाही विभाग के लिए गंभीर समस्या बनती जा रही है। उपकेंद्र के एसडीओ रंजीत सिंह ने बताया कि नगर क्षेत्र के कुल 627 विद्युत उपभोक्ताओं पर विभाग का लगभग एक करोड़ आठ लाख रुपये का बिजली बिल बकाया चल रहा है। लगातार अपील और योजनाओं के बावजूद बकायेदार उपभोक्ता भुगतान के लिए आगे नहीं आ रहे।

उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन द्वारा बकाया वसूली के लिए एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) चलाई जा रही है, जिसके तहत उपभोक्ताओं को ब्याज व अधिभार में छूट जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं। इसके बावजूद अधिकांश बकायेदारों पर इस योजना का कोई असर नहीं दिखाई दे रहा है। एसडीओ के अनुसार विभाग की ओर से लगातार प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। बकायेदार उपभोक्ताओं को नोटिस भेजे गए हैं और उन्हें ओटीएस योजना के लाभों के बारे में जागरूक भी किया गया है, लेकिन इसके बाद भी उपभोक्ता अपने बकाया बिल जमा कराने के लिए विद्युत कार्यालय नहीं पहुंच रहे हैं। विद्युत विभाग ने स्पष्ट किया है कि यदि बकायेदार उपभोक्ताओं ने शीघ्र ही अपना बकाया जमा नहीं किया तो उनके खिलाफ बिजली कनेक्शन विच्छेदन समेत अन्य वसूली कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे ओटीएस योजना का लाभ उठाते हुए समय रहते अपना बकाया जमा कर दें।

न्यूज डायरी

गाली-गलौच व मारपीट का लगाया आरोप

कांठ, अमृत विचार : मोहल्ला पट्टीवाला निवासी व्यक्ति ने पड़ोस में रह रहे दो व्यक्तियों पर गाली गलौच व मारपीट का आरोप लगाते हुए थाना कांठ में प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। मोहल्ला पट्टीवाला निवासी महेंद्र सिंह प्रजापति पुत्र चंद्रपाल सिंह ने थाना कांठ में प्रार्थना पत्र देकर अवगत कराया कि वह अपने परिवार के साथ खेत पर जंगली पशुओं से सुरक्षा के लिए गाटा 351 माननगर ऊर्फ कांठ श्मशान घाट वाले रास्ते पर दोपहर के समय गड्ढे खोदकर तारबंदी कर रहा था। तभी मेरे पड़ोसी अनिल कुमार, सुनील कुमार व समरपाल सिंह निवासी पट्टीवाला आकर मेरे पिताजी, पत्नी व बच्चों के साथ गाली-गलौच व मारपीट करने लगे। मारपीट के दौरान रास्ते में चल रहे राहगीरों ने जैसे तैसे हमें बचाया। इसके बाद मैंने 100 नंबर डायल करके पुलिस को बुलवाया। उक्त व्यक्तियों ने मुझे खेत में तारबंदी नहीं करने दी और कहा कि तुझसे जो हो सके वह कर लेना, मेरा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता हैं। इस संबंध में गाली गलौच व मारपीट करने के दौरान वीडियो भी वायरल हो रही है। पीड़ित व्यक्ति ने थाना कांठ पहुंचकर उक्त व्यक्तियों के खिलाफ प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है।

प्रशिक्षु आरक्षियों को दिया प्रशिक्षण

कांठ, अमृत विचार : प्रशिक्षु आरक्षियों को थाना कांठ में व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। मुरादाबाद 24वीं वाहिनी पीएसी में आरक्षियों की ट्रेनिंग चल रही है। गुरुवार को थाना कांठ पर तीन दिवसीय व्यावहारिक प्रशिक्षण लेने आए रिक्रूट आरक्षियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण थाना प्रभारी निरीक्षक कांठ सुदेश पाल सिंह ने दिया। इस अवसर पर उन्होंने प्रशिक्षु कांस्टेबलों को हवालात साइबर, हेल्प डेस्क मिशन, शक्ति केंद्र के बारे में विस्तार से व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया और उन्हें सभी के महत्व को समझाया। थाना प्रभारी ने बताया कि थाने पर फरियादी जब अपनी शिकायत लेकर जाता है तो महिला हेल्प डेस्क पर तैनात महिला पुलिसकर्मी द्वारा उसे संबंधित अधिकारी से मिलाया जाता है। इसके अलावा साइबर हेल्प डेस्क पर साइबर से संबंधित मामलों की जांच विवेचना होती है और मिशन शक्ति केंद्र के तहत महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाता है।

ठाकुरद्वारा में 22 को होगा विराट हिन्दू सम्मेलन

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार : नगर में 22 जनवरी (बुधवार) को विराट हिन्दू सम्मेलन होगा। कार्यक्रम सरस्वती विद्या मंदिर रमनावाला रोड मोहल्ला होलिका मंदिर में संपन्न होगा। आयोजन में श्रीश्री 1008 महामंडलेश्वर स्वामी सत्कर्मानंद गिरि जी महाराज (जूना अखाड़ा) तथा स्वामी यशवीर महाराज पीठाधीश्वर योग साधना यशवीर आश्रम मुजफ्फरनगर विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। संत-महात्माओं के सान्निध्य में धर्म, संस्कृति और राष्ट्र के विषयों पर प्रेरक विचार रखे जाएंगे। आयोजकों के अनुसार सम्मेलन का उद्देश्य सनातन संस्कृति का संरक्षण, समाज में धर्मिक चेतना का जागरण और आपसी सद्भाव को मजबूत करना है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, साधु-संतों एवं नगरवासियों के पहुंचने की संभावना है। आयोजन समिति ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर सम्मेलन को सफल बनाने की अपील की है। उक्त जानकारी सरस्वती शिशु शिशु विद्या मंदिर ठाकुरद्वारा के प्रबंधक आशुतोष अग्रवाल ने दी।

रासेयो शिविर के प्रथम दिवस पर स्वच्छता के प्रति किया जागरूक

कांठ, अमृत विचार : महर्षि दयानन्द इण्टर कॉलेज पट्टी मौढ़ा कांठ के तत्वावधान में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के प्रथम दिवस पर छात्र इकाई के स्वयंसेवकों ने ग्राम मौढ़ी हजरतपुर तथा छात्रा इकाई के स्वयंसेवकों ने ग्राम गुलड़िया में स्वच्छता अभियान चलाकर साफ-सफाई की। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित एसडीएम कांठ संतदास पवार ने मां सरस्वती की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्वलित करके एवं माल्यार्पण करके किया। मुख्य अतिथि ने बताया कि हमें अपने घरों विद्यालय परिसर एवं आसपास के वातावरण को साफ-सुथरा बनाना चाहिए। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के क्षेत्रीय अध्यक्ष भावेश शर्मा ने बताया कि स्वस्थ्य शरीर में ही स्वस्थ्य मस्तिष्क का निवास होता है।

कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य मदन सिंह एवं स्वयंसेवकों ने मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य मदन सिंह, मुख्य अतिथि संतदास पवार, भावेश शर्मा, ओमवीर सिंह बिश्नोई, पंकज भदौरिया, राष्ट्रीय सेवा योजना छात्र इकाई के कार्यक्रम अधिकारी पदम सिंह एवं छात्रा इकाई की कार्यक्रम अधिकारी ऊषा सिंह तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी स्वयंसेवक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन निशिकान्त पाठक ने किया।

अमृत विचार
एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
मो.7906815587

सूचना

मेरा हाईस्कूल परीक्षा वर्ष 2012 अनुक्रमांक 0813475 का मूल प्रमाण पत्र सह अंकपत्र वास्तव में कहीं खो गया है। सचिन कुमार पुत्र रमेश सिंह निवासी ग्राम काकरखेड़ा, मुरादाबाद।

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

ठाकुरद्वारा में नहीं रुक रहीं चोरी की घटनाएं

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार : नगर में चोरी की घटनाओं से आमजन और व्यापारी वर्ग परेशान है। हाल ही में बढ़ती चोरियों को लेकर व्यापार मंडल के प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस क्षेत्राधिकारी आशीष प्रताप सिंह से मुलाकात कर घटनाओं पर अंकुश लगाने की मांग भी की थी।

अब चोरी के प्रयास का मामला नगर स्थित खंड विकास कार्यालय से सामने आया है। गुरुवार शाम नई बस्ती निवासी साहिल नामक युवक ने ग्राम सचिव जसपाल सिंह के कार्यालय का ताला तोड़ दिया। आरोपी कार्यालय में रखे सरकारी दस्तावेजों को रद्दी में बेचने के इरादे से निकाल रहा था, साथ ही वहां रखा कुछ लोहे का सामान भी बाहर निकाल लिया। इसी दौरान मौके पर मौजूद ब्लॉक कर्मचारी रिंकू कुमार ने युवक को रंगे हाथ पकड़ लिया।

अधिवक्ताओं का कोर्ट का बहिष्कार जारी

संवाददाता, कांठ

अमृत विचार : तहसील कर्मी और अधिवक्ताओं में हुई कहासुनी एवं तहसीलदार से हुई नोकझोंक के उपरांत अधिवक्ताओं ने छठे दिन भी तहसीलदार के विरुद्ध नारेबाजी करते हुए कोर्ट का बहिष्कार जारी रखा।

तहसील में अधिवक्ता वकील अहमद तहसील के निजी कर्मचारी दानिश के पास महिला अधिवक्ता के साथ किसी कार्य से गए थे। तहसील कर्मी ने उनके साथ अभद्र व्यवहार एवं हाथापाई की थी। जहां तहसीलदार राजकुमार सिंह एवं अधिवक्ताओं में तीखी नोकझोंक और झड़प भी हुई थी। तहसीलदार के तहसील का गेट बंद करने को लेकर मामला और अधिक तूल पकड़ गया था। इस प्रकरण को लेकर संगठन के अध्यक्ष प्रमोद शर्मा एवं महासचिव दीपक बिश्नोई आदि वरिष्ठ अधिवक्ताओं की मौजूदगी में तहसील परिसर में जमकर नारेबाजी व प्रदर्शन करते हुए तहसीलदार को हटाने की मांग की हैं। बैठक में अधिवक्ताओं ने तहसीलदार कोर्ट का अनिश्चितकालीन बहिष्कार कर हड़ताल का निर्णय लिया था। मुंशी एवं कातिबों ने भी अधिवक्ताओं को अपना समर्थन दिया है। बार के अध्यक्ष का कहना है कि तहसीलदार द्वारा अपने व्यवहार में कोई परिवर्तन नहीं लाया गया है। उनके हटाए जाने तक बहिष्कार व हड़ताल जारी रहेगी। इस मौके पर महासचिव दीपक विश्नोई, डॉ. विनीत नैन, संजीव बिश्नोई, कोमल सिंह, कपिल बिश्नोई, सलमान, भू प्रकाश सिंह, हरपाल सिंह, बृजपाल सिंह, कमल बिश्नोई, वैभव बिश्नोई, शुभम विश्नोई, अतुल कुमार, नन्हे खां, बृजपाल सिंह, पूर्व अध्यक्ष प्रदीप कुमार, शहजाद रफीक खान, अजय यादव, चरण सिंह ढाका आदि अधिवक्ता मौजूद रहे।

प्रदर्शन करते अधिवक्ता। ● अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

मॉरीशस से लौटे डॉ. राजवीर ने डीएम-एसपी को दी किताब

रामपुर, अमृत विचार : अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्व सचिवालय मॉरीशस में विश्व हिंदी दिवस कार्यक्रम में शामिल होकर डॉ. राजवीर सिंह रामपुर लौट आए हैं। मॉरीशस में शोध पत्र हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार में एआई का प्रयोग उनकी लिखी पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। पुस्तक प्लांट फिजियोलॉजी का विश्व के अन्य देशों से आए शिक्षाविदों विमोचन किया है। शुक्रवार को डॉ. राजवीर सिंह ने जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी, पुलिस अधीक्षक विद्या सागर मिश्र, मुख्य विकास अधिकारी गुलाब चंद्र, डाइट प्राचार्य अशोक कुमार को पुस्तक प्लांट फिजियोलॉजी भेंट की। सभी अधिकारियों ने डॉ. राजवीर सिंह को इसके लिए बधाई दी व शुभकामनाएं दीं।

रजा कॉलेज में 22 को लगेगी मॉडल प्रदर्शनी

रामपुर, अमृत विचार : जिला विज्ञान समन्वयक डॉ. सोमपाल सिंह ने बताया कि जनपद स्तरीय नवप्रवर्तन विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी का आयोजन जिला विज्ञान क्लब के तत्वावधान में 22 जनवरी को राजकीय रजा इंटर कॉलेज में होगा। नवप्रवर्तन प्रदर्शनी में हथकरघा, इंजीनियर, विभिन्न उद्योग, हुनरमंद शिक्षित और अशिक्षित व्यक्ति शिल्पकार, किसान, मजदूर, मैकेनिक, और विद्यार्थी अपना मॉडल बनाकर लाएंगे। ग्रामीण कृषि के जुगाड़ वाले औजार, कोई नवीन कृषि की दवाई या मनुष्य एवं जानवरों की कोई नवीन दवाई, कोई नवीन बीज की किस्म, कोई भी व्यापार की नवीन तकनीक, विद्युत एवं मोटर के द्वारा कोई नवीन कार्य, यातायात में सुधार की नवीन तकनीक और हरित गृह, भौतिकी विज्ञान आदि विभिन्न मॉडल प्रदर्शित किए जाएंगे।

स्टोन क्रशरों पर प्रतिबंध लगाने की मांग

मसवासी, अमृत विचार : मसवासी क्षेत्र के कई गांव के किसानों ने मुख्यमंत्री पोर्टल समेत जिलाधिकारी से कोसी नदी खादर क्षेत्र में नए स्टोन क्रेशरों की स्वीकृति पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। चौहद्दा जमुना-जमनी जवाहरगंज टंडोला मुंशीगंज भूबरा एहतमाली के किसान इंद्रजीत सिंह, सतपाल सिंह, सरबजीत सिंह, मोहम्मद आरिफ, अमृतपाल सिंह, गुरमेज सिंह समेत तमाम किसानों ने मुख्यमंत्री पोर्टल और जिलाधिकारी को पत्र भेज कर शिकायत की है। उनका कहना है कि कोसी क्षेत्र में लगातार स्टोन क्रशर स्थापित किया जा रहे हैं। प्रशासन लगातार स्वीकृति दे रहा है, जिससे क्षेत्र की तमाम उपजाऊ भूमि बंजर होने के कगार पर है। उपजाऊ फसलें भी नष्ट होने के कगार पर है। स्टोन क्रशर के धूल मिट्टी प्रदूषण से फसलें तो बर्बाद हो रही है। जल संरक्षण समाप्त होता जा रहा है, किसानों को सिंचाई के लिए दिक्कत हो रही है। ग्रामीणों ने डीएम से तत्काल प्रतिबंध न लगाने पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

प्रतियोगिता 20 को

रामपुर, अमृत विचार : जिला विज्ञान समन्वयक डॉ. सोमपाल सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर गणित मॉडल प्रतियोगिता 20 जनवरी को राजकीय जुल्फिकार इंटर कॉलेज में होगी। बताया कि गणित मॉडल प्रतियोगिता में जिले के स्कूलों के कक्षा 6 से कक्षा 9 तक के बच्चे अपना गणित का मॉडल बनाकर लाएंगे। प्रतियोगिता में एक विद्यालय से अधिकतम दो मॉडल ही प्रतिभाग कर सकेंगे।

प्रथम जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में उठे मुद्दे

राम रहीम पुल पर जल्द मिले जाम से मिले मुक्ति

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : विकास भवन सभागार में शुक्रवार को प्रथम जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई। इसमें शहर को जाम मुक्त बनाने और सड़क हादसों को रोकने को लेकर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के बीच मंथन हुआ। राम रहीम पुल पर लगातार सीढ़ियों और स्टेयर के कारण लगने वाले जाम से निजात देने का मुद्दा उठा।

शहर विधायक आकाश सक्सेना, जिला पंचायत अध्यक्ष ख्याली राम लोधी, जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी व मुख्य विकास अधिकारी गुलाब चंद्र की उपस्थिति में बैठक संपन्न हुई। शहर विधायक ने अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग को राम रहीम सेतु पर आए दिन लगने वाले जाम की समस्या के समाधान की बात कही। उन्होंने सीढ़ियों और स्टेयर को बंद कर वैकल्पिक तकनीकी एवं प्रशासनिक समाधान अपनाने के निर्देश दिए। इसी क्रम में अजीतपुर बाईपास पर स्थित सर्विस लेन की जर्जर स्थिति को देखते हुए शीघ्र मरम्मत कार्य कराए जाने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान यातायात नियमों के प्रभावी अनुपालन एवं सड़क सुरक्षा से संबंधित शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के क्रियान्वयन पर विस्तृत चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने जनपद में सड़क दुर्घटनाओं के कारणों की समीक्षा करते हुए दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए ठोस एवं व्यावहारिक उपाय अपनाए जाने निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने एनएचआई के अधिकारियों को शीतऋतु एवं कोहरे के दृष्टिगत राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य राजमार्ग, अन्य जिला मार्ग (ओडीआर-एमडीआर) सहित अन्य प्रमुख एवं संवेदनशील मार्गों पर पर्याप्त संख्या में स्पष्ट एवं मानक अनुरूप साइनेज बोर्ड, रिफ्लेक्टर, रोड इंडिकेशन बोर्ड तथा रोड मार्किंग कराने के निर्देश दिए। बैठक में सचिव जिला सड़क सुरक्षा समिति व अधिशासी अभियंता प्रांतीय खंड, लोक निर्माण विभाग कृष्ण वीर, सह सचिव उप संभागीय परिवहन अधिकारी राजेश कुमार श्रीवास्तव, डिप्टी सीएमओ डॉ. आरके वर्मा, वीर खालसा सेवा समिति के प्रतिनिधि अवतार सिंह, सहायक अभियंता प्रांतीय व निर्माण खंड, लोक निर्माण विभाग राजीव गंगवार, राजेंद्र सहित समिति के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में डीएम, प्रतिनिधि और अन्य अधिकारी।

दो पहिया वाहन चालक हेलमेट जरूर लगाएं

जिलाधिकारी ने सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए वाहन चालकों एवं सवारियों द्वारा सीट बेल्ट एवं हेलमेट के अनिवार्य प्रयोग को सुनिश्चित करने करने के लिए विशेष प्रवर्तन अभियान चलाने के निर्देश दिए। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए चालान करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रवर्तन के साथ-साथ लोगों को नियमों के महत्व के प्रति जागरूक किया। जिलाधिकारी ने बैठक में हाईवे पर संचालित ई-रिक्शाओं के अनियंत्रित संचालन से उत्पन्न हो रही दुर्घटना संभावनाओं पर भी चर्चा की।

बच्चों एवं शिक्षकों के माध्यम से सड़क सुरक्षा नियमों का कराएं प्रचार-प्रसार

साथ ही जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देशित किया कि विद्यालय स्तर पर बच्चों एवं शिक्षकों के माध्यम से सड़क सुरक्षा नियमों का व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जाए। इसके अलावा कोहरे के दौरान दृश्यता कम होने से होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए शासन द्वारा प्रदत्त निर्देशों के क्रम में एनएच पर स्थित टोल प्लाजा पर लगाए गए सूचक बोर्डों पर वाहन की अधिकतम स्पीड लिमिट स्पष्ट रूप से अंकित करने निर्देश एजेंसियों को दिए।

अवैध खनन व ओवरलोडिंग को लेकर 1262 वाहनों की जांच

रामपुर, अमृत विचार: जिले में अवैध उप खनिज खनन, अनधिकृत परिवहन एवं ओवरलोडिंग पर प्रभावी रोक लगाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा निरंतर सघन निगरानी और कार्रवाई जारी है। शुक्रवार की रात को जिले भर में 1262 खनन वाहनों की चेकिंग की।

जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी के निर्देश पर सभी तहसीलों के प्रमुख मार्गों एवं चौराहों पर विशेष जांच अभियान चलाया। अभियान के तहत कुल 10 चेक प्वाइंट स्थापित किए गए। रात्रि 8 बजे से प्रातः 7 बजे तक प्रशासन, पुलिस एवं परिवहन विभाग की संयुक्त टीमों द्वारा कुल 1262 वाहनों की गहन जांच की गई। जिला प्रशासन ने कहा कि खनन, अनधिकृत परिवहन एवं ओवरलोडिंग किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

प्रत्येक गांव की कच्ची सड़क होगी पक्की

मिलक में लोकार्पण कार्यक्रम में बोले राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख, चार सड़कों का होगा निर्माण

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : मिलक क्षेत्र में कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख ने मकर संक्रांति के अवसर पर 31,48,600 रुपये की लागत वाली चार नई सड़कों का लोकार्पण किया। शुक्रवार को उन्होंने आगापुर, झुनैया का मझरा, नगला उदई और चकरपुर गांवों में नवनिर्मित सड़कों का विधिवत पूजा-अर्चना कर आरंभ किया।

इनमें सिलाई बड़ा गांव में शिव मंदिर से सीसी रोड व नाली 58 मी. की लागत 3,92,500 रुपये, केवलपुर में सड़क मार्ग से कन्हई लाल के घर की ओर सीसी रोड व नाली 130 मी. की लागत 8,39,700 रुपये, रास डांडिया में मेन रोड से श्याम देवी इंटर कॉलेज तक सीसी रोड व नाली 100 मी. की लागत 9,70,400 रुपये, जबकि सुनारखेडा में कब्रिस्तान से नहर की पुलिया तक सीसी रोड व नाली 100 मी. की लागत 9,46,000 रुपये आएगी। लोकार्पण के दौरान कार्यक्रम में औलख ने कहा कि भाजपा सरकार में देश लगातार प्रगति कर रहा है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में पूरे प्रदेश में सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बिलासपुर विधानसभा क्षेत्र के सभी मुख्य व लिंक मार्गों का चौड़ीकरण हो चुका है और उनका अगला लक्ष्य प्रत्येक गांव की कच्ची सड़क को पक्का करना है।

इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख अर्चना गंगवार, बीडीओ राजेश चौधरी, गन्ना समिति मिलक के चेयरमैन रजनीश पटेल, मंडल अध्यक्ष रवि गंगवार, शुभांक गंगवार, महेश तिवारी, सरबजीत सिंह, बूटा सिंह , सुखविंदर सिंह पड्डा, राजीव, मुकेश, सुरेंद्र , कन्हैया आदि लोग मौजूद रहे।

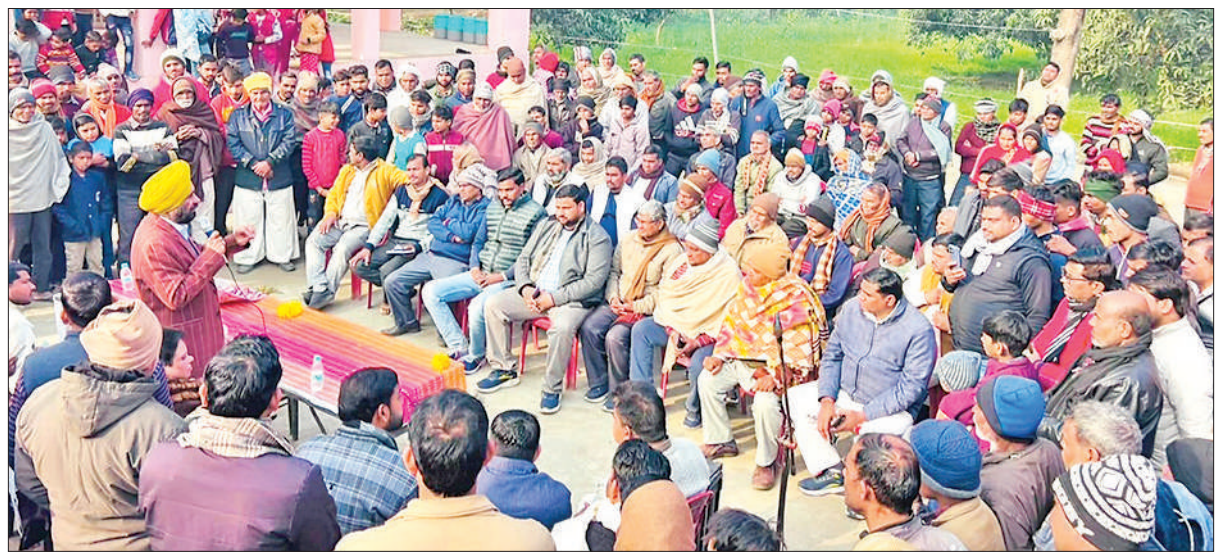

लोकार्पण कार्यक्रम में मौजूद लोगों को संबोधित करते राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख। ● अमृत विचार

● 31,48,600 रुपये चार सड़कों में आएगी लागत, लोगों ने किया स्वागत

एसआईआर से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा

भ्रमण के दौरान राज्यमंत्री औलख श्यामपुर गांव पहुंचे, जहां उन्होंने भाजपा नेता भागीरथ सिंह गंगवार से मुलाकात की। औलख ने उन्हें मकर संक्रांति की बधाई दी और उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। भागीरथ सिंह लंबे समय से बीमार चल रहे हैं। राज्यमंत्री औलख ने ग्रामीणों से एसआईआर से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की। उन्होंने केंद्र की मोदी सरकार और प्रदेश की योगी सरकार द्वारा चलाई जा रही जनहितकारी योजनाओं की सराहना की। राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख ने कहा कि मेरी विधानसभा मेरा परिवार है। क्षेत्र में विकास हो रहा है और विकास प्राथमिकता है।

प्रयागराज चिंतन शिविर के लिए रामपुर के किसान रवाना

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

● बोले शिविर में फैक्ट्रियों से प्रदूषित पानी का मुद्दा उठाएंगे

अमृत विचार: भाकियू टिकैत के चिंतन शिविर में फैक्ट्रियों से छोड़े जाने वाले प्रदूषित पानी का मुद्दा गूंजेगा। शुक्रवार को जिले भर की तमाम समस्याएं लेकर किसान प्रयागराज रवाना हो गए।

किसानों ने बताया कि भाकियू टिकैत का प्रयागराज में चिंतन शिविर शुरू हो गया। देशभर के किसान शिविर में पहुंच रहे हैं। प्रदेश महासचिव हसीब अहमद के नेतृत्व में गुरुवार की रात कार्यालय से नारेबाजी करते हुए रेलवे स्टेशन पहुंचे और फिर प्रयागराज के लिए रवाना हो गए। प्रदेश महासचिव ने बताया कि जिले के फैक्ट्रियां पानी का दोहन कर रहीं हैं। प्रदूषित पानी नालों में छोड़ा जा रहा है जो फसलों को नुकसान पहुंचा रहा है । हाईकमान की मौजूदगी समस्या उठाई जाएगी। समाधान के लिए जिला स्तर पर आंदोलन किया जाएगा। चिंतन शिविर में शामिल होने के लिए दरियाव सिंह यादव, डीपी यादव, राम बहादुर, राजपाल चौधरी, मोहम्मद तालिब, रामदास मौर्य मदनपाल, कृष्णपाल, मुज्मकिर, तौकीर अहमद, मित्र पाल, अशोक सागर, मेहंदी हसन, असगर अली, इकराम अली, अकरम गुरुदेव, गुड्डू सागर, गौतम सागर, विनोद यादव, राजपाल सिंह, राजपाल सिंह, सेवाराम, धर्मेंद्र रामावतार, नरोत्तम, खलील अहमद, नाजिम खान आदि किसान शामिल हैं।

रेलवे स्टेशन पर प्रयागराज के लिए रवाना होते किसान। ● अमृत विचार

निषाद पार्टी ने उठाई फांसी की मांग

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : निषाद पार्टी ने शुक्रवार को मेरठ में मछुआ समाज के युवक स्वर्गीय सोनू कश्यप की हत्या के मामले में रामपुर सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा। कार्यकर्ता आंबेडकर पार्क में एकत्रित हुए और आरोपियों को फांसी की मांग के नारे लगाते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे।

कार्यकर्ताओं ने बताया कि निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद के निर्देशानुसार यह ज्ञापन दिया गया है। इस गंभीर प्रकरण की जांच के लिए निषाद पार्टी द्वारा बार-बार निवेदन किए जाने के बावजूद प्रशासन द्वारा निष्पक्ष कार्रवाई न किए जाने से समाज में रोष है। उन्होंने मांग की है मेरठ प्रकरण में संलिप्त, उदासीन एवं पक्षपातपूर्ण भूमिका निभाने वाले सभी अधिकारियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए। हत्या प्रकरण की उच्च-स्तरीय एवं निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जाए। पीड़ित परिवार को 1 करोड़ का मुआवजा, परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी तथा ग्राम समाज की पट्टाधारक भूमि पीड़ित परिवार के नाम दर्ज की जाए। परिवार को सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करवाई जाए। मामले की फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई हो जल्द से जल्द दोषियों को सजा दिलवाई जाए। ज्ञापन देने वालों में कार्यवाहक जिला अध्यक्ष महेंद्र पाल कश्यप, बीपी सिंह तुरैहा, सुरेश कुमार कश्यप, गुड्डू कश्यप, राममोहन कश्यप, मनोज कश्यप, ओम प्रकाश कश्यप, प्रेम शंकर कश्यप, कमल तुरैहा, विनोद तुरैहा, कृष्णपाल सिंह, जगमोहन, अजय प्रधान जी बृज किशोर, मुकेश कुमार, शिवदयाल, द्वारका प्रसाद आदि लोग मौजूद रहे।

सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन देते कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

● कार्यकर्ताओं ने मेरठ में सोनू कश्यप की हत्या मामले में ज्ञापन दिया

बिजली उपकेंद्र पर तैनात अवर अभियंता को हटाया

मसवासी, अमृत विचार : बिजली विभाग मुरादाबाद मंडल के मुख्य अभियंता अशोक कुमार चौरसिया ने मसवासी बिजली उपकेंद्र पर तैनात अवर अभियंता को लापरवाही के आरोप में हटाकर बिलासपुर गेट रामपुर बिजली उप केंद्र पर तैनात किया है।

उनके स्थान पर स्वर बिजली केंद्र के अवर अभियंता श्याम सिंह को कार्यवाहक के तौर पर तैनात किया गया है। मसवासी 33/11 बिजली उपकेंद्र पर तैनात अवर अभियंता मोहनलाल को हटाकर बिलासपुर गेट, थाना गंज, डूंगरपुर, किला गेट, आदि बिजली उपकेंदो की जिम्मेदारी सौंपी है। उनके स्थान पर स्वार बिजली घर पर तैनात अवर अभियंता श्याम सिंह को जिम्मेदारी सौंपी है।

न्यूज डायरी

किसान संघ ने एसडीएम को दिया ज्ञापन

रामपुर, अमृत विचार : तहसील शाहबाद में शुक्रवार को भारतीय किसान संघ की बैठक हुई। बैठक किसान की समस्याओं के लेकर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। कहा कि बिना बिना रिश्वत राशन कार्ड बनाया जाए। आवारा पशुओं से फसलों को बर्बाद होने से बचाया जाए। मांग की है कि जिले के निजी स्कूलों में एनसीईआरटी कोर्स लागू हो। इन समस्याओं को लेकर भारतीय किसान संघ के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओ ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। भारतीय किसान संघ का कहना है कि जल्द ही इन समस्याओं का समाधान किया जाए। जल्द समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो संघ आंदोलन करने को मजबूर होगा। इस दौरान भारतीय किसान संघ के शाहबाद खंड अध्यक्ष एडवोकेट अतुल गुप्ता, ब्लॉक मंत्री गजेंद्र ठाकुर, राकेश कश्यप, कमल अनमोल घनश्याम, वेदप्रकाश, महेश कश्यप, सोहनलाल, रमेश, कल्लू, भोजराज आदि लोग मौजूद रहे।

एसपी ने परेड की सलामी लेकर किया पुलिस लाइन का निरीक्षण

रामपुर, अमृत विचार : पुलिस अधीक्षक विद्या सागर मिश्र ने शुक्रवार को परेड की सलामी लेने के बाद उसका भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान परेड में मौजूद महिला प्रशिक्षुओं एवं कर्मचारियों का टर्नआउट आदि चेक किया। रिजर्व पुलिस लाइन परिसर स्थित भोजनालय, रीडिंग रुम, कैंटीन, मनोरंजन कक्ष, म्यूजियम, जिम, आरटीसी कार्यालय, कैश कार्यालय, परिवहन शाखा, आरटीसी आदि की व्यवस्थाओं आदि का निरीक्षण किया। इसके बाद साफ-सफाई आदि को चेक कर संबंधित को आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान क्षेत्राधिकारी लाइन-टांडा व क्षेत्राधिकारी बिलासपुर भी उपस्थित रहें।

खाद्य सामग्री में मिलावट करने पर हो कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में डीएम अजय कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि सतर्कता समिति की बैठक हुई। उन्होंने कहा कि खाने व पीने की सामान के मिलावटखोरों पर कड़ी कार्रवाई हो। उन्होंने लोगों को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य, पेय पदार्थ तथा औषधि उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

बैठक में समन्वयक सदस्य सहायक आयुक्त (खाद्य) एवं अभिहित अधिकारी सुनील कुमार शर्मा द्वारा एजेंडा प्रस्तुत किया गया। सदस्यों ने अब तक की गई कार्यवाही पर संतोष व्यक्त करते हुए जागरुकता अभियानों को और अधिक प्रभावी बनाने के सुझाव दिए। डीएम ने जिला आबकारी अधिकारी को कंपोजिट शॉप एवं देशी शराब की दुकानों पर टेट्रा पैक के पैकेट तथा प्लास्टिक के गिलासों के समुचित निस्तारण के लिए ढक्कनयुक्त कूड़ेदानों की व्यवस्था कराने के निर्देश दिए। उन्होंने खाद्य विभाग को फास्ट फूड के ठेलों पर उपयोग की जा रही रंगीन चटनियों पर रोक लगाने के निर्देश दिए।

औषधि निरीक्षक मुकेश कुमार को औषधि दुकानों का निरीक्षण करने तथा नशीली दवाइयों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। बैठक में नगर मजिस्ट्रेट सालिग राम, जनपदीय अधिकारियों के साथ अध्यक्ष व्यापार मंडल शैलेन्द्र शर्मा, अध्यक्ष उद्योग व्यापार मंडल संदीप सोनी, अध्यक्ष फार्मा ट्रेडर्स एसोसिएशन दीपक शर्मा, समाजसेवी अवतार सिंह एवं नीना साहनी सहित अन्य मौजूद रहे।

डीएम ने दिव्यांग को दी ट्राइसाईकिल

शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनता दर्शन में डीएम अजय कुमार द्विवेदी ने तहसील मिलक के ग्राम जटपुरा निवासी दिव्यांग रामदयाल को ट्राई साइकिल दी। डीएम ने कहा कि दिव्यांगजनों को मुख्यधारा से जोड़ना तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाना शासन एवं जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। जनता दर्शन के दौरान डीएम ने जनसामान्य की समस्याओं को गंभीरता से सुना और प्रत्येक प्रकरण पर संबंधित को त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए।

'ईट राइट स्कूल' का प्रमाण पत्र मिलने पर की सराहना

सरकारी आवासीय विद्यालयों को लेकर बताया कि आश्रम पद्धति विद्यालय को एफएसएसएआई के कार्यक्रम के अंतर्गत 'ईट राइट स्कूल' का प्रमाण पत्र सफलतापूर्वक प्राप्त हुआ है। इस उपलब्धि को सराहते हुए उन्होंने अन्य विद्यालयों के किचन की भी नियमित एवं सतत जांच कराने के निर्देश दिए। आश्रम पद्धति विद्यालय की प्रधानाचार्या को प्रमाण पत्र दिया।

सीनियर सिटीजन को टैक्स में मिले अधिक छूट

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

● आईआईए की बैठक में बोले आईआईए के चेयरमैन

अमृत विचार : शुक्रवार को रोशनबाग स्थित उद्यमी कपिल आर्य के आवास पर आईआईए की बैठक हुई। आईआईए के चेयरमैन श्रीश गुप्ता ने कहा कि आगामी बजट के लिए और कुछ अन्य बैंक संबंधी प्राप्त सुझाव अपने केंद्रीय कार्यालय को भेजे हैं। इसमें सीनियर सिटीजन को टैक्स में छूट से लेकर अन्य मांगें शामिल हैं।

केंद्रीय कार्यालय ने सभी चैप्टर्स से बजट संबंधी सुझाव मांगे थे, जो कि केंद्रीय कार्यालय सरकार को भेजेगी। सुझावों में विश्व में चल रही गतिविधियों को देखते हुए, अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ को देखते हुए निर्यातकों एवं उद्यमियों को इनकम टैक्स में अधिक छूट दिए जाने की मांग रखी है। व्यापार में निर्यात आर्डर रुक जाने के कारण उद्यमी, निर्यातक धन की भारी कमी से जूझ रहे है। बैंकों ने 90 दिन से अधिक बैंक की किस्त देरी से भुगतान होने पर अकाउंट एनपीए करने की पॉलिसी बना रखी है यह 180 दिन करने की मांग व एनपीए के नियमों में कुछ ढील देने का प्रस्ताव भेजा है। बैंकों द्वारा तरह तरह के पैनल इंटरेस्ट लगाने पर सरकार को रोक लगानी चाहिए। सीनियर सिटीजन को इनकम टैक्स से छूट देने का सुझाव भेजा है। अब जीएसटी सरकार की आय का प्रमुख साधन हो चुका है, इसलिए 1 करोड़ से कम कारोबार करने वालों को कर से मुक्त कर देना चाहिए। बैठक में एसके गुप्ता, विपिन कुमार, रमेश अग्रवाल, उमेश अग्रवाल, मनोज गुप्ता, मनोज गर्ग, राम रक्ष पाल यादव आदि उद्यमी मौजूद रहे।

सीलिंग के बावजूद संचालित हो रहे थे दो अस्पताल, दोबारा सील

सैफनी, अमृत विचार : नगर में दो अस्पतालों की सील हटाकर स्वास्थ्य विभाग की टीम को संचालन होता मिला। इस पर अधिकारियों ने दोनों अस्पतालों को सील करा दिया है। इस दौरान अधिकारियों ने एक झोलाछाप के क्लीनिक को सील कर दिया है। 15 दिन पहले झोलाछाप के नोडल अधिकारी देवेश चौधरी की टीम ने सूचना मिलने पर हिंद हेल्थकेयर और एक अन्य क्लीनिक को बिना रजिस्ट्रेशन के संचालित होने पर सील कर प्राथमिकी दर्ज कराई थी। बताया कि शुक्रवार को फिर से दोनों अस्पतालों की सील हटाकर संचालन होने की सूचना मिली जिस पर टीम ने जाकर देखा तो कोई भी डॉक्टर मौजूद नहीं थे। सिर्फ स्टॉफ के सहारे ही अस्पताल का संचालन हो रहा था। इसके बाद टीम ने दोनों अस्पतालों को दोबारा सील कर दिया। इसके अलावा क्षेत्र में ही रिजवान क्लीनिक पर भी छापा मारा। टीम को इसका भी रजिस्ट्रेशन नहीं मिला। मौके पर तीनों अस्पतालों को सील कर दिया। विभाग की इस कार्रवाई से अन्य लोगों में खलबली मची रही। कार्रवाई के दौरान वरिष्ठ सहायक सुनील दत्त, चतुर्थ श्रेणी मोहम्मद आजम आदि मौजूद रहे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. दीपा सिंह ने कहा कि जनपद में बिना रजिस्ट्रेशन या दस्तावेज के अस्पताल का संचालन नहीं होने दिया जाएगा। शुक्रवार को भी तीन अस्पतालों पर सीलबंदी की कार्रवाई कर प्राथमिकी भी दर्ज कराई गई है।

27 को बैंकों में हड़ताल की बनाई रणनीति

रामपुर, अमृत विचार : सिविल लाइंस स्थित इंडियन बैंक में शुक्रवार को यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस की बैठक में 27 जनवरी को हड़ताल की रणनीति बनाई गई। इससे पहले 23 जनवरी को सिविल लाइंस स्थित पंजाब नेशनल बैंक की शाखा पर 23 जनवरी को यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के कर्मचारी और अधिकारी अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन करेंगे। बैठक में जगमोहन अग्रवाल ने कहा कि 27 जनवरी को बैंकों में हड़ताल रहेगी और सभी अधिकारी स्टेट बैंक की मुख्य शाखा पर धरना प्रदर्शन करेंगे। कहा कि यूनियन लंबे समय से बैंकों में 5 दिवसीय कार्य की मांग कर रही है लेकिन, सरकार इस ओर ध्यान नहीं दे रही है। बैंक कर्मचारी और अधिकारी अपनी मांगों को मनवाने के लिए शांतिपूर्ण तरीके से हड़ताल पर जाने के लिए मजबूर हैं। कहा कि मांगे नहीं माने पर हड़ताल के दौरान अगली रणनीति बनाई जाएगी। बैठक में एमके चौहान, आशुतोष गुप्ता, धनराज, बीएस रावत, शिवानी सिंह, रिया सक्सेना, संजय बाबू आदि मौजूद रहेंगे।

अमृत विचार

मुरादाबाद , शनिवार, 17 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

टॉफी का लालच देकर कुकर्म कर रहा युवक

स्वार, अमृत विचार : नगर निवासी एक व्यक्ति ने मोहल्ला स्वार खास निवासी एक युवक पर पांच वर्षीय बेटे के साथ कुकर्म करने का आरोप लगाया है। पीड़ित पिता के अनुसार आरोपी टॉफी आदि का लालच देकर बालक के साथ चार माह से कुकर्म कर रहा है। मामले का खुलासा दो जनवरी को हुआ जब मां ने अपने बेटे को आरोपी के साथ बदहाल अवस्था में देखा। बालक के बताने पर मां ने फोन पर दिल्ली में रह रहे पति को जानकारी दी, जिस पर वह तुरंत घर पहुंचे। पिता का आरोप है कि बेटे की हालत पिछले चार माह से खराब चल रही है। पीड़ित ने आरोपी युवक को नामजद करते हुए कोतवाली पुलिस को तहरीर दी थी। लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। पुलिस अधीक्षक से शिकायत के बाद उन्होंने कोतवाली पुलिस को निर्देश दिए हैं। इसके बाद भी पीड़ित रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए कोतवाली के चक्कर काट रहा है।

कारखाने से 50 हजार का सामान चोरी

स्वार, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के गांव रसूलपुर निवासी इस्लाम पुत्र अहमद रजा के सीमेंट की ईंटें बनाने का कारखाना है। गुरुवार की रात घने कोहरे का फायदा उठाकर अज्ञात चोरों ने कारखाने को निशाना बनाया। चोर किसी तरह कारखाने में घुस गए और जनरेटर का अल्टीनेटर, मोटर, इनवर्टर व मिक्सर मशीन की मोटर समेत करीब 50 हजार रुपये का सामान चोरी कर ले गए। सुबह होने पर आसपास के लोगों ने घटना की जानकारी कारखाना स्वामी को दी। कारखाना स्वामी ने अज्ञात चोरों के खिलाफ कोतवाली पुलिस को तहरीर दी। लेकिन समाचार भेजे जाने तक पुलिस ने घटना की रिपोर्ट दर्ज नहीं की है।

अजीमनगर पुलिस ने तीन वारंटी पकड़े

सैदनगर, अमृत विचार : शुक्रवार को अजीमनगर पुलिस ने भी अभियान के तहत 3 अपराधियों को गिरफ्तार किया। आरोपी काफी समय से कोर्ट से फरार चल रहे थे और पुलिस ने तलाश रही थी। पकड़े गए अपराधियों में इमरता निवासी संजय सैनी और ओमकार सैनी जबकि इमरती खेमपुर निवासी कलुआ शामिल हैं। पकड़े गए अभियुक्त पर कानूनी कार्यवाही की जा रही है। थाना अध्यक्ष कर्म सिंह पाल ने बताया तीनों आरोपियों को मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश कर जेल भेज दिया गया है।

दो पैनकार्ड मामले में बहस शुरू, 21 को होगी सुनवाई

- सजा के खिलाफ दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं ने रखे अपने पक्ष

रामपुर, अमृत विचार : सपा नेता आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्ला आज़म की दो पैनकार्ड मामले में मिली सजा के खिलाफ दायर अपील पर शुक्रवार को सेशन कोर्ट में सुनवाई हुई। दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के बीच बहस शुरू हो गई, कोर्ट ने 21 जनवरी अगली तिथि दे दी है।

इस दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से जिला शासकीय अधिवक्ता (डीजीसी) सीमा राणा अदालत में आपत्ति दाखिल की। इसमें अपील को खारिज करने की मांग की गई। वहीं पिछली सुनवाई में अभियोजन पक्ष को आपत्ति दाखिल करनी थी, लेकिन समय की कमी के कारण अगली तारीख तय दी थी। इसी क्रम में आज डीजीसी सीमा राणा अपनी आपत्ति अदालत में पेश की। वहीं आज़म खां और अब्दुल्ला आज़म के अधिवक्ताओं ने कोर्ट में अपना पक्ष रख। वे सजा पर रोक लगाने और राहत देने की मांग को लेकर अपना पक्ष रखा। मामले में बहस शुरू हो गई है। जो शुक्रवार को पूरी नहीं हो सकी। इसके चलते कोर्ट ने 21 जनवरी अगली तिथि दे दी है। 17 नवंबर को रामपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट ने आज़म खां और अब्दुल्ला आजम को दो पैन कार्ड रखने के मामले में दोषी ठहराया था। अदालत ने उन्हें सात-सात साल की सजा और 50-50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया था। तब से दोनों रामपुर जिला कारागार में बंद हैं।

बिलासपुर में 165 गांवों के किसानों की फसलों को मिलेगा लाभ

बहगुल नदी पर किसानों के श्रमदान से बांध निर्माण शुरू

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : बिलासपुर क्षेत्र में किसानों ने एक बार फिर सिंचाई संकट के बीच आत्मनिर्भर बनने की ओर कदम बढ़ाया है। उन्होंने बहगुल नदी की धारा मोड़कर फसलों की सिंचाई के लिए श्रमदान से कच्चे बांध का निर्माण कार्य शुरू कर दिया है।

यह अस्थायी बांध बिलासपुर के खजुरिया थाना क्षेत्र में बहने वाली बहगुल नदी पर हर साल किसानों द्वारा बनाया जाता है। शुक्रवार सुबह किसान कल्याण समिति के अध्यक्ष और पूर्व विधायक जयदीप सिंह बराड़ के नेतृत्व में किसान फावड़े और कस्सी लेकर निर्माण स्थल पर एकत्र हुए। कार्य सुबह से देर शाम तक जारी रहा। इस बांध के बनने से नदी का पानी एक विशाल जलाशय का रूप ले लेता है, जिसे बाद में नहरों के माध्यम से खेतों तक पहुंचाया जाता है। इस पहल से दो जनपदों के लगभग 165 गांवों के किसानों को सीधा लाभ मिलता है। जलाशय से तहसील के लगभग 17 और बरेली जनपद के 130 गांवों की फसलों को निःशुल्क सिंचाई का लाभ प्राप्त होता है। वर्तमान में मिट्टी एकत्र करने का कार्य युद्धस्तर पर जारी है। इसके बाद नदी की मुख्य धारा को रोका जाएगा। उम्मीद है कि लगभग दो सप्ताह के भीतर बांध पूरी तरह तैयार हो जाएगा।

पक्का बांध वर्षों पहले हो गया क्षतिग्रस्त

किसान नेता ने बताया कि बहगुल नदी पर बना पुराना पक्का बांध वर्षों पहले क्षतिग्रस्त हो गया था। तब से लेकर आज तक किसान पक्के बांध की मांग कर रहे हैं, लेकिन कोई ठोस समाधान नहीं मिला है। इसी कारण वे हर साल अपने श्रम और संसाधनों से यह कच्चा बांध तैयार करते हैं। किसान लगातार इस बांध पक्का बनाने की मांग कर रहे हैं, लेकिन कुछ नहीं हो पाया।

बहगुल नदी पर श्रमदान करते किसान। ● अमृत विचार

कड़ाके की सर्दी में बढ़ी बार चुनाव की सरगर्मी

जीत के लिए वोट पक्के करते रहे प्रत्याशी, कार्यालयों पर भी लग रहे हार-जीत के आंकड़े

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : कड़ाके की सर्दी में बार एसोसिएशन चुनाव का तापमान बढ़ रहा है। शुक्रवार को प्रत्याशियों ने अपनी-अपनी जीत पक्की करने के लिए मतदाता अधिवक्ताओं से संपर्क साधा। देर रात तक प्रत्याशियों के चुनावी कार्यालयों पर हार-जीत के आंकड़े लगते रहे। चुनावी रण में अध्यक्ष पद के लिए कई दिग्गज ताल ठोक रहे हैं। इस कारण दिग्गजों के लिए यह चुनाव प्रतिष्ठा का प्रश्न बन गया है। वोट हासिल करने के लिए प्रत्याशी हर टोटका आजमा रहे हैं।

बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव में कड़ाके सर्दी के बावजूद तापमान बढ़ता जा रहा है। शुक्रवार को कचहरी में पूरे दिन प्रत्याशी वोट हासिल करने के लिए मतदाताओं से संपर्क करते रहे। इन दिनों जाड़ों की गुनगुनी धूप में अलाव के चारों ओर बैठकर सीनियर वकील हार-जीत के आंकड़ों पर चिंतन-मंथन कर रहे हैं। बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए छह प्रत्याशी चुनाव मैदान में डटे हुए हैं। इनमें दो प्रत्याशी पूर्व में बार एसोसिएशन के पद पर रह चुके हैं। बार एसोसिएशन के चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए श्यामलाल, राजेंद्र प्रसाद, अमर सिंह यादव, राजीव कुमार, महेंद्र सिंह, सुखदयाल बाबा चुनाव मैदान में हैं। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए सर्वजीत सिंह और त्रिलोकी सिंह के बीच सीधी टक्कर है। महासचिव पद के लिए मुसहाफ अली, उस्मान खां, राहुल कुमार सिंह, देवेंद्र कुमार, शिव नरेश तोमर, अरुण प्रकाश सक्सेना और दौलत राम चुनाव में डटे हुए हैं। 10 वर्ष से अधिक के लिए अब्दुल खालिक और मोहम्मद अकरम के बीच मुकाबला दिलचस्प हो गया है। जबकि 10 वर्ष से कम वालों में उपाध्यक्ष पद के लिए सौरभ गुप्ता, आसिफ खां, अब्दुल कय्यूम, जसविंद सिंह, रामवीर शर्मा, मुरताज अली और जय सिंह के बीच में मुकाबला है। कोषाध्यक्ष पद के लिए अमर पाल पटेल, प्रकाश मसीह, मोहम्मद इस्लाम, संजीव यादव और मोहम्मद जावेद के बीच मुकाबला होगा। संयुक्त सचिव प्रशासन के लिए सोहन लाल और सौरन सिंह सैनी ने, संयुक्त सचिव पुस्तकालय के लिए चेतराम सिंह सैनी मैदान में हैं। सभी प्रत्याशियों ने चुनाव में पूरी ताकत झोंक दी है। जैसे-जैसे मतदान का दिन करीब आता जा रहा है बार चुनाव जोर पकड़ता जा रहा है।

वोटों के लिए मतदाताओं से चुनाव की अपील करते प्रत्याशी। ● अमृत विचार

लायर्स एसोसिएशन: सैयद जफर मियां अध्यक्ष और महासचिव बने वैष्णो दत्त शर्मा

रामपुर, अमृत विचार : रामपुर लायर्स एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव में शुक्रवार को मतदान नहीं हुआ क्योंकि प्रत्याशियों के मुकाबले पर किसी ने नामांकन नहीं कराया था। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रेमराज ने विजयी प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर दी। अध्यक्ष पद के लिए सैयद जफर अली मियां और महासचिव पद के लिए वैष्णो दत्त शर्मा के नामों की घोषणा की गई है। जिला कचहरी स्थित लार्यस एसोसिएशन के कार्यालय पर मुख्य निवार्चन अधिकारी ने निर्विरोध जीते प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर दी। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए संजय कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष पद पर बाबू अली, कोषाध्यक्ष पद के लिए मोहम्मद शुऐब खां, कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए मोअज्जम अली एवं हरिओम रवि, संयुक्त् सचिव प्रशासन पद के लिए तनजीब हुसैन, संयुक्त सचिव प्रसार के लिए दानिश खां और संयुक्त सचिव पुस्तकालय के लिए अनीस अहमद के नामों की घोषणा की गई।

महिला अस्पताल में भर्ती मरीज से अश्लील हरकत, हुई पिटाई

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

- गार्ड ने आरोपी को दबोचा, पुलिस को सौंपा

अमृत विचार : नगर कोतवाली स्थित महिला जिला अस्पताल के आयुष्मान वार्ड में एक महिला से अश्लील हरकत का आरोप है। आरोप है कि एक युवक ने वार्ड में भर्ती महिला के साथ छेड़छाड़ का प्रयास किया। महिला के शोर मचाने पर गार्डों ने युवक को पकड़कर पीटा और बाद में पुलिस के हवाले कर दिया।

महिला जिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. अनवर सादात ने बताया कि प्रसव के बाद भर्ती महिलाओं के वार्ड में एक मानसिक मंदितयुवक ने महिला से अभद्र टिप्पणी और अश्लील हरकत करने का प्रयास किया। गार्डों ने युवक को पकड़कर पीटा था। युवक की पिटाई का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। डॉ. सादात ने बताया कि आरोपी युवक को पुलिस को सौंप दिया गया है और पुलिस मामले की जांच कर रही है। उन्होंने अस्पताल के गार्डों को भी निर्देश दिए हैं कि वे अपनी ड्यूटी करें और किसी पर हाथ न उठाएं। दिनदहाड़े हुई इस घटना ने अस्पताल में भर्ती महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस चौकी इंचार्ज ने बताया कि युवक मानसिक मंदित प्रतीत होता है। कहा कि अभी तक इस संबंध में कोई लिखित शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

नाबालिग को ले गया युवक, पांच पर केस

सैदनगर, अमृत विचार : थाना अजीमनगर क्षेत्र के एक गांव निवासी किशोरी घर पर अकेली थी। परिजनों की गैर मौजूदगी में आरोपी ने किशोरी को बहलाकर झांसे में ले लिया और घर में रखे जेवर एवं किशोरी को अपने साथ ले गया। आसपास एवं रिश्तेदारी में तलाश किया तो उसका कोई सुराग नहीं लगा। थाने पहुंचे परिजनों ने आरोपियों के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने अरविंद, भजनलाल, कृष्ण पाल, सुमित और शीला के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। थाना अध्यक्ष कर्म सिंह पाल ने बताया मामले की जांच की जा रही है। जल्दी ही आरोपियों को गिरफ्तार कर कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

प्रधान ने फ्लेक्सी लगाकर मामले का किया पटाक्षेप

संवाददाता, मसवासी

- हिंदू संगठनों की फ्लेक्सी क्षतिग्रस्त करने का मामला

अमृत विचार : क्षेत्र के मानपुर महाराजपुर में हिंदू सम्मेलन की तैयारी को लेकर लगाई गई फ्लेक्सी उखाड़ कर क्षतिग्रस्त करने के मामले में ग्राम प्रधान ने फ्लेक्सी लगवा कर मामले का पटाक्षेप कर दिया है।

22 जनवरी को मसवासी क्षेत्र में हिंदू सम्मेलन की तैयारी को लेकर जगह-जगह फ्लेक्सी लगाई गई है। सम्मेलन में साध्वी प्राची और एक अन्य संत यहां पहुंच रहे हैं। विहिप और बजरंग ने मानपुर महाराजपुर में कार्यक्रम की जागरूकता के लिए फ्लेक्सी लगाई गई थी कुछ अज्ञात तत्वों ने फ्लेक्सी उखाड़ कर क्षतिग्रस्त कर दी थी। इस मामले को लेकर बजरंग दल व भाजपाइयों में आक्रोश फैल गया था। बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने पुलिस की सख्ती के बाद गुरुवार की देर शाम मानपुर उत्तरी के प्रधान साजिद हुसैन ने नई फ्लेक्सी बनवाकर इस स्थान पर लगवा दी हैं। फ्लेक्सी लगने के बाद हिंदू संगठनों में उठा उबाल समाप्त हो गया है। चौकी इंचार्ज अजय कुमार शुक्ला ने बताया की संभ्रांत लोगों की मौजूदगी में दोनों पक्षों में समझौता हो गया है। इस मौके पर पुलिस चौकी में ग्राम प्रधान पति साजिद हुसैन, बजरंग दल नेता अर्जुन कुमार गुप्ता, भाजपा नेता पवन कुमार शर्मा, अशोक सैनी समेत काफी लोग मौजूद रहे।

मानपुर उत्तरी महाराजपुर हिंदू सम्मेलन की लगी फ्लेक्सी।

पिप्लेश्वर मंदिर से पीतल का नाग व घंटे चोरी

संवाददाता, स्वार

अमृत विचार: घने कोहरे और कड़ाके की सर्दी का फायदा उठाकर चोरों ने नगर के धार्मिक स्थलों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। नगर मोहल्ला स्वार खास स्थित प्राचीन पिप्लेश्वर महादेव शिव मंदिर में बीते आठ दिनों में दूसरी बार चोर चार पीतल की घंटियां और शिवलिंग पर स्थापित पीतल का नाग देवता चोरी कर ले गए। सीओ और कोतवाल ने मंदिर का निरीक्षण कर शीघ्र खुलासा का आश्वासन दिया है। श्मशान घाट से चोर पुजारी के कमरे से 2500 रुपये की नकदी और एक बड़ा पंखा चोरी कर ले गए थे। लगातार धार्मिक स्थलों से हो रही चोरी की घटनाओं को लेकर लोगों में भारी रोष व्याप्त है।

गुरुवार की रात नगर के मोहल्ला स्वार स्थित प्राचीन पिप्लेश्वर महादेव शिव मंदिर से किसी समय घंटियां और शिवलिंग पर लगे पीतल के नाग देवता चोरी ले गए। सूचना आसपास के लोगों समेत मंदिर की कमेटी को लगी तो मौके भारी भीड़ एकत्र हो गई और सूचना कोतवाली पुलिस को दी। क्षेत्राधिकारी अतुल कुमार पांडे और कोतवाल प्रदीप मलिक समेत वरिष्ठ उपनिरीक्षक अजय कुमार प्राचीन शिव मंदिर पहुंचे और जांच पड़ताल की।

शिव मंदिर कमेटी के अध्यक्ष पंडित प्रशांत शर्मा ने बताया कि क्षेत्राधिकारी ने मंदिर के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल कर शीघ्र खुलासे का आश्वासन दिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने प्राचीन पिप्लेश्वर महादेव शिव मंदिर की सुरक्षा के लिए दो चौकीदारों की तैनाती कर दी है। वहीं लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से धार्मिक संगठनों में नाराजगी बनी हुई है।

कईं घरों का ताला तोड़कर नकदी व जेवर चोरी

- लोगों में रोष, आठ दिन में मंदिर में दूसरी बार चोरी

शाहबाद, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के गांव टांडा में बीती रात चोरों ने एक मकान को निशाना बनाते हुए नकदी और जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव निवासी सुरजपाल ने कोतवाली में दी तहरीर में बताया कि 15 जनवरी की रात वह अपने पुराने घर में पत्नी के साथ सो रहा था। उसका बेटा शुभम घर के बैठक वाले ऊपरी कमरे में सो रहा था। सुबह जब वह उठा तो देखा कि बैठक का ताला टूटा हुआ था और संदूक में रखा जेवरात गायब था। पीड़ित के मुताबिक रात के समय अज्ञात चोरों ने घर में घुसकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। वहीं, कुछ समय बाद जानकारी मिली कि गांव के ही बूटा सिंह, महेंद्र, मदनपाल के बंद घरों में भी चोरी की घटना हुई है। गांव वालों ने बताया कि यह तीनों लोग गांव से बहार गए हुए थे। कोतवाल संजय कुमार ने बताया कि सूचना पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है।

न्यूज डायरी

अस्पताल और नर्सरी में निकले सांप, लोगों में हड़कंप

मसवासी, अमृत विचार : शुक्रवार को एक अस्पताल में सांप घुस आया जिससे लोगों में हड़कंप मच गया। सूचना पर वन विभाग की टीम रेस्क्यू कर अपने साथ ले गई। नर्सरी से भी सांप निकलने से अफरा तफरी रही नगर के बाहरी छोर पर सकलैनी अस्पताल में शुक्रवार को एक सांप दिखाई दिया। जिसे देखकर अस्पताल कर्मियों में हड़कंप मच गया। राहगीर ने मामले की सूचना वन विभाग को दी जिसे पकड़ने के लिए खुशहालपुर नर्सरी से वनकर्मी मौके पर आए और सांप को रेस्क्यू कर एक डिब्बे में कैद कर पीपली बन के जंगल को ले गए। इससे पूर्व भी इस अस्पताल में सांप देखा गया था लेकिन वन विभाग की टीम के हाथ नही लग पाया था। वन विभाग की टीम में हरीश चंद्र, शकील अहमद शामिल रहे। वहीं नर्सरी से भी वन विभाग की टीम ने एक सांप पकड़ा। इसके बाद सांपों को पीपली वन के जंगल में छोड़ दिया।

शेख नदीम बने सीनियर बार एसोसिएशन के निर्विरोध सचिव

स्वार, अमृत विचार : सीनियर बार एसोसिएशन बार के चुनाव में सचिव पद पर सर्वसम्मति बन गई है। सचिव पद के प्रत्याशी तय्यब खान एडवोकेट ने अपने प्रतिद्वंद्वी प्रत्याशी नदीम अहमद एडवोकेट के पक्ष में अपना नामांकन पत्र वापस ले लिया। यह प्रक्रिया दो सहायक चुनाव अधिकारियों महिपाल सिंह एवं राजेंद्र चंद्रा की मौजूदगी में संपन्न हुई। मुख्य चुनाव अधिकारी महबूब अली एडवोकेट ने जानकारी देते हुए बताया कि तय्यब ख़ान एडवोकेट द्वारा शुक्रवार को लिखित रूप में सहमति जताते हुए सचिव पद से अपना नामांकन वापस ले लिया है। इस प्रकार सर्वसम्मति से नदीम अहमद एडवोकेट को सीनियर बार एसोसिएशन का सचिव निर्वाचित घोषित किया गया। चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई।

बिलासपुर में ब्लॉक प्रमुख, राज्यमंत्री के बेटे ने बांटे कंबल

रामपुर, अमृत विचार : बिलासपुर में शुक्रवार को ब्लॉक प्रमुख कुलवंत सिंह औलख और कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख के बेटे सरदार गुरकीरत सिंह औलख ने जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए। इस कार्यक्रम में 300 से अधिक लोगों को शीतलहर से बचाव के लिए कंबल दिए गए। शुक्रवार दोपहर तहसील क्षेत्र के पजईया गांव में प्रशासन की ओर से कार्यक्रम आयोजित किया गया। ब्लॉक प्रमुख कुलवंत सिंह औलख ने कहा कि सरकार शीतलहर से बचाने के लिए विशेष प्रबंध कर रही है, जिसमें रैन बसेरों और सार्वजनिक स्थानों पर नियमित रूप से अलाव की व्यवस्था शामिल है। सरदार गुरकीरत सिंह औलख ने बताया कि वह लगातार क्षेत्रीय भ्रमण पर हैं और कार्यक्रमों के माध्यम से कंबल वितरण कर रहे हैं। उन्होंने जोर दिया कि आज करीब तीन सौ से अधिक जरूरतमंदों को शीतलहर से बचाव हेतु कंबलों का वितरण किया गया है। इस मौके पर उप जिलाधिकारी अरुण कुमार, तहसीलदार शिवकुमार शर्मा, रामदेव लोधी, हरदीप सिंह गिल, ग्राम प्रधान राजेंद्र सागर, कुंवरपाल और लेखपाल सहित अधिकारी व अन्य लोग मौजूद रहे

डंपर ने बैलगाड़ी में मारी टक्कर, बैल की मौत

संवाददाता, स्वार

अमृत विचार: शुक्रवार को एक तेज रफ्तार डंपर ने बैलगाड़ी को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में एक बैल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बैलगाड़ी चालक समेत दूसरा बैल गंभीर रूप से घायल हो गया।

कोतवाली के गांव धनौरी निवासी गुड्डू पुत्र ओमप्रकाश तड़के करीब पांच बजे अपनी बैलगाड़ी से जा रहा था। तभी पीछे से आ रहे रेत से भरे डंपर ने बैलगाड़ी को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एक बैल ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि चालक गुड्डू और दूसरा बैल गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

होड़ में लापरवाही से डंपर चला रहे चालक : स्थानीय लोगों में घटना को लेकर भारी रोष है। लोगों का कहना है कि क्षेत्र में तेज रफ्तार डंपर लगातार हादसों को अंजाम दे रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि अधिक चक्कर लगाने की होड़ में डंपर चालक लापरवाही से वाहन दौड़ा रहे हैं। नगर वासियों ने बताया कि दुर्घटनाओं के बाद कुछ दिनों तक प्रशासन की सख्ती जरूर दिखाई देती है। लेकिन उसके बाद फिर से डंपरों की मनमानी शुरू हो जाती है। लोगों ने प्रशासन से डंपरों की गति पर नियंत्रण और सख्त कार्रवाई की मांग की है।

कोहरे में कैंटर ने तीन वाहनों को मारी टक्कर

रामपुर, अमृत विचार : नैनीताल हाईवे पर शुक्रवार तडके करीब 3 बजे घने कोहरे के बीच तेज रफ्तार कैंटर ने सड़क किनारे खड़े तीन वाहनों को टक्कर मार दी। गनीमत रही कि टक्कर के समय वाहनों में कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था। हादसे में तीनों वाहन और कैंटर क्षतिग्रस्त हो गए। नैनीताल हाईवे पर जीरो प्वाइंट से आगे एक होटल के सामने यह हादसा हुआ। होटल के बाहर दो कारें और एक ट्रैक्टर-ट्रॉली खड़ी थीं। इनके चालक और सवारियां होटल के भीतर थे। इसी दौरान रुद्रपुर की ओर जा रहा तेज रफ्तार कैंटर अचानक अनियंत्रित होकर इन वाहनों से टकरा गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के वक्त हाईवे पर घना कोहरा छाया हुआ था, जिससे दृश्यता बेहद कम थी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कैंटर का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे की आवाज सुनकर मौके पर लोग इकट्ठा हो गए और कैंटर चालक को पकड़ लिया। कुछ लोगों ने आरोप लगाया कि चालक शराब के नशे में था, हालांकि पुलिस इसकी जांच कर रही है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कैंटर चालक को हिरासत में लेकर वाहन कब्जे में ले लिए। प्रभारी निरीक्षक बलवान सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया हादसे का कारण घना कोहरा प्रतीत हो रहा है। तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी

कोहरे में धीमी गति से चलाएं वाहन, जलाएं फॉग लाइट

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : राजकीय रजा स्नातकोत्तर महाविद्यालय के रोड सेफ्टी क्लब के सदस्यों ने सड़क सुरक्षा जागरुकता रैली निकाली। रैली निकालने से पूर्व प्राचार्य डॉ. जागृति मदान धींगड़ा ने कहा कि बाइक सवार हेलमेट और कार सवार सीट बेल्ट अवश्य लगाएं। कहा कि इन दिनों कोहरा है ऐसे में वाहन को धीमी गति से चलाएं और फॉग लाइट अवश्य जलाएं।

रैली के माध्यम से शुक्रवार को महाविद्यालय के एनसीसी, एनएसएस एवं रोवर्स-रेंजर्स के छात्र-छात्राओं ने ट्रैफिक नियमों के प्रति लोगों को सचेत करते हुए उन्हें सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। रैली के पश्चात एनसीसी अधिकारी डॉ. बिजेन्द्र सिंह ने सभी को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई। महाविद्यालय के एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नरेश कुमार, एनसीसी अधिकारी डॉ. बिजेन्द्र सिंह एवं रोवर लीडर डॉ. राजेश कुमार के संयोजन में रोड सेफ्टी क्लब के माध्यम से महाविद्यालय परिसर तथा आसपास के बाजार में रोड सेफ्टी क्लब के सदस्यों द्वारा सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता रैली निकाली गई। इस अवसर पर महाविद्यालय की मुख्य शास्ता प्रो. मीनाक्षी गुप्ता, प्रो. अरुण कुमार, प्रो. बेबी तबस्सुम, डॉ. जहांगीर अहमद खान, डॉ. राज कुमार, डॉ. इरम नईम, डॉ. शाहिदा परवीन, डॉ. सतीश चन्द्र, डॉ. सोमेन्द्र सिंह, डॉ. घनश्याम सरोज, डॉ. नेहा नागपाल, डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. उमंग अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

दहेज उत्पीड़न में पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मिलक, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कपनेरी निवासी विवाहिता ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र दिया था। जिसके आधार पर दहेज उत्पीड़न में पांच लोगों पर मुकदमा दर्ज हुआ। विवाहिता ने बताया कि उसकी शादी 10 दिसंबर 2024 को ग्राम किशोरपुरा थाना बिनावर बदायूं निवासी राहुल के साथ हुई थी। शादी के बाद से ही ससुराली आए दिन कम दहेज को लेकर उसे रोटी कपड़ा नहीं देते थे। विरोध करने पर मारपीट भी करते थे। आरोप लगाया कि बीते 22 दिसंबर को पति राहुल, जेठ मनोज, सास सावित्री,नंद राखी, ससुर राजपाल ने एकजुट होकर उसके साथ बुरी तरह मारपीट की और उसके ऊपर तेजाब डाल दिया। उसकी चीख पुकार सुन आस पड़ोस के लोग इकट्ठा हो गए। उसने अपने माता-पिता को फोन कर सूचना दी। मारपीट में उसको गुम चोटें भी लगी। पुलिस अधीक्षक के आदेश पर पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने ससुराल पक्ष के पति सहित पांच लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली।

दहेज के लिए पीट रहे ससुराली छह पर रिपोर्ट दर्ज

टांडा, अमृत विचार : दहेज की मांग पूरी न होने पर महिला के साथ मारपीट, गाली-गलौज और धमकी देने के आरोप में विवाहिता ने पति समेत छह लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़िता ज्योति सैनी बताया कि उसकी शादी लगभग सात वर्ष पूर्व सूरज निवासी तोपखाना गेट हजरतपुर, थाना गंज, रामपुर के साथ हुई थी। शादी के बाद से ही पति समेत परिवार के अन्य लोग लगातार दहेज में दो लाख रुपये और सोने के जेवरात की मांग करते आ रहे हैं। पीड़िता का आरोप है कि दहेज की मांग पूरी न होने पर उसके साथ आए दिन मारपीट, गाली-गलौज की जाती है और जान से मारने की धमकी दी जाती है। कई बार उसे मारपीट कर घर से भी निकाल दिया गया। पीड़िता ने बताया कि उसके दो छोटे बच्चे हैं, जिनके पालन-पोषण की जिम्मेदारी उसके मायके वालों द्वारा निभाई जा रही है। महिला थाना में पीड़िता की तहरीर के आधार पर पति सूरज समेत छह आरोपियों पर रिपोर्ट दर्ज कर लिया ली है।

न्यूज ब्रीफ

बेटे ने पिता को डंडा मारकर किया घायल

हसनपुर, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव ब्रह्मबाद निवासी मुनेश कुमार बाबूराम का पुत्र घर पर मौजूद था। उन्होंने अपनी पत्नी मुन्नी को किसी घरेलू काम के लिए आवाज दी। यह बात उनके बेटे को नागवार गुजरी और उसने पास पड़ा डंडा उठाकर पिता के चेहरे पर मार कर दिया। घायल हालत में मुनेश कुमार किसी तरह थाने पहुंचे और पुलिस को पूरी घटना बताई। उन्होंने अपने बेटे के खिलाफ लिखित तहरीर देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। सैदनगली थाना प्रभारी विकास सहरावत ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर मामला संज्ञान में लिया गया है। मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

झोलाछाप चिकित्सक के खिलाफ की करवाई

हसनपुर, अमृत विचार : सीएचसी प्रभारी डॉ. धुर्वेंद्र सिंह के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग द्वारा झोलाछाप के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई की। अभियान के दौरान संभल मार्ग स्थित अल शिफा हेल्थ केयर सेंटर पर पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा हॉस्पिटल को सील कर दिया गया। अस्पताल संचालक को नोटिस देकर तीन दिन के अंदर दस्तावेजों के साथ जवाब देने के निर्देश दिए हैं। सीएचसी प्रभारी डॉ. धुर्वेंद्र सिंह ने बताया कि शिकायत मिलने पर अल शिफा हेल्थ केयर सेंटर को सील किया है तथा संचालक को नोटिस दिया है अगर तीन दिन में संचालक द्वारा दस्तावेज नहीं दिखाए गए तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

राष्ट्र सेविका समिति ने मनाई मकर संक्रांति

अमरोहा, अमृत विचार : राष्ट्र सेविका समिति द्वारा मकर संक्रान्ति मनाई गई। समिति की प्रांत सहसंपर्क प्रमुख एवं संभल विभाग कार्यवाहिका सरोज व कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही डॉ. संयुक्ता चौहान ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का आरंभ किया। ध्वजारोहण शशि ने किया। कार्यवाहिका सरोज ने कहा कि राष्ट्र सेविका समिति मकर संक्रान्ति को सामाजिक और सांस्कृतिक उत्सव के रूप में मनाती है। जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम तिल-गुड़ वितरण और सामाजिक कार्यों जैसे कि वृद्ध आश्रम में सेवा तथा सामाजिक खिचड़ी सहभोज शामिल होते हैं। नीतू द्वारा श्लोक का वाचन किया गया। जबकि नगर कार्यवाहिका रीना ने एकल गीत, दीक्षा ने गण गीत प्रस्तुत किया।

विकास कार्यों में न हो शिथिलता

समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को दिए निर्देश

कार्यालय संवाददाता, अमरोहा

बैठक में निर्देश देतीं जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स।

अमृत विचार : जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने कलेक्ट्रेट सभागार में सीएम डैशबोर्ड पर आधारित विकास कार्यक्रमों, जीरो पॉवर्टी कार्यक्रम और जिले में 50 लाख से अधिक लागत की निर्माणाधीन परियोजनाओं की समीक्षा बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को साफ निर्देश दिए कि विकास कार्यों की प्रगति में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में डीएम निधि गुप्ता ने अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान डीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर फीड होने वाले सभी आंकड़ों को समयबद्ध और सटीक रूप से अपडेट किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों की प्रगति में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। बैठक में जिलाधिकारी ने राशन कार्ड, आवास, आयुष्मान कार्ड, शौचालय और सुमंगला योजना जैसी विभिन्न योजनाओं की सूची को तेजी से सत्यापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन के निर्देश हैं कि सूची सत्यापित हो और पात्र व्यक्ति को ही लाभ मिले, जबकि अपात्र व्यक्तियों के नाम सूची से हटाए जाएं। जीरो पावर्टी कार्यक्रम में चयनित परिवारों को आवास, राशन, पेंशन, आयुष्मान कार्ड और गैस कनेक्शन सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर देने के निर्देश दिए। मनरेगा के अंतर्गत महिलाओं को विशेष रोजगार के अवसर प्रदान करते हुए उनकी अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

जिलाधिकारी ने कहा कि विकास एवं निर्माण कार्यों को समय पर पूरा किया जाए। कहा कि पूर्ण परियोजनाओं को सीएमआईएस पोर्टल पर भी अपलोड किया जाए। बैठक में अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी पुनीत कुमार, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. आभा दत्त, अपर जिला पंचायत राज अधिकारी सहित संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी और कार्यदायी संस्था के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

लक्ष्य के अनुरूप करें राजस्व वसूली

अमरोहा, अमृत विचार : डीएम निधि गुप्ता वत्स ने कलेक्ट्रेट सभागार में कर-करेत्तर एवं राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। डीएम ने निर्देश दिए कि विभिन्न माध्यमों से प्राप्त होने वाले राजस्व की शत-प्रतिशत वसूली की जाए। शुक्रवार को बैठक में डीएम ने मुख्य रूप से राजस्व, परिवहन, स्टांप, आबकारी, खनिज, सिंचाई, बांट माप, बैंक, विद्युत एवं अन्य विभिन्न विभागों के लक्ष्य के सापेक्ष वसूली की समीक्षा की। कहा कि जो शासन द्वारा लक्ष्य निर्धारित किया गया है, उसी के सापेक्ष सभी विभाग प्रगति प्राप्त करें। जिलाधिकारी ने कहा कि विद्युत, वानिकी, मंडी समिति, बाट माप विभाग, सिंचाई, खनिज, स्टाम्प एवं निबंधन और वाणिज्य कर की कम वसूली होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि लक्ष्य के सापेक्ष अभियान चलाते हुए वसूली की जाए। नगर निकायों के कर करेत्तर एवं राजस्व संग्रह की समीक्षा करते हुए सभी निकायों को गत वर्ष के सापेक्ष 25 प्रतिशत और अधिक उपलब्धि हासिल करने के निर्देश दिए।

दूसरे दिन भी मिल्क प्लांट में इनकम टैक्स की छापेमारी

गजरौला, अमृत विचार : आनंदा मिल्क प्लांट में इनकम टैक्स की टीम की छापेमारी शुक्रवार को भी जारी रही। इनकम टैक्स की टीम फाइलें खंगाल रही है। इस दौरान टीम ने प्लांट के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों के फोन जब्त किए कर रखे हैं। मेनगेट की सिक्योरिटी बढ़ा दी है।

बताया जा रहा है कि शुक्रवार को भी 40 लोगों की टीम छापेमारी कर रही है। हाईवे के किनारे स्थित आनंदा मिल्क प्लांट में गुरुवार की सुबह साढ़े पांच बजे के करीब आठ गाड़ियों से इनकम टैक्स विभाग की टीम पहुंची थी। टीम गाजियाबाद की बताई जा रही है। टीम ने सबसे पहले मेनगेट की सिक्योरिटी बढ़ाई तथा गार्ड के फोन जब्त किए। इसके बाद टीम प्लांट के अंदर दाखिल हुई। वहां काम कर रहे कर्मचारियों व अधिकारियों को फोन भी टीम ने जब्त किए तथा बाहर जाने पर रोक लगा दी। टीम ने प्लांट में रखा रिकार्ड चेक करना शुरू कर दिया। कंप्यूटर का डाटा भी चेक किया। प्लांट में रखी कई फाइलों को भी टीम ने जब्त किया है। शुक्रवार को भी टीम ने कंपनी के किसी भी अधिकारी व कर्मचारी को बाहर जाने नहीं दिया।

मुकदमे वापस नहीं लिए तो करूंगा आत्मदाह : दिग्विजय

संवाददाता, हसनपुर

अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन बीआर आंबेडकर के धरना-प्रदर्शन को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. दिग्विजय सिंह भाटी ने कहा कि अगर प्रशासन द्वारा उन पर लगाए फर्जी मुकदमे वापस नहीं लिए तो वह 2 फरवरी को जिला अधिकारी कार्यालय पर आत्मदाह करेंगे।

शुक्रवार को ग्राम करनपुर माफी स्थित तहसील कार्यालय के प्रांगण में भारतीय किसान यूनियन बीआर आंबेडकर के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. दिग्विजय सिंह भाटी के नेतृत्व में किसानों ने धरना-प्रदर्शन किया। धरना-प्रदर्शन को संबोधित करते हुए डॉ. दिग्विजय सिंह भाटी ने कहा कि 2 महीने के अंदर उन पर पुलिस ने चार फर्जी मुकदमे दर्ज किए हैं। अगर पुलिस प्रशासन द्वारा 31 जनवरी तक फर्जी मुकदमे वापस नहीं लिए गए तो वह 2 फरवरी को जिलाधिकारी कार्यालय पर आत्मदाह करेंगे। इसी के साथ उन्होंने खलिया खालसा, कोटा एवं बोना वाली डगरोली में मार्ग पर जलभराव की समस्या के चलते ग्रामीणों को हो रही परेशानी का हल करने की मांग की।

धरना-प्रदर्शन के अंत में डॉ. दिग्विजय सिंह भाटी ने उप जिलाधिकारी हिमांशु उपाध्याय को ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन की अध्यक्षता हरकेश सिंह ने तथा संचालन राजू चौहान ने किया। इस मौके पर देवेंद्र सैनी, डॉ. सुभाष राय, राहुल, मनोहर नागर, हरकेश, कमलेश, मनोज नागर, जफर राजा, सुरेश, विवेक चौहान, मयंक, रोहतास, प्रमोद, सोनू, मुकेश, महावीर, राजेंद्र रहे।

यौमे शहादत पर मजलिस और ताबूत बरामद

सैदनगली, अमृत विचार : नगर मे सातवें इमाम हजरत मूसा काजिम की यौमे शहादत के सिलसिले से मजलिस हुई व शबीहे ताबूत बरामद हुआ। अजाखाना नसीरुल हसन से इमाम काजिम का शबीहे ताबूत बरामद हुआ जो इमामबारगाह दादे हिमायत अली पुहंचा। सर्वप्रथम इमामबारगाह दादे हिमायत अली में मजलिस हुई, जिसमें मर्सियाख्वानी रियाजुल हसन व हमनवा ने की। मजलिस को खिताब करते हुए मौलाना कम्बर अली ने कहा कि 7वें इमाम का नाम मूसा है और मशहूर लकब काजिम है। इमाम ने सारी जिंदगी दुनिया को इंसानियत आपसी मेलजोल भाईचारे का पैगाम दिया। इमाम की शहादत का जिक्र सुनकर अजादार रोये। नोहे मुहम्मद हैदर और मिसाल अब्बास ने पढ़े।

प्रदूषण फैलाने वाली फैक्ट्रियों के खिलाफ धरना जारी

संवाददाता, गजरौला

अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन संयुक्त मोर्चा के पदाधिकारियों का शुक्रवार को भी प्रदूषण के खिलाफ धरना प्रदर्शन जारी रहा। इस दौरान किसान संगठनों ने प्रदूषण फैलाने वाली फैक्ट्रियों और राजनीतिक नेताओं की जवाबदेही तय करने की मांग की है। उनका आरोप है कि फैक्ट्री भूजल को दूषित कर ग्रामीणों की जल-जंगल-जमीन और स्वास्थ्य छीन रहे हैं। जबकि फैक्ट्री मालिक राजनीतिक दलों को दान देकर संरक्षण प्राप्त करते हैं।

इस दौरान किसानों ने कहा कि यहां बेरोजगारी बढ़ रही है। ग्रामीण इलाकों में भूजल मुख्य जल स्रोत है, लेकिन 90 प्रतिशत सतही जल प्रदूषित है। सरकार भी स्वीकार करती है कि देश में 78 प्रतिशत ग्रामीण और 59 प्रतिशत शहरी घरों तक स्वच्छ जल नहीं पहुंच रहा। हाल में ट्रांसपेरेंसी पोर्टल बंद करने से जनता के सवाल दबाने की आशंका जताई जा रही है। प्रदूषण के खिलाफ यह धरना इंदौर जैसी घटनाओं की याद दिलाता है, जहां दूषित पानी से मौतें हुईं। किसान संगठन चेतावनी दे रहे हैं कि जब तक जमीन के ऊपर की स्वच्छता जमीन के नीचे की सुरक्षा से नहीं जुड़ेगी, तब तक विकास अधूरा रहेगा। इस अवसर पर भाकियू संयुक्त नरेश चौधरी, अरुण सिद्धू, राम कृष्णा चौहान, अमरजीत देओल, अहसान अली, शाने आलम, अभिषेक भुल्लर, समीर चौधरी, आजम चौधरी, आसिफ चौधरी, इरशाद गुजर, हैदर चौधरी, राम सरण सिंह, ओम प्रकाश, रामप्रसाद, डालू सिंह, श्याम सिंह, रामचंद्र सिंह, मोहम्मद अली, ध्यान सिंह, विजय सिंह, नियामत चौधरी, विरासत वसीयत, होमपाल सिंह, रघुवीर सिंह रहे।

पालिका सभासद सुंदर का बीमारी से निधन

गजरौला, अमृत विचार : नगर पालिका गजरौला वार्ड 09 के सभासद सुंदर उर्फ गुडडू का बीमारी के चलते शुक्रवार सुबह आठ बजे निधन हो गया। वे 30 वर्ष के थे और पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे।

सुंदर उर्फ गुडडू नगर के मुहल्ला नई बस्ती वार्ड 09 के सभासद थे। पिछले कुछ दिनों से वे बीमार चल रहे थे, शुक्रवार की सुबह आठ बजे आवास पर ही उनका निधन हो गया। उनके निधन की सूचना मिलते ही उन्हें संवेदना देने वालों का तांता लग गया। नगर पालिका अध्यक्षा राजेन्द्री उर्फ उमा, पूर्व विधायक हरपाल सिंह, ईओ ललित कुमार आर्य, लेखाकार आदेश अग्रवाल, लिपिक ललित कुमार, इरशाद खां, अजय गोस्वामी, अक्षय शुक्ला, वंदना अग्रवाल सहित पालिका के सभासदों, राजनैतिक दलों से जुड़े नेताओं जाफर मलिक, रामरतन सिंह, ओमकार सिंह आदि ने परिजनों को ढाढस बंधाया।

मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने को जागरूक करें

मंडी धनौरा, अमृत विचार : शुक्रवार को एसडीएम कार्यालय में 18 जनवरी को होने वाले बूथ दिवस को लेकर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता उपजिलाधिकारी ने की। बैठक के दौरान निर्वाचन से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की।

उपजिलाधिकारी ने बताया कि 6 जनवरी से 6 फरवरी तक दावा-आपत्ति प्राप्त की जाएंगी। इस अवधि में मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने अथवा संशोधन से संबंधित आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। इसके साथ ही नो-मैपिंग मतदाताओं को लेकर विशेष चर्चा की गई। अधिकारियों ने बताया कि ऐसे मतदाताओं को नोटिस जारी किए जाएंगे, ताकि उनका सही मतदान केंद्र सुनिश्चित किया जा सके। राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपील की गई कि वे अपने-अपने दलों के कार्यकर्ताओं के माध्यम से आम जनता को जागरूक करें और अधिक से अधिक पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए प्रेरित करें।

दिनभर कोहरे की चादर से ढका रहा जिला

अमरोहा, अमृत विचार : शुक्रवार को तो मौसम के तेवर बेहद तल्ख रहे। पूरा दिन सूरज बादलों की ओट में दुबका रहा। न्यूनतम पारा 5 डिग्री सेल्सियस पर जा पहुंचा। अधिकतम तापमान भी 11 डिग्री तक रह गया।

शुक्रवार को सीजन का सबसे अधिक कोहरा रहा। कड़ाके की इस ठंड ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। राहत पाने के लिए हर कोई अलाव व हीटर के इर्द-गिर्द सिमटा दिखाई दिया। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, पारे में गिरावट का क्रम अभी जारी रहेगा। शुक्रवार को सुबह से ही दिन चढ़ने के साथ शीतलहर और कोहरे की चादर में जिला लिपटा रहा। ठंड के तीखे तेवरों ने पूरे दिन लोगों को घरों में कैद रहने को मजबूर कर दिया।

कार में तोड़फोड़ करने में युवक पर रिपोर्ट

संवाददाता, गजरौला

अमृत विचार : कार में तोड़फोड़ करने के मामले में युवक के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज हुई है। पुलिस पर युवक को झूठे मुकदमे फंसाने तथा उसके परिवार वालों के साथ मारपीट व गाली-गलौज करने का आरोप है।

शुक्रवार को युवक के परिवार वाले टैक्टर में घर का सामान भरकर पलायन के लिए थाने आकर हंगामा करने लगे। प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार ने मामले में जांच कर आगे की कार्रवाई करने का भरोसा दिलाया। जिसके बाद मामला शांत हुआ। बुधवार को सिहाली जागीर गांव निवासी सचिन कार लेकर किसी काम से गजरौला बस्ती आया था। उसकी कार से एक बाइक में साइड लग गई थी। आरोप है कि बाइक सवार युवक ने अपने साथियों को बुलाकर कार में तोड़फोड़ कर दी थी तथा सचिन को भी पीट दिया था। घटना वहीं पास में ही लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो पुलिस ने इस मामले में पांच लोगों को नामजद करते हुए 8 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी। गुरुवार रात पुलिस ने मुकदमे में नामजद आरोपी दीपक निवासी अहरौला तेजवन को पकड़ने के लिए दबिश देने उसके घर पहुंची। आरोप है कि पुलिस ने घर में तोड़फोड़ की तथा उसके परिवार वालों के साथ मारपीट की। शुक्रवार सुबह दीपक के परिवार वालों ने पुलिस पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए गांव से पलायन करने की चेतावनी दी। दीपक के बजरंग दल से जुड़ा होने की वजह से कार्यकर्ता थाने पहुंचे। वहीं दीपक के परिवार वाले घर का सारा सामान ट्रैक्टर-ट्राली में भरकर पशुओं के साथ थाने के सामने पहुंच गए। उन्होंने बजरंग दल के कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर हंगामा किया और दीपक को बेकसूर बताया। प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार ने बताया कि मामले में जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

युवा होते हैं देश की रीढ़ : अभिनव

संवाददाता, सैदनगली

पुरस्कार देते अभिनव कौशिक।

अमृत विचार : अखिल भारतीय विधार्थी परिषद द्वारा सैदनगली में राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में दौड़ प्रतियोगिता (1600 मी.) का आयोजन किया। जिसमें भाजपा जिला महामंत्री व नगर स्वच्छता प्रेरक अभिनव कौशिक व प्रांत सह मंत्री विकास शर्मा रहे।

कार्यक्रम के दौरान अभिनव कौशिक ने कहा कि युवा किसी भी देश की रीढ़ होते हैं। विकास शर्मा ने कहा किसी भी देश के निर्माण और विकास के लिए समाज में युवाओं की भूमिका आवश्यक है। कार्यक्रम में विजेता प्रतिभागी (सनी, अमन, प्रयास) को पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस दौरान आर्यन गुप्ता, रोहित नागर, हरित, अनुभव, प्रतीक, प्रशांत, सिद्धार्थ गोलू रहे।

किसानों की समस्याओं के समाधान को सौंपा ज्ञापन

हसनपुर, अमृत विचार : भारतीय किसान संघ के प्रांतीय उपाध्यक्ष चौधरी नरेंद्र सिंह के नेतृत्व में क्षेत्र की समस्याओं से संबंधित ज्ञापन उप जिलाधिकारी कार्यालय में सौंपा। शुक्रवार को ग्राम करनपुर माफी स्थित तहसील कार्यालय पर भारतीय किसान संघ के प्रांतीय उपाध्यक्ष चौधरी नरेंद्र सिंह के नेतृत्व में किसान एकत्र हुए और क्षेत्र की समस्याओं से संबंधित पांच सूत्रीय ज्ञापन एसडीम हसनपुर की अनुपस्थिति में उनके पेशकार राहुल वर्मा को सौंपा। ज्ञापन देने वालों में चौधरी नरेंद्र सिंह, चंद्र प्रकाश शर्मा, शिवकेश, गंगाराम, मांगेराम, उमेद चंद्र, धर्मपाल सिंह, रूप सिंह, लोकेश रहे।

पूर्वोत्तर रेलवे

(यह आवेदन पत्र नौकरी के लिये नहीं है)

अधिसूचना संख्या–सी/434/ एटीवीएम स्थापना/1/1/2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर द्वारा मण्डल के अन्तर्गत 17 रेलवे स्टेशनों के लिये 19 एटीवीएम फैसिलिटेटर की नियुक्ति हेतु कमीशन के आधार पर निम्नलिखित स्टेशनों पर एक–एक फैसिलिटेटर तथा टनकपुर एंव कासगंज रेलवे स्टेशन पर दो एटीवीएम फैसिलिटेटर का चयन दिनाँक 31.03.2026 तक किये जाने हेतु पात्र उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। अभी तक एटीवीएम फैसिलिटेटर का अवधि वर्धन रेलवे बोर्ड द्वारा किया जाता रहा है। यदि पुनःएक वर्ष हेतु अवधि वर्धन किया जाता है तो अवधि का विस्तार किया जायेगा।

क्र. सं.	ए.टी.वी.एम फैसिलिटेटर की नियुक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किये जाने वाले स्टेशन का नाम	ए.टी.वी.एम. फैसिलिटेटरों की संख्या	ए.टी.वी.एम. फैसिलिटेटर कार्य की अवधि
1	हल्द्वानी	01 फैसिलिटेटर	31.03.2026
2	रुद्रपुर सिटी	01 फैसिलिटेटर	31.03.2026
3	बाजपुर	01 फैसिलिटेटर	31.03.2026
4	रामनगर	01 फैसिलिटेटर	31.03.2026
5	किच्छा	01 फैसिलिटेटर	31.03.2026
6	टनकपुर	02 फैसिलिटेटर	31.03.2026
7	रोशनपुर	01 फैसिलिटेटर	31.03.2026
8	इज्जतनगर	01 फैसिलिटेटर	31.03.2026
9	बरेली सिटी	01 फैसिलिटेटर	31.03.2026
10	बदायूं	01 फैसिलिटेटर	31.03.2026
11	पीलीभीत	01 फैसिलिटेटर	31.03.2026
12	पुरनपुर	01 फैसिलिटेटर	31.03.2026
13	भोजीपुरा	01 फैसिलिटेटर	31.03.2026
14	कासगंज	02 फैसिलिटेटर	31.03.2026
15	सिकन्दरा राव	01 फैसिलिटेटर	31.03.2026
16	मथुरा छावनी	01 फैसिलिटेटर	31.03.2026
17	बर्राजपुर	01 फैसिलिटेटर	31.03.2026

आवेदन पत्र मूल्य जीएसटी सहित (रुपये में) Rs. 1,180/– सेवानिवृत्ति रेल कर्मचारी/कर्मचारी का व्यस्क पुत्र/कर्मचारी की पत्नी को छोड़कर केवल सामान्य नागरिकों के लिये आवेदन पत्र मूल्य देय है। **आवेदन प्रपत्र कार्यालय से प्राप्त करने की अन्तिम तिथि एवं समयः**– मंडल रेल प्रबन्धक / वाणिज्य / इज्जतनगर कार्यालय से कार्य दिवस में प्रकाशन तिथि से दिनांक 05.02.2026 तक समय 10.00 बजे तक 16.00 बजे तक।, **आवेदन प्रपत्र आवेदन बाक्स में डालने की तिथि एंव समयः**– दिनांक 05.02.2026 से दिनांक 06.02.2026 समय 15.00 बजे तक।, **आवेदन खुलने की तिथि एंव समयः**– दिनांक 06.02.2026 को 15.30 बजे। आवेदन डालने एवं खोले जाने की तिथि को किसी कारणवश यदि कार्यालय बन्द रहता है तो आवेदन उसके अगले कार्य दिवस में डाली /खोली जायेगी। आवेदन पत्र, अधिसचूना की पात्रता, नियम एंव शर्तों का पूर्ण विवरण पूर्वोत्तर रेलवे की वेबसाइट **www.ner.indianrailways.gov.in** पर देखा जा सकता है, एवं डाउनलोड किया जा सकता हैं या मंडल रेल प्रबन्धक / वाणिज्य, पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर कार्यालय से कार्य दिवस में प्राप्त किये जा सकते हैं। आवेदन पत्र के मूल्य रूपये Rs.1,180/– (One Thousand one hundred Eighty Rupees) के डिमाण्ड ड्राफ्ट जो राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी, पूर्वोत्तर रेलवे के पक्ष में जारी हो एवं बरेली में देय हो आवेदको को आवेदन पत्र के साथ संग्लन करने होगे। बिना आवेदन प्रपत्र शुल्क के आवेदन पत्र को वैद्य नही मानते हुए विचार नही किया जायेगा। विलम्ब से प्राप्त आवेदन पत्रों को न तो स्वीकार किया जायेगा न ही विचार किया जायेगा। किसी भी आवेदन या समस्त स्टेशन एटीवीएम फैसिलिटेटर की नियुक्ति की प्रक्रिया को किसी भी स्तर पर बिना कारण बताये रद्द एवं अस्वीकार करने का अधिकार रेल प्रशासन के पास सुरक्षित होगा। यह आवेदन रेलवे में नौकरी के लिये नहीं है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबन्धक, इज्जतनगर
मुजाधि/वाणिज्य–234

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

ग्राम पंचायत शहवाजपुरकलां विकास खण्ड असमोली, सम्भल

अल्पकालीन निविदा/कुटेशन सूचना

समस्त अधिकृत फर्मो, पंजीकृत विक्रेताओं को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत शहवाजपुरकलां वि.खं. असमोली, जनपद संभल में वित्तीय वर्ष 2025–26 हेतु पंचम राज्य वित्त VB-G-RAM-G एवं ICDS के अन्तर्गत आंगनवाड़ी केन्द्र का निर्माण कार्य एवं अन्त्येष्टि स्थलों का विकास योजना के अन्तर्गत अन्त्येष्टि स्थल कार्य कराये जाने हेतु प्राप्त धनराशि से निर्धारित मानक/गुणवत्ता के अनुसार उच्च कोटि की सामग्री निर्माण कार्य स्थल पर आपूर्ति करने हेतु मोहरबन्द सीलबन्द निविदायें/कुटेशन आमंत्रित की जाती है। इच्छुक फर्म/आपूर्तिकर्ता दिनांक 16.01.2026 से 23.01.2026 तक कार्यालय दिवस में समय 10 बजे से लेकर दोपहर 12 बजे तक अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय ग्राम पंचायत पर रखे बॉक्स में सीलबन्द निविदा/कुटेशन सहित जमा कर सकते है। जो कि दिनांक 23.01.2026 को दोपहर 03 बजे ग्राम पंचायत की कमेटी के समक्ष संबंधित ग्राम पंचायत के कलस्टर मुख्यालय पर खोली जायेगी। स्वीकृत निविदा/कुटेशन के अनुसार सामग्री की आपूर्ति उपलब्ध धनराशि के आधार ग्राम पंचायत के लिखित आदेश पर की जायेगी, आवश्यकतानुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत (प्रधान एवं सचिव) के लिखित आदेश पर की जायेगी। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत में स्वीकृति के उपरान्त ही किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता का जी.एस.टी. पंजीकरण सम्बन्धित विभाग में होना अनिवार्य है। प्रस्तुत दरें पी.डब्लू.डी. के रेट ऑफ शेड्यूल के अनुसार होगी। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत की जानी अनिवार्य है। सामग्री की गुणवत्ता निर्धारित मानक के अनुरूप नहीं पाये जाने की स्थिति में भुगतान की धनराशि में से नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत को होगा।

सामग्री

1. सीमेन्ट	प्रति बेग
2. फाइन सेन्ड	प्रति घन मी.
3. बजरफुट	प्रति घन मी.
4. रोड़ी 40 mm	प्रति घन मी.
5. बजरी 20 mm	प्रति घन मी.
6. सरिया	प्रति कुन्तल
7. ईट प्रथम	प्रति हजार
8. पुट्टी	प्रति किग्रा
9. एपेक्स पेन्ट	प्रति लीटर
10. सिन्थेटिक पेन्ट	प्रति लीटर
11. प्राइमर	प्रति लीटर
12. M-S हेवी आयरन	प्रति कुन्टल
13. सी.सी. टाईल 80mm	प्रति नग
14. 100mm PVC पाईप	प्रति मीटर
15. आन्तरिक विद्युतीकरण	–
16. सवमर्सिबल स्थापना	कम्पलीट
17. सैनीट्री कार्य	–
18. चाइना वाल टाईल	प्रति वर्ग मी.
19. दीमक रोधी ट्रीटमेंट	प्रति वर्ग मी.
20. बिट्रीफाईड टाईल	प्रति वर्ग मी.
21. प्रोवाईडिंग वॉल पुट्टी ऑन सरफेस	प्रति वर्ग मी.
22. डिस्टेम्परिंग टू कोट	प्रति वर्ग मी.
23. फिनिसिंग वॉल्स सरफैस विद एपेक्स	प्रति वर्ग मी.
24. पेन्टिंग टू कोट विद सिन्थेटिक पेन्ट	प्रति वर्ग मी.
25. LED बल्ब 21 वॉट	प्रति नग
26. सीलिंग फेन 1200mm die	प्रति जॉब
27. साइनबोर्ड	प्रति नग
28. सबमर्सिबल पम्प	प्रति नग
29. इण्डिया मार्का II हैण्डपम्प	प्रति नग
30. वाटर प्यूरिफायर RO	प्रति नग
31. वाटर स्टोरेज टैंक	प्रति लीटर
32. अन्य कार्य	–

सचिव ग्राम पंचायत शहवाजपुरकलां वि.खं. असमोली सम्भल | **प्रधान** ग्राम पंचायत शहवाजपुरकलां वि.खं. असमोली सम्भल

ग्राम पंचायत अखबन्दपुर काफुरपुर विकास खण्ड असमोली, सम्भल

अल्पकालीन निविदा/कुटेशन सूचना

समस्त अधिकृत फर्मो, पंजीकृत विक्रेताओं को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत अरबन्दपुर काफुरपुर वि.खं. असमोली, जनपद संभल में वित्तीय वर्ष 2025–26 हेतु पंचम राज्य वित्त VB-G-RAM-G एवं ICDS के अन्तर्गत आंगनवाड़ी केन्द्र का निर्माण कार्य एवं अन्त्येष्टि स्थलों का विकास योजना के अन्तर्गत अन्त्येष्टि स्थल का निर्माण कार्य कराये जाने हेतु प्राप्त धनराशि से निर्धारित मानक/गुणवत्ता के अनुसार उच्च कोटि की सामग्री निर्माण कार्य स्थल पर आपूर्ति करने हेतु मोहरबन्द सीलबन्द निविदायें/कुटेशन आमंत्रित की जाती है। इच्छुक फर्म/आपूर्तिकर्ता दिनांक 16.01.2026 से 23.01.2026 तक कार्यालय दिवस में समय 10 बजे से लेकर दोपहर 12 बजे तक अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय ग्राम पंचायत पर रखे बॉक्स में सीलबन्द निविदा/कुटेशन सहित जमा कर सकते है। जो कि दिनांक 23.01.2026 को दोपहर 03 बजे ग्राम पंचायत की कमेटी के समक्ष संबंधित ग्राम पंचायत के कलस्टर मुख्यालय पर खोली जायेगी। स्वीकृत निविदा/कुटेशन के अनुसार सामग्री की आपूर्ति उपलब्ध धनराशि के आधार ग्राम पंचायत के लिखित आदेश पर की जायेगी, आवश्यकतानुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत (प्रधान एवं सचिव) के लिखित आदेश पर की जायेगी। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत में स्वीकृति के उपरान्त ही किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता का जी.एस.टी. पंजीकरण सम्बन्धित विभाग में होना अनिवार्य है। प्रस्तुत दरें पी.डब्लू.डी. के रेट ऑफ शेड्यूल के अनुसार होगी। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत की जानी अनिवार्य है। सामग्री की गुणवत्ता निर्धारित मानक के अनुरूप नहीं पाये जाने की स्थिति में भुगतान की धनराशि में से नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत को होगा।

क्र.सं.	सामग्री का नाम	मात्रा	दर
1.	सीमेंट	प्रति बैग	
2.	बालू रेता/लोकल रेत	घन मी.	
3.	बजरफुट/बालू रेत	घन मी.	
4.	20 एम.एम. बजरी	घन मी.	
5.	40 एम.एम. बजरी	घन मी.	
6.	ईट प्रथम श्रेणी एम–150एम	प्रति हजार	
7.	ईट बालदार एम–275	प्रति हजार	
8.	सी.सी. इंटरलॉकिंग टाइल्स 80एम.एम. सफेद रंगीन	प्रति नग (एक)	
9.	आफिस फर्नीचर, कम्प्यूटर प्रिन्टर, इन्वर्टर, सी.सी. टी.वी. कैमरा, अलमारी, दरी, पंखा, डेस्क टॉप, सोलर पैनल, पर्दे आदि उपयुक्त होने वाली सामग्री	प्रति नग (एक)	
10.	दीवार टाईल्स	प्रतिवर्ग मीटर	
11.	फर्श टाईल्स	प्रतिवर्ग मीटर	
12.	सरिया/डोर माईल्डस	प्रति कुंतल	
13.	लोहे का जाल	प्रति कुंतल	
14.	मिट्टी दूरी सहित/कार्टेज मिट्टी	प्रति घन मीटर	
15.	लकड़ी के दरवाजे/कामर्शियल/टेम्बर/प्लाई	प्रति घन मीटर	
16.	वाल पेटिंग, डेम प्रफ वेदर मैक्स प्रूफ पेन्ट	प्रति वर्ग मीटर	
17.	दीवार पुट्टी/समोशन दो कोट	प्रति वर्ग मीटर	
18.	सोलर लाईट/नया/मरम्मत उपकरण	प्रति नग	
19.	सैनेट्री सामग्री	प्रति नग	
20.	बिजली उपकरण/विद्युत मोटर	प्रति नग	
21.	लोहे का फेन्सिंग तार	प्रति किग्रा.	
22.	आयरन एंगिल, टीनशेड	प्रति किग्रा.	
23.	फोगिंग मशीन/स्प्रे मशीन	प्रति नग	
24.	सी.सी. बेच लकड़ी की बैच	प्रति नग	
25.	डस्टबिन/कूड़ा गाड़ी/सफाई किट/ठेली/प्लास्टिक बैग आदि	प्रति नग	
26.	स्ट्रीट एल.ई.डी. लाईट/सोलर लाईट	प्रति नग	
27.	कीट नाशक/बिल्चिंग पाउडर/हाइपोक्लोराइड	प्रति घन मी.	
28.	फर्नीचर स्कूल बेच कम्पलीट/लैब सामग्री/ लाइब्रेरी सामग्री	प्रति नग	
29.	पेन्ट/डिस्टेम्पर/अप्रैक्स	प्रति लीटर	
30.	प्राईमर (लोहा लकड़ी)	प्रति लीटर	
31.	शौचालय शीट	प्रति नग	
32.	हैण्डपम्प रिबोर/नया मरम्मत उपकरण/प्लम्बिंग	प्रति नग/फीट	
33.	समरसेबिल पम्प नया/मरम्मत उपकरण	प्रति नग/फीट	
34.	आर.सी.सी. पिलर	नग/बैग	
35.	वाल पुट्टी	प्रति बैग	
36.	पी.बी.सी. पाईप	प्रति मीटर	
37.	वाटर स्टोरेज टैंक	प्रति नग 1000 ली.	
38.	स्टील गाटर डिस्पेंसर/आर.ओ. शुद्ध पानी हेतु	प्रति नग	
39.	रनिंग वाटर सप्लाई उपकरण	प्रति नग/फिट	
40.	लोहे का गेट/खिडकी	प्रति कुंतल	
41.	विद्युतीकरण	प्रति नग	
42.	गौ आश्रय स्थल संबंधित सामग्री	प्रति नग	
43.	MRP सम्बंधित सामग्री	प्रति नग	
44.	इंसीनेटर मशीन	प्रति नग	
45.	ओपनिंग जिम खेल मैदान/उपकरण	प्रति नग	

सचिव ग्राम पंचायत अखबन्दपुर काफुरपुर वि.खं. असमोली सम्भल | **प्रधान** ग्राम पंचायत अखबन्दपुर काफुरपुर वि.खं. असमोली सम्भल

अमृत विचार

मुरादाबाद, शनिवार, 17 जनवरी 2026

अखिल भारतीय प्रतिरोध दिवस पर किसान व मजदूरों ने किया प्रदर्शन

संभल, अमृत विचार: ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के आह्वान पर अखिल भारतीय प्रतिरोध दिवस के तहत संगठन से जुड़े किसानों और खेत मजदूरों ने तहसील कार्यालय पर प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन तहसीलदार को सौंपते हुए किसानों-मजदूरों की समस्याओं के समाधान की मांग की।

प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने कहा कि दिल्ली किसान आंदोलन की समाप्ति के समय सरकार द्वारा किसानों से किए वादे पूरे नहीं हुए हैं। मजदूरों को मिले श्रम अधिकारों को समाप्त कर चार श्रम संहिताएं लागू कर दी गई हैं। तहसीलदार धीरेंद्र कुमार सिंह को सौंपे गए राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन में मांग रखी गई कि दिल्ली किसान आंदोलन के दौरान किए गए वादे के अनुसार सभी फसलों की खरीद लागत से डेढ़ गुना दर सुनिश्चित की जाए। विद्युत विधेयक 2025 को वापस लेने के साथ ही विकसित भारत गारंटी ग्रामीण रोजगार एवं आजीविका मिशन अधिनियम 2025 को निरस्त किया जाए,बीज विधेयक 2025 वापस लिया जाए।

ठगी कर चावल से भरा ट्रक बेचने में दो भाई गिरफ्तार, 10.30 लाख बरामद

संभल पुलिस ने दो आरोपियों को दबोचा, 23 नवंबर को भेजा गया था ट्रक से चावल

कार्यालय संवाददाता, संभल/बहजोई

अमृत विचार : बहजोई थाना पुलिस ने व्यापारी से लाखों रुपये की ठगी कर चावल से भरा ट्रक बेचने के मामले में गिरोह का पर्दाफाश कर मेरठ के रहने वाले दो सगे भाईयों को गिरफ्तार किया है। इन दोनों ने मुजफ्फरनगर के रहने वाले अपने साथी के साथ मिलकर 888 बोरे चावल से लदे ट्रक को गंतव्य तक पहुंचाने के बजाय रास्ते में बेच दिया था।

घटना का खुलासा करते हुए अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी अनुकृति शर्मा ने बताया कि बहजोई निवासी व्यापारी लोकेश ने 23 नवंबर 2025 को अपनी फर्म श्याम ऑयल एंड राइस मिल से 888 कट्टे चावल ट्रक में लदवाकर कुरुक्षेत्र हरियाणा भेजे थे। कई दिन बाद तक भी ट्रक हरियाणा के व्यापारी के पास नहीं पहुंचा तो लोकेश को संदेह हुआ। चालक और मालिक से संपर्क करने का प्रयास किया तो दोनों के मोबाइल बंद मिले। इसके बाद व्यापारी लोकेश ने बहजोई थाने पर मुकदमा दर्ज कराया। जांच के दौरान पुलिस और एसओजी टीम ने सीसीटीवी फुटेज, टोल प्लाजा रिकॉर्ड और सर्विलांस की मदद से आरोपियों का सुराग लगाया। इसके बाद 15 जनवरी को देर रात करीब साढ़े बारह बजे बहजोई पुलिस व एसओजी टीम ने मेरठ जनपद के थाना सरधना क्षेत्र के गांव हर्रा से सगे भाईयों रिहान और कालिम पुत्र बाबर को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में रिहान व उसके भाई कालिम ने बताया कि उन्होंने आर्थिक तंगी और ट्रक की किस्त चुकाने के लिए साथी कालिंदर निवासी मुजफ्फरनगर के साथ मिलकर चावल को रास्ते में ही बेचकर पैसा जुटाने की योजना बनाई थी। इसी के तहत चावल को गंतव्य पर ले जाने के बजाय ट्रक को रास्ते में छिपा दिया और यमुनानगर में चावल बेच दिया। बिक्री से मिले 10 लाख 30 हजार आपस में बांट लिए। पुलिस ने 10 लाख 30 हजार रुपये की रकम बरामद करने के साथ ही आरोपियों की निशानदेही पर ट्रक का ट्रॉला शामली जनपद के बनत कस्बे से बरामद कर लिया। तीसरे आरोपी कालिदर की तलाश की जा रही है।

बहजोई में पुलिस गिरफ्त में आरोपी व जानकारी देतीं एएसपी अनुकृति शर्मा।

ट्रक की किश्त व बहन की शादी के लिए की धोखाधड़ी

संभल, अमृत विचार : रिहान व कालिम का कहना है कि उन्हें लगा था कि वह पुलिस की पकड़ में नहीं आएंगे। इस बीच संभल पुलिस ने गिरफ्तार कर सख्ती से पूछताछ की तो उन्होंने न सिर्फ अपना अपराध कबूल कर लिया बल्कि ट्राला व चावल बिक्री की 10 लाख 30 हजार रुपये की रकम भी पुलिस को बरामद करा दी। पूछताछ में दोनों भाईयों ने बताया कि ट्रक की किस्तें बकाया थीं तथा बहन की शादी के खर्च के कारण उन्हें पैसे की आवश्यकता थी।

निजी विद्यालय एनसीईआरटी की पुस्तकें लागू करें

संभल, अमृत विचार : कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश स्ववित्तपोषित स्वतंत्र विद्यालय शुल्क विनियमन अधिनियम के अंतर्गत शुल्क वृद्धि तथा कक्षा आठ तक के निजी विद्यालयों में यूनिफॉर्म और एनसीईआरटी की पुस्तकें लागू किए जाने पर समीक्षा बैठक की गई।

बैठक के दौरान डीआईओएस श्यामा कुमार ने एजेंडे से जुड़े विभिन्न बिंदुओं की जानकारी मुख्य विकास अधिकारी को दी। मुख्य विकास अधिकारी ने स्पष्ट किया कि सभी निजी विद्यालयों में एनसीईआरटी की पुस्तकें संचालित रहेंगी। जिन विद्यालयों की वार्षिक फीस 20 हजार रुपये से अधिक है, वहां शुल्क वृद्धि, यूनिफॉर्म परिवर्तन अथवा अन्य किसी प्रकार के अतिरिक्त शुल्क के लिए जिला शुल्क नियामक समिति से पूर्व अनुमोदन लेना अनिवार्य होगा। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि विद्यालयों में अवकाश बेसिक शिक्षा परिषद के नियमों एवं जिलाधिकारी की अनुमति के अनुसार ही लागू किए जाएं। सीडीओ ने कहा कि शिक्षा मातृभाषा में ही दी जा सकती है।

रात को चारपाई पर सोया ग्रामीण सुबह मृत मिला

कार्यालय संवाददाता, संभल/बहजोई

- संदिग्ध मौत की सूचना पर पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेजा

अमृत विचार: बहजोई थाना क्षेत्र के सीकरी भगवंतपुर गांव में काम से वापस लौटने के बाद रात को सोया ग्रामीण सुबह चारपाई पर मृत पड़ा मिला। संदिग्ध हालत में ग्रामीण की मौत की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

सीकरी भगवंतपुर गांव में कुंवरपाल (42) पुत्र करन सिंह गांव में अकेले रहता था। उनके साथ भाई हिरदेश की दो बेटियां रहती थीं। कुंवरपाल की पत्नी करीब 10 साल पहले उन्हें छोड़कर चली गई थी, जबकि हिरदेश की पत्नी की पांच साल पहले मौत हो चुकी है।

परिवार के अन्य दो भाई हिरदेश और हृदय दिल्ली में नौकरी करते हैं। कुंवरपाल गुरुवार शाम को काम से वापस लौटकर चारपाई पर लेट गया था। घर में मौजूद कुंवरपाल की भतीजियों का कहना है कि चारपाई पर लेटने के बाद चाचा को खाना खाने के लिए जगाया तो वह नहीं जागे।

उन्हें लगा कि वह गहरी नींद में सोये हुए हैं। सुबह को भी वह नहीं उठे तो आसपास के लोगों को जानकारी दी गई, तब उनकी मौत का पता चला। गुरुवार दोपहर करीब एक बजे पुलिस गांव पहुंची और छानबीन शुरू की। जांच के दौरान मृतक के मुंह और नाक से खून निकलने के निशान पाए गए। इसे देखते हुए पुलिस ने संदिग्ध परिस्थितियों में मौत की आशंका जताई। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी संत कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से साफ होगा कि मौत की वजह क्या है। उसी के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगी।

सर्दी ने तोड़े रिकॉर्ड, पारा 5 डिग्री से नीचे

कार्यालय संवाददाता,संभल

अमृत विचार: शुक्रवार को जनपद संभल में सर्दी ने इस सीजन के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए। रात के समय न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से भी नीचे चला गया, जिससे आम जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया। दिन में लोग सर्दी से कंपकंपाते नजर आए। सुबह से शाम तक घना कोहरा छाया रहा और दिनभर एक मिनट के लिए भी सूरज नहीं निकला।

कोहरे और कड़ाके की ठंड के चलते बाजारों में सन्नाटा पसरा रहा। सामान्य दिनों में गुलजार रहने वाले बाजारों में दुकानदार ग्राहकों के इंतजार में बैठे रहे, जबकि सड़कों पर वाहनों की आवाजाही बेहद कम रही। जो वाहन चले भी, उनकी रफ्तार काफी धीमी नजर आई। दृश्यता कम होने के कारण वाहन चालक बेहद सतर्क होकर सफर करते दिखाई दिए। बिगड़े मौसम का असर रोडवेज बस अड्डे पर भी साफ दिखाई दिया। जहां आमतौर पर यात्रियों की भीड़ रहती है, वहां शुक्रवार को सन्नाटा पसरा रहा और इक्का-दुक्का यात्री ही नजर आए। रोडवेज प्रबंधन का कहना है कि अत्यधिक सर्दी और कोहरे के कारण यात्रियों की संख्या में भारी गिरावट आई है, जिससे रोडवेज की आय भी प्रभावित हो रही है। कड़ाके की सर्दी को देखते हुए जिलाधिकारी द्वारा पहले ही स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया गया था। इसके चलते बच्चे घरों में सुरक्षित रहे और अभिभावकों ने भी राहत की सांस ली। हालांकि, मजदूर, ठेले-खोमचे वाले और दिहाड़ी मजदूरों के लिए यह सर्दी भारी परेशानी लेकर आई। सुबह और शाम के समय सड़कों पर अलाव के सहारे लोग ठंड से बचने की कोशिश करते नजर आए। मौसम विभाग के अनुसार, फिलहाल ठंड से राहत के आसार कम हैं। आने वाले दिनों में भी घना कोहरा और शीतलहर जारी रहने की संभावना जताई गई है।

संभल में शुक्रवार देर रात घने कोहरे के बीच रेंगते वाहन। ● अमृत विचार

- दुकानों पर ग्राहकों का इंतजार करते रहे दुकानदार

दंपति के साथ मारपीट के मामले में रिपोर्ट दर्ज

असमोली, अमृत विचार: असमोली थाना क्षेत्र के ग्राम शाहपुर सोत में एक दिन पहले हुए विवाद को लेकर दंपती के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित मोहन ने थाना असमोली में मुकदमा दर्ज कराया है।

मोहन का कहना है कि गुरुवार शाम करीब सात बजे वह अपने घर के गेट पर खड़ा था। तभी गांव के ही अंकुश व योगेश , मुनेश, नेपाल वहां पहुंचे और एक दिन पहले हुई कहासुनी को लेकर गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने मोहन के साथ लात-घूंसे और डंडों से मारपीट की। बीच-बचाव में आई उसकी पत्नी सुम्मेरी के साथ भी मारपीट की गई। आरोप है कि हमलावरों ने दंपती को जान से मारने की धमकी दी और मौके से फरार हो गए। पीड़ित ने घटना की सूचना पुलिस को देते हुए तहरीर सौंपी । पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है ।

सिरसी में सरकारी भूमि से हटाया कब्जा, दो बैंक सहित कई भवनों पर भी होगी कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, संभल/सिरसी

अमृत विचार : सिरसी में मुख्य मार्ग के किनारे सरकारी भूमि पर किए अवैध कब्जे को लेकर राजस्व प्रशासन की टीम ने सख्ती के साथ हटवाने का काम किया। राजस्व टीम ने पैमाइश कराते हुए 360 वर्ग मीटर सरकारी भूमि को कब्जा मुक्त करा दिया, जबकि आसपास की अन्य भूमि और निर्माण की भी जांच की गई। दो बैंक भवन सहित कई दुकानें सरकारी कार्रवाई की जद में हैं।

शुक्रवार शाम करीब चार बजे नायब तहसीलदार बबलू कुमार के नेतृत्व में लेखपाल और कानूनगो की टीम बुलडोजर के साथ थाना हजरतनगर गढ़ी क्षेत्र अंतर्गत नगर पंचायत सिरसी कस्बा पहुंची। यहां गाटा 2076 की 360 वर्गमीटर बंजर भूमि पर लकड़ी और शटरिंग का सामान डालकर लंबे समय से अवैध कब्जा किया था। राजस्व टीम ने मौके पर पैमाइश कराने के बाद बुलडोजर की मदद से अवैध कब्जा हटवाया। कब्जा मुक्त कराई गई भूमि पर सीमेंट के पोल लगाकर तारकसी कर दी गई। इसके साथ ही हिदायत दी गई कि फिर से कब्जा करने का प्रयास किया तो कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। राजस्व टीम ने इसी गाटा संख्या की 1140 वर्गमीटर भूमि पर बनी मार्केट की भी पैमाइश की। इसी जमीन पर बने भवन में उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक और जिला सहकारी बैंक की शाखाएं भी संचालित हैं। इसके अलावा सिरसी-बराही रोड पर भी फीता डालकर पैमाइश की गई, ताकि सरकारी भूमि की स्थिति स्पष्ट की जा सके। लेखपाल पुष्पेंद्र कुमार ने बताया कि 360 वर्गमीटर सरकारी भूमि से अवैध कब्जा हटाने के बाद आसपास की अन्य सरकारी भूमि की पैमाइश की गई है। संबंधित लोगों को नोटिस जारी कर कागजात मांगे जाएंगे और सरकारी अभिलेखों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नायब तहसीलदार बबलू कुमार ने बताया कि बंजर की सरकारी भूमि पर लंबे समय से अवैध कब्जा किया गया था, जिसे हटवा दिया गया है। आसपास की आबादी नंबर की भूमि की भी पैमाइश कर ली गई है। जांच रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को सौंपते हुए अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

सिरसी में सरकारी जमीन से कब्जा हटवाने की कार्रवाई करती राजस्व टीम।

कोहरे में पिकअप व कैंटर की भिड़ंत में तीन लोग घायल

कार्यालय संवाददाता, संभल/चंदौसी

अमृत विचार : आगरा-मुरादाबाद हाईवे पर बनियाठेर थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह घने कोहरे के चलते दो सड़क हादसे हो गए। पहले हादसे में फूलगोभी से भरी पिकअप और आयशर कैंटर की आमने-सामने भिड़ंत में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं दूसरे हादसे में पिकअप को वाहन ने टक्कर मार दी।

पहला हादसा सुबह करीब 8:30 बजे तहसील चंदौसी के थाना बनियाठेर क्षेत्र अंतर्गत बनियाखेड़ा (मानकपुर) चौराहे के पास हुआ। पंजाब से फूलगोभी लेकर चंदौसी मंडी समिति आ रही महिंद्रा पिकअप और मुरादाबाद की ओर से चंदौसी जा रहा आयशर कैंटर आमने-सामने से टकरा गए। तेज धमाके की आवाज सुनकर हाईवे से गुजर रहे राहगीर रुक गए। हादसे की सूचना पर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। दुर्घटना में पिकअप चालक नेकपाल पुत्र शिशुपाल निवासी विजवा नगला, थाना गुन्नौर, जनपद संभल, आयशर चालक निर्मल पुत्र मोहन निवासी स्योहारा जनपद बिजनौर तथा अजय पाल पुत्र राजेंद्र निवासी धनारी जनपद संभल घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चंदौसी में भर्ती कराया।

दूसरा सड़क हादसा गांव भुलावई के पास हुआ, जहां चंदौसी से जा रही एक पिकअप को तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इस हादसे में पिकअप के सहायक को मामूली चोटें आईं। थाना प्रभारी मनोज कुमार वर्मा ने बताया कि घना कोहरा हादसों की मुख्य वजह रहा।

समस्याओं के समाधान के लिए दी चेतावनी

कार्यालय संवाददाता, संभल

- भाकियू असली की बैठक में बनाई आंदोलन की रणनीति
- 19 को एसओसी कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन की घोषणा

अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन असली की बैठक में किसानों की समस्याओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में जल जीवन मिशन, बैंकिंग शोषण, बिजली विभाग का उत्पीड़न, गन्ना व आलू किसानों की समस्याओं सहित कई अहम विषय उठाए गए।

फतेहपुर भाव मंदिर पर बैठक में युवा जिला अध्यक्ष चौधरी अर्जुन सिंह धारीवाल ने कहा कि भारत सरकार द्वारा वर्ष 2019 में शुरू की गई जल जीवन मिशन योजना को लेकर पंचायत स्तर पर गंभीर अनियमितताएं सामने आ रही हैं। गांवों में एक से दो वर्ष बीत जाने के बाद भी सड़कें टूटी पड़ी हैं और अधिकांश घरों तक पेयजल नहीं पहुंच पाया है। पश्चिम उत्तर प्रदेश प्रभारी चौधरी संजीव गांधी ने कहा कि बैंकों द्वारा किसानों का शोषण लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि यूपी ग्रामीण बैंक में किसान क्रेडिट कार्ड के नाम पर रिजर्व बैंक के नियमों के विपरीत अनावश्यक और मनमाने चार्ज वसूले जा रहे हैं। इसे लेकर सभी किसान भाइयों को बड़े आंदोलन के लिए तैयार रहना होगा। साथ ही उन्होंने गन्ना चीनी मिल से 15 किलोमीटर की दूरी तक कोल्हू और क्रेशर न लगने के नियम का पालन कराने के लिए किसानों को एकजुट होने का आह्वान किया। चौधरी निकसम सिंह ने बिजली विभाग द्वारा किसानों के उत्पीड़न और आलू किसानों को उचित दाम न मिलने को सरकार की विफलता बताया। उन्होंने सरकार से मांग की कि आलू की भी न्यूनतम समर्थन मूल्य जल्द घोषित की जाए। तय हुआ कि 19 जनवरी को एसओसी कार्यालय संभल तहसील पर धरना दिया जाएगा, जबकि 31 जनवरी को धनारी में चल रहे धरने पर राष्ट्रीय पंचायत आयोजित की जाएगी।

वहीं, अगली बैठक 29 जनवरी को ग्राम अलिया नेकपुर में चौधरी निकसम सिंह के आवास पर होगी। बैठक की अध्यक्षता चंद्र प्रकाश शर्मा ने की और संचालन मोनू चौधरी ने किया। बैठक में मुख्य रूप से अरुण सिंह, मोहित सिंह, निमित सिंह, दिनेश चौधरी, राजीव सिंह, गुड्डू सिंह, सरदार मुकेश सिंह, गौरव सिंह, नरदेव, भगत जी, हाजी महबूब, बोदेश सिंह, विजेंद्र सैनी, प्रेमपाल सैनी, सोनू सिंह, विजय सिंह, युद्धवीर प्रधान, विनय सैनी सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

एसआईआर संबंधी कार्यों की समीक्षा की

कार्यालय संवाददाता, संभल/बहजोई

अमृत विचार : भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जनपद संभल के लिए नियुक्त किए विशेष रोल प्रेक्षक निखिल गजराज संयुक्त सचिव स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने अधिकारियों के साथ विधानसभा निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण संबंधी कार्यों की समीक्षा बैठक की।

कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक के दौरान विशेष रोल प्रेक्षक निखिल गजराज ने कहा कि वर्ष 2003 के बाद पहली बार विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण किया जा रहा है। उन्होंने एसआईआर प्रक्रिया के तहत प्राप्त दावे एवं आपत्तियों को लेकर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से सुझाव प्राप्त किए। बैठक में बूथ लेवल एजेंट की सक्रियता, विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रवार मतदेय स्थलों एवं मतदान केंद्रों के विवरण पर भी विस्तार से चर्चा की। विशेष रोल प्रेक्षक ने फॉर्म 6 के संबंध में जानकारी ली, जिस पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व प्रदीप वर्मा ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपील करते हुए कहा कि वह बीएलए के माध्यम से फॉर्म 6 भरकर उपलब्ध कराएं। विशेष रोल प्रेक्षक ने अपर जिलाधिकारी को निर्देशित किया कि बीएलओ के प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाए। जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया ने कहा कि विशेष रोल प्रेक्षक द्वारा दिए गए सभी निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

बैठक में उप जिलाधिकारी चंदौसी आशुतोष तिवारी, उप जिलाधिकारी गुन्नौर अवधेश कुमार, डिप्टी कलेक्टर निधि पटेल सहित समस्त खंड विकास अधिकारी व तहसीलदार मौजूद रहे। इसके अलावा भाजपा जिलाध्यक्ष हरेंद्र सिंह रिंकू, सपा जिलाध्यक्ष असगर अली अंसारी, कांग्रेस जिलाध्यक्ष मोहम्मद आरिफ, आम आदमी पार्टी जिलाध्यक्ष सचिन कुमार, सौरभ गुप्ता सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बहजोई में दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करते विशेष रोल प्रेक्षक निखिल गजराज।

- विशेष प्रेक्षक ने राजनीतिक दलों से लिए सुझाव

संस्कृति उत्सव में लोक कला लोक नृत्य की बिखरी छटा

कार्यालय संवाददाता,संभल/बहजोई

- जिला स्तरीय लोक नृत्य में खुशी एवं नंदिनी रहीं अव्वल

अमृत विचार : बहजोई के हीरा देवी तोताराम कन्या इंटर कॉलेज में उत्तर प्रदेश पर्व हमारी संस्कृति हमारी पहचान कार्यक्रम के अंतर्गत जिला स्तरीय संस्कृति उत्सव कार्यक्रम में लोक कला एवं लोक नृत्य की छटा बिखरी नजर आई।

जनपद स्तर पर स्थानीय संस्कृति, लोक कला, लोकगीत और लोक नृत्य से संबंधित विभिन्न प्रतियोगिताओं में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। लोक नृत्य प्रतियोगिता में खुशी एवं नंदिनी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि मिष्टी ग्रुप को द्वितीय स्थान मिला। एकल नृत्य प्रतियोगिता में नंदिनी कुशवाहा ने प्रथम, आयुषी ने द्वितीय तथा अर्पित ठाकुर ने तृतीय स्थान हासिल किया। लोक वादन प्रतियोगिता में उमेश कुमार (काशीपुर), हिमांशी एवं जयश्री ने प्रतिभाग किया। वहीं लोक गायन प्रतियोगिता में शिवानी दीक्षित, नैंसी और मोहिनी शर्मा ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। समूह गायन प्रतियोगिता में सरस्वती कन्या जूनियर विद्यालय ने प्रथम, हीरा देवी तोताराम कन्या इंटर कॉलेज बहजोई ने द्वितीय तथा बाबूराम सिंह इंटर कॉलेज बबराला ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, पूर्व दर्जा प्राप्त मंत्री मंजू दिलेर, जिला विद्यालय निरीक्षक रहे। विद्यालय की प्रधानाचार्य आशा देवी चौहान ने अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत एवं सम्मान किया। प्रतियोगिताओं में निर्णायक की भूमिका सुधा राय, नूतन चौधरी एवं ममता रानी ने निभाई। छात्राओं की प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया।

न्यूज डायरी

डीएम ने शहरी बेघरों के आश्रय गृह का किया निरीक्षण

संभल, अमृत विचार : हाड कंपा देने वाली सर्दी और घने कोहरे के बीच जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया सर्दी के बचाव के लिए बेसहारों लोगों के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए निकले। उन्होंने नगर पालिका परिषद संभल क्षेत्र में राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के अंतर्गत 51 शहरी बेघरों के लिए संचालित आश्रय गृह, तिकोनिया पार्क संभल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शीतलहर को देखते हुए अलाव सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने आश्रय गृह में पुरुष एवं महिलाओं के लिए की गई अलग-अलग ठहरने की व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरे, साफ-सफाई तथा वहां आने वाले लोगों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी डॉ. मणि भूषण तिवारी को निर्देश दिए कि आश्रय गृह का सोशल मीडिया, अन्य प्रचार माध्यमों एवं साइन एज के जरिए व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद लोग ठंड और शीतलहर के दौरान यहां ठहर सकें। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने आश्रय गृह की व्यवस्थाओं की सराहना भी की। इसके उपरांत जिलाधिकारी ने दुर्गा कॉलोनी के पास स्थित उस भूमि का निरीक्षण किया जिसे पिछले दिनों प्रशासन ने कब्जामुक्त कराया था। भूमि के उपयोग व उसकी सुरक्षा को लेकर राजस्व टीम को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर तहसीलदार संभल धीरेंद्र सिंह, नगर पालिका परिषद संभल के अधिशासी अधिकारी डॉ. मणि भूषण तिवारी सहित कई अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

बालिकाओं व महिलाओं को किया गया जागरूक

संभल, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सशक्तिकरण और स्वावलंबन के उद्देश्य से चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 के तहत जनपद संभल में मिशन शक्ति टीम में नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों द्वारा कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान बालिकाओं को जागरूक करने के साथ-साथ महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण को लेकर चौपाल का आयोजन किया गया। महिला पुलिसकर्मियों ने महिलाओं और बालिकाओं से सीधा संवाद स्थापित कर उन्हें उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों और उपलब्ध सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को सशक्त बनाते हुए उन्हें सुरक्षित वातावरण प्रदान करना रहा। महिला पुलिसकर्मियों ने प्रमुख बाजारों, कस्बों, चौराहों, स्कूलों, कॉलेजों, धार्मिक स्थलों एवं अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर भ्रमण कर महिलाओं को जागरूक किया। इस दौरान शासन एवं पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा, सशक्तिकरण और स्वावलंबन के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी पंपलेट के माध्यम से दी गई। इनमें वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, इमरजेंसी कॉल व मोबाइल पैनिक बटन का डेमो, सीएम हेल्पलाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्पलाइन 102, एम्बुलेंस सेवा 108, महिला हेल्पलाइन 181 तथा साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 शामिल हैं।

हज यात्रा के दौरान हाजियों को खुद करना होगा खाने का इंतजाम

संभल, अमृत विचार : इस बार हज यात्रा में मक्का शरीफ की जिस अजीजिया बिल्डिंग्स में भारतीय हाजियों को ठहराया जाता है वहां खाना पकाने की अनुमति नहीं होगी। किसी भी होटल में किचन की सुविधा नहीं दी जाएगी और हज कमेटी की ओर से कैटरिंग की व्यवस्था भी नहीं होगी। हाजियों को होटल से ही भोजन खरीदकर करना होगा। जिला हज ट्रेनर तकी अशरफ ने बताया कि सुरक्षा कारणों के चलते यह निर्णय लिया गया है। हालांकि इससे हाजियों को कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। हज कमेटी ऑफ इंडिया द्वारा मुंबई स्थित हज हाउस में दो दिवसीय हज प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में बताए गए हज यात्रा के कई अहम बदलावों के बारे में बताते हुए हज ट्रेनर उम्मे हबीबा ने बताया कि इस बार पुरुष और महिलाएं एक कमरे में नहीं ठहरेंगे। पहले साथ जाने वाली महिलाएं एक कमरे में रुकती थीं, लेकिन अब सभी को अलग-अलग कमरे दिए जाएंगे। हज ट्रेनर हाजी मुहम्मद नदीम ने जानकारी दी कि इस बार मीना में टेंटों में प्रत्येक हाजी को सोफा-कम-बैड दिया जाएगा, जिस पर हाजी का नाम, फोटो और अन्य विवरण अंकित होगा। हज कमेटी ऑफ इंडिया की ओर से इस बार हर हाजी को स्मार्ट वॉच दी जाएगी, जो हज सुविधा एप से कनेक्ट रहेगी। इस एप में हाजी की पूरी जानकारी, मैप, जियारत और एसओएस जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। हज प्रशिक्षक अब्दुल खालिक ने बताया कि संभल जिले से इस बार 438 लोगों ने हज के लिए आवेदन किया था, जिन सभी का चयन हो गया है। नए नियमों और बदलावों को लेकर सभी हाजियों को समय रहते जागरूक किया जाएगा।

इंडिया फूड एक्सपो युवाओं को दिखाएगा रोजगार की नई दिशा : केशव मौर्य

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- तीन दिवसीय फूड एक्सपो-2026 की शुरुआत
- कहा- यूपी को बनाएंगे खाद्य प्रसंस्करण उत्पादों का हब

अमृत विचार : इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) की ओर से शुक्रवार को गोमतीनगर स्थित रिगेलिया ग्रीन्स में तीन दिवसीय इंडिया फूड एक्सपो-2026 शुरू हुआ। एक्सपो का उद्घाटन करते हुए उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि युवाओं को यह एक्सपो रोजगार की नई दिशा दिखाएगा। युवाओं को आश्वस्त करते हुए उन्होंने कहा कि छोटे उद्योग की तरफ कोई युवा एक कदम बढ़ाएगा तो सरकार चार कदम बढ़कर उसकी मदद करेगी।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि समझने की बात यह है कि दुनिया का बाजार हमारी प्रतीक्षा कर रहा है। फूड इंडस्ट्री नहीं होगी तो किसान की बहुत सी पैदावार खेत में ही बर्बाद हो जायेगी। युवा इंडस्ट्री लगाएगा तो वह किसान को बता सकता है कि वह क्या पैदा करे। देश की 70 प्रतिशत आबादी गांव में रहती है। इस आबादी को काम मिलेगा तो देश अपने आप समृद्धि की ओर बढ़ जाएगा। केशव मौर्या ने कहा कि खाद्य प्रसंस्करण के उत्पादों का हम उत्तर प्रदेश में देश का हब बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के युवाओं के पीछे डबल इंजन की सरकार है। युवाओं को चाहिए कि वह अपनी इंडस्ट्री लगाएं। बैंक लोन देगा, सरकार सब्सिडी देगी, किसान उपज देगा और बाजार तो पहले से इंतजार कर रहा है। उन्होंने कहा कि युवा अपनी इंडस्ट्री में सिर्फ गुणवत्ता पर ध्यान दे दें तो छोटा ब्रांड कब बड़ा बन जाएगा इसका उसे अंदाजा भी नहीं होगा।

लखनऊ : इंडिया फूड एक्सपो के मंच पर डायरेक्टरी का विमोचन करते उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, विधायक नीरज बोरा, आईआईए अध्यक्ष दिनेश गोयल व अन्य। अमृत विचार

उन्होंने बताया कि प्रदेश में दूध और इससे बने उत्पाद बड़ी तेजी से अपनी जगह बना रहे हैं। केशव मौर्या ने कहा कि खानपान की तरफ तो पूरी दुनिया की निगाहें हैं। लखनऊ के खानपान को यूनेस्को ने अपनी सूची में शामिल किया है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में सरकार 3 करोड़ महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों में जोड़ने का काम करेगी।

प्रमुख सचिव खाद्य प्रसंस्करण बीएल मीना ने कहा कि सब्जी, आलू और दूध उत्पादन में 2016 में हम दुनिया में 14वें स्थान पर थे, अब दूसरे नंबर पर हैं। उन्होंने कहा कि उद्योग के क्षेत्र में सरकार लगातार मदद कर रही है। विदेशों से मशीन मंगाने पर भी सरकार सब्सिडी दे रही है। सरकार तरह-तरह के प्लांट लगाने में मदद दे रही है। फूड प्रोसेसिंग स्कीम में भी सरकारी सहायता आसानी से मिल जाती है।

आईआईए के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश गोयल ने बताया कि यह फूड एक्सपो का 10वां संस्करण है। हमने हर जिले में एक हजार उद्यमी जोड़ने का फैसला किया है। जीएसटी काउन्सिल ने फूड प्रोसेसिंग में टैक्स कम किया है।

आईआईए के चेयरमैन चेतन देव भल्ला के संचालन में हुए आयोजन में कृषि उत्पादन आयुक्त दीपक कुमार, विधायक डॉ. नीरज बोरा, आईआईए के सीनियर वाइस प्रेसीडेंट आलोक अग्रवाल भी मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

गौतमबुद्धनगर के जिला आबकारी अधिकारी निलंबित

अमृत विचार, लखनऊ : मदिरा दुकानों पर ओवररेटिंग के मामलों में आबकारी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल के निर्देश पर गौतमबुद्धनगर के जिला आबकारी अधिकारी सुबोध कुमार को निलंबित कर उनके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई के आदेश जारी किए गए हैं। मदिरा दुकानों पर तय दर से अधिक मूल्य वसूले जाने की लगातार मिल रही शिकायतों को शासन द्वारा गंभीरता से लेते हुए यह कार्रवाई की गई। जांच रिपोर्ट के अनुसार, 23 दिसंबर 2024 को जिले की 9 मदिरा दुकानों तथा 20 जनवरी 2025 को 16 दुकानों पर ओवररेटिंग की पुष्टि हुई। रिपोर्ट में प्रशासनिक स्तर पर गंभीर लापरवाही सामने आई, जिसके बाद आबकारी मंत्री ने त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए।

मतदाता सूची पर चार दिवसों में होगी सुनवाई

अमृत विचार, लखनऊ : विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) अंतर्गत मतदाता सूची को शुद्ध, अद्यतन और त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से जनमानस की हर शिकायत का समाधान किया जाएगा। इसके लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के तहत चार विशेष अभियान तिथियां निर्धारित की गई हैं। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि दावे एवं आपत्तियां दर्ज कराने की अवधि 6 जनवरी से 6 फरवरी 2026 तक निर्धारित है। इस दौरान मतदाताओं की सुविधा के लिए 18 जनवरी (रविवार), 31 जनवरी (शनिवार) एवं 1 फरवरी (रविवार) को प्रदेशभर के सभी मतदान केंद्रों पर विशेष अभियान चलाया जाएगा। इसके अतिरिक्त, एक चौथी विशेष अभियान तिथि जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा जिला स्तर पर निर्धारित की जाएगी।

अयोध्या के नाविक सुनाएंगे राम कथा

अमृत विचार, लखनऊ : अयोध्या में लगातार बढ़ रही पर्यटकों की संख्या और सरयू नदी में नौकायन की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए उप्र. पर्यटन विभाग ने नाविकों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया है। इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण में नाविकों को सरयू में सुरक्षित नौकायन के साथ-साथ राम कथा और अयोध्या की सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक विरासत को पर्यटकों तक पहुंचाने की जानकारी दी जाएगी। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने शुक्रवार को बताया कि मान्यवर कांशीराम पर्यटन प्रबंधन संस्थान (एमकेआईटीएम) और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) के सहयोग से 15 से 17 जनवरी तक अयोध्या में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, जिसमें 55 नाविकों को आधुनिक एवं सुरक्षित पर्यटन से जुड़ा प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

164 मिनरल वाटर इकाइयों के लाइसेंस होंगे निलंबित

अमृत विचार, लखनऊ : जांच अभियान के तहत 164 पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर एवं पैकेज्ड मिनरल वाटर प्रसंस्करण इकाइयों में गंभीर अनियमितताएं पाए जाने के कारण उनके खाद्य लाइसेंस निलंबित कर खाद्य व्यवसाय बंद कराने की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों के आधार पर 104 प्रसंस्करण इकाइयों को सुधार सूचना जारी करने का निर्णय लिया गया है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने प्रदेशभर में पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर एवं पैकेज्ड मिनरल वाटर की प्रसंस्करण इकाइयों पर एक साथ प्रवर्तन अभियान चलाया। यह अभियान उप्र. खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की आयुक्त डॉ .रोशन जैकब के निर्देश पर गठित अंतरजनपदीय टीमों द्वारा चलाया गया है।

हर जिले में बनेगा सरदार पटेल एम्प्लॉयमेंट एंड इंडस्ट्रियल जोन

मुख्यमंत्री योगी ने समीक्षा बैठक में कार्ययोजना को दी सैद्धांतिक मंजूरी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को प्रदेश में औद्योगिक विकास को रोजगार और कौशल से सीधे जोड़ने के उद्देश्य से 'सरदार वल्लभभाई पटेल एम्प्लॉयमेंट एंड इंडस्ट्रियल जोन' की कार्ययोजना को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी। उन्होंने समीक्षा करते हुए स्पष्ट किया कि प्रदेश को केवल निवेश का गंतव्य नहीं, बल्कि स्थायी रोजगार, कौशल विकास और उद्यमिता का केंद्र बनाया जाना सरकार की प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मॉडल जमीनी स्तर पर युवाओं को अवसर देने, स्थानीय प्रतिभाओं को उद्योग से जोड़ने और जिला स्तर पर आत्मनिर्भर आर्थिक ढांचा विकसित करने का सशक्त माध्यम बनेगा। उन्होंने सभी जिलों में इस परियोजना के लिए आवश्यक भूमि चिन्हित करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि रोजगार एवं कौशल विकास केंद्र में ओडीओपी उत्पादों के लिए डिस्प्ले जोन बनेगा। प्रशिक्षण और सेमिनार हॉल, मीटिंग व कॉन्फ्रेंस सुविधाएं, जिला उद्योग केंद्र, उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन, जिला रोजगार कार्यालय, कॉमन सर्विस सेंटर और बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। यह केंद्र युवाओं, उद्यमियों और निवेशकों के लिए वन-स्टॉप सपोर्ट सिस्टम के रूप में विकसित होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना को ओडीओपी, एमएसएमई और कौशल विकास योजनाओं के साथ समन्वय बनाकर लागू किया जाए, ताकि स्थानीय उत्पादों, उद्योगों और युवाओं को एक साझा मंच मिले।

50 एकड़ में विकसित होगा जोन : बैठक में अवगत कराया गया कि योजना के तहत प्रदेश के प्रत्येक जनपद में न्यूनतम 50 एकड़ या उससे अधिक क्षेत्रफल में सरदार वल्लभभाई पटेल एम्प्लॉयमेंट एंड इंडस्ट्रियल जोन विकसित किया जाएगा। यह जोन एक इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल और एम्प्लॉयमेंट इकोसिस्टम के रूप में कार्य करेगा, जहां उद्योग, प्रशिक्षण, सेवाएं और रोजगार से जुड़ी सभी सुविधाएं एक ही परिसर में उपलब्ध होंगी। हर जोन में जी-3 भवन में 'सरदार वल्लभभाई पटेल रोजगार एवं कौशल विकास केंद्र' की स्थापना की जाएगी।

अपने सरकारी आवास पर शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान उपस्थित मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

एक जनपद–एक व्यंजन योजना शुरू करने का फैसला

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की समृद्ध और विविधतापूर्ण खान-पान परंपरा को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में 'एक जनपद–एक व्यंजन (ओडीओसी)' योजना शुरू करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ब्रांड यूपी को मजबूती देने में जिस तरह ओडीओपी ने भूमिका निभाई है, उसी तरह अब ओडीओसी प्रदेश की पारंपरिक पाक-विरासत को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर स्थापित करेगी। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को योजना की तैयारी को लेकर समीक्षा करते हुए कहा कि प्रदेश का हर जिला अपने विशिष्ट स्वाद, संस्कृति और पहचान के साथ सामने आए। यह पहल केवल खान-पान तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था, रोजगार और सांस्कृतिक पहचान को भी नई शक्ति देगी। बैठक में बताया गया कि प्रत्येक जिले के विशिष्ट व्यंजनों को क्यूजीन क्लस्टर के रूप में विकसित किया जाएगा। पारंपरिक व्यंजनों की ब्रांडिंग, टेक्नोलॉजी, पैकेजिंग और मार्केटिंग के लिए सरकार निर्माताओं को प्रोत्साहन देगी। ओडीओसी के तहत जिले के विशिष्ट रंग, प्रतीक और शैली के साथ लोगो, हर व्यंजन के साथ उसकी संस्कृति, इतिहास और विधि दर्शाने वाली प्रोडक्ट स्टोरी, फूड-ग्रेड, इको-फ्रेंडली पैकेजिंग, शेल्फ-लाइफ बढ़ाने की आधुनिक तकनीक, क्यूआर कोड, न्यूट्रिशन लेबल, बारकोड और ड्यूल-लैंग्वेज लेबलिंग को अनिवार्य किया जाएगा।

रुपये लेकर पट्टा करने वालों पर होगी कठोर कार्रवाई : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/गोरखपुर

- जनता दर्शन में अफसरों को मुख्यमंत्री की दो टूक
- कहा- गरीबों के हक से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भूमि पट्टा आवंटन के नाम पर हो रही अवैध वसूली को लेकर अधिकारियों को कड़े और स्पष्ट शब्दों में चेताया है। उन्होंने कहा कि जिस भी गांव या तहसील में रुपये लेकर पट्टा देने की शिकायत मिले, वहां तत्काल जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। गरीबों के अधिकारों से खिलवाड़ किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

शुक्रवार को गोरखनाथ मंदिर परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं। सीएम खुद कुर्सियों तक पहुंचे, फरियादियों की बात ध्यान से सुनी और उनके प्रार्थना पत्र संबंधित अधिकारियों को सौंपते हुए शीघ्र, निष्पक्ष और संतुष्टिपरक निस्तारण के निर्देश दिए। जनता दर्शन के दौरान भूमि पट्टा आवंटन में अनियमितता की शिकायत सामने आते ही मुख्यमंत्री का रुख सख्त हो गया। एक महिला ने गांव में गरीबों के पट्टे के बदले अवैध वसूली का आरोप लगाया। इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि ऐसे मामलों में जिम्मेदारी तय कर तुरंत कार्रवाई होनी चाहिए। दोषी चाहे राजस्व कर्मी हो या कोई अन्य, उसे बख्शा न जाए।

अपराध से जुड़ी शिकायतों पर मुख्यमंत्री योगी ने पुलिस अधिकारियों को साफ निर्देश दिए कि अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाए। वहीं प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देशित किया कि कोई भी पात्र व्यक्ति शासन की योजनाओं से वंचित न रहे। आर्थिक तंगी के कारण बेटी की शादी को लेकर चिंतित एक महिला को मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि उसकी बिटिया का विवाह मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में कराया जाएगा।

गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता मांगने वालों से मुख्यमंत्री ने कहा कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। जरूरतमंदों के इलाज का एस्टीमेट शीघ्र बनवाकर उपलब्ध कराया जाए, सरकार तत्काल धन जारी करेगी।

अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं परखेंगी 'हर घर जल' योजना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : जल जीवन मिशन के तहत लागू 'हर घर जल' योजना ने ग्रामीण जीवन की दशा और दिशा दोनों में व्यापक बदलाव किया है। अब इस परिवर्तन की वास्तविक और दीर्घकालिक तस्वीर सामने लाने के लिए प्रदेश के विभिन्न मंडलों में इंपैक्ट असेसमेंट कराया जा रहा है। इस अध्ययन में केंद्रीय एवं राज्य विश्वविद्यालयों के साथ आईआईटी मद्रास तथा अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं शामिल होंगी। फिलहाल लखनऊ, अयोध्या, प्रयागराज, वाराणसी सहित प्रदेश के 11 मंडलों में प्रभाव आकलन की प्रक्रिया चल रही है। इस अध्ययन के निष्कर्ष भविष्य की जल नीतियों और ग्रामीण विकास की रणनीति तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अनुरोध पर हो रहा यह आकलन स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक सहभागिता और आजीविका जैसे संकेतकों पर केंद्रित है। इससे पहले झांसी, चित्रकूट और गोरखपुर मंडलों में कराए गए अध्ययनों में भी नल से जल की आपूर्ति का सकारात्मक सामाजिक असर दर्ज किया जा चुका है।

इन मंडलों में भी जल्द शुरू होगा आकलन : मुरादाबाद, आगरा, मेरठ और देवीपाटन मंडलों में भी शीघ्र ही केंद्रीय एवं राज्य विश्वविद्यालयों तथा अंतरराष्ट्रीय गैर-सरकारी संस्थाओं के माध्यम से इंपैक्ट असेसमेंट शुरू किया जाएगा। इसके लिए संबंधित संस्थाओं से समन्वय की प्रक्रिया जारी है।

गृह परिक्षेत्र में तैनाती नहीं, बदले नियम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- उप्र. पुलिस की तबादला नीति में बड़ा बदलाव, 2019 के बाद भर्ती कर्मियों के लिए सख्त नियम

अमृत विचार: उप्र. पुलिस मुख्यालय ने विभागीय स्थानांतरण नीति में बड़ा और दूरगामी बदलाव किया है। इसका आदेश बुधवार 14 जनवरी को जारी किया गया। नई व्यवस्था के तहत वर्ष 2019 बैच तक भर्ती हुए उप निरीक्षक और आरक्षियों के सामान्य मामलों में अनुकंपा के आधार पर स्थानांतरण पर विचार किया जाएगा। वहीं, इसके बाद भर्ती हुए कर्मियों के लिए नियम सख्त कर दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पुलिस स्थापना बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि अब कोई भी निरीक्षक या उप निरीक्षक अपने गृह परिक्षेत्र, गृह जनपद या सीमावर्ती जनपद में तैनात नहीं किया जाएगा। नीति में किया गया यह बदलाव निरीक्षकों और उप निरीक्षकों की तैनाती से जुड़ा एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इसका उद्देश्य पुलिसकर्मियों को स्थानीय प्रभाव, दबाव और संभावित हितों के टकराव से दूर रखना है, ताकि उनकी कार्यप्रणाली निष्पक्ष बनी रहे और कानून-व्यवस्था को प्रभावी ढंग से बनाए रखा जा सके। नई व्यवस्था के तहत किसी भी स्थानांतरण अनुरोध के लिए पुलिसकर्मियों को डीजीपी मुख्यालय, लखनऊ में उपस्थित होकर अपनी पूरी सेवा विवरण प्रस्तुत करना अनिवार्य कर दिया गया है। मुख्यालय में उपस्थिति की अनुमति भी निर्धारित शर्तों के अधीन ही दी जाएगी। इन सख्त नियमों का उद्देश्य व्यक्तिगत अनुरोधों को नियंत्रित करना और विभाग में एक समान, जवाबदेह व प्रभावी तैनाती व्यवस्था स्थापित करना है।

अनुकंपा स्थानांतरण को लेकर भी नियमों में बदलाव किया गया है। वर्ष 2019 बैच तक भर्ती उप निरीक्षकों और आरक्षियों के सामान्य मामलों में पूर्व की तरह अनुकंपा के आधार पर तबादले पर विचार किया जा सकेगा। हालांकि वर्ष 2019 के बाद भर्ती हुए उप निरीक्षक और आरक्षियों के लिए अनुकंपा स्थानांतरण की सुविधा केवल पति-पत्नी के मामलों तक सीमित कर दी गई है, बशर्ते दोनों पुलिस विभाग में कार्यरत हों। ऐसे मामलों में आवेदन के साथ पति और पत्नी दोनों के पुलिस परिचय पत्र की पठनीय छायाप्रति लगाना अनिवार्य होगा, ताकि पात्रता की पुष्टि की जा सके। विभाग का मानना है कि इससे पारिवारिक परिस्थितियों और विभागीय आवश्यकताओं के बीच संतुलन बनाया जा सकेगा।

न्यायमूर्तियों की हाईराइज फ्लैट योजना निरस्त

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पांच वर्ष पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्तियों के लिए प्रस्तावित की गई थी आवासीय परियोजना
- 141.06 करोड़ से तीन ब्लॉकों में 42 फ्लैटों का होना था निर्माण, 35.26 करोड़ वापसी का आदेश

अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्तियों के लिए प्रयागराज स्थित सिविल लाइंस के प्लॉट संख्या-19 पर प्रस्तावित हाईराइज आवासीय परियोजना को औपचारिक रूप से निरस्त कर दिया है। इस संबंध में न्याय विभाग द्वारा जारी शासनादेश के अनुसार, वर्ष 2020 में दी गई प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति को वापस लेते हुए अब तक जारी पहली किस्त की धनराशि 35.2656 करोड़ रुपये (ब्याज सहित) राजकोष में जमा कराने के निर्देश दिए गए हैं।

गौरतलब है कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्तियों की आवासीय समस्या को देखते हुए नवंबर 2020 में हुई कैबिनेट बैठक में प्रयागराज में प्लाट संख्या-19 क्लाइव रोड पर भूतल और 7 मंजिल भवन के तीन ब्लॉक बनाने की स्वीकृति दी गई थी। इन तीनों ब्लॉक में कुल 42 फ्लैट बनने थे, इसके निर्माण पर 141 करोड़ 6 लाख 23 हजार रुपये खर्च आंका गया था। इन आवासीय भवनों में फाल्स सीलिंग, सेंट्रल एसी आदि की सुविधाएं देनी थीं। इसे लोक निर्माण विभाग के जरिये ईपीसी मोड में बनाया जाना था। न्याय विभाग की ओर से जारी शासनादेश में स्पष्ट किया गया है कि सम्यक विचार के बाद पूर्व स्वीकृति को निरस्त किया जा रहा है और जारी धनराशि की वापसी अनिवार्य होगी।

अब बनेंगे 14 बंगले

हाईराइज योजना निरस्त होने के साथ ही सरकार ने उसी प्लॉट पर नई आवासीय रणनीति अपनाई है। अब न्यायमूर्तियों के लिए 14 स्वतंत्र बंगलों के निर्माण की योजना आगे बढ़ाई जा रही है। परियोजना के मुताबिक, हाईराइज फ्लैट्स की जगह कम ऊंचाई वाले स्वतंत्र आवास (बंगले) बनेंगे। इसके लिए जून 2025 में जीएस एक्सप्रेस को ईपीसी मोड पर सबसे कम बोलीदाता घोषित किया गया। इसकी अनुमानित लागत लगभग 49 करोड़ रुपये है। सभी बंगले 18 महीने में तैयार करने होंगे। प्रशासनिक सूत्रों का कहना है कि बंगलों का मॉडल कानूनी रूप से अधिक सुरक्षित, लागत में कम और उपयोगिता की दृष्टि से व्यावहारिक है।

बढ़ते कदम | प्रदेश में औद्योगिक विस्तार को नई रफ्तार, 3 .5 हजार करोड़ रुपये निवेश की संभावना

डिफेंस कॉरिडोर में एक हजार एकड़ भूमि के आवंटन की तैयारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- झांसी, अलीगढ़, चित्रकूट और लखनऊ डिफेंस कॉरिडोर बना निवेशकों की पहली पसंद

अमृत विचार: उप्र. डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (यूपीडीआईसी) के अंतर्गत पाइपलाइन में मौजूद निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने के लिए लगभग 1000 एकड़ अतिरिक्त भूमि के आवंटन की तैयारी की जा रही है। योगी सरकार की डिफेंस इंडस्ट्रियल नीति, तेज निर्णय प्रक्रिया और सुदृढ़ इंफ्रास्ट्रक्चर के चलते देश-विदेश की कंपनियां निवेश के लिए आगे आ रही हैं। उपलब्ध प्रस्तावों के अनुसार, विभिन्न नोड्स में भूमि आवंटन के माध्यम से करीब 3.5 हजार करोड़ के निवेश की संभावना है, जिससे औद्योगिक इंफ्रास्ट्रक्चर को बड़ा बल मिलेगा।

यूपीडीआईसी के अंतर्गत झांसी नोड निवेशकों की पहली पसंद बनकर उभरा है। यहां गुडलक एस्ट्रा द्वारा 247 एकड़ भूमि पर 1000 करोड़ तथा रेडवुड ह्यूजेस द्वारा 247 एकड़ भूमि पर 700 करोड़ के निवेश प्रस्तावित हैं। इसके अलावा सिटाडेल और गुरुत्वा जैसी कंपनियां भी डिफेंस एवं एलाइड मैन्युफैक्चरिंग में निवेश के लिए आगे आई हैं। झांसी में प्रस्तावित यह निवेश बुंदेलखंड को डिफेंस इंडस्ट्रियल क्लस्टर के रूप में विकसित करने के राज्य सरकार के विजन को मजबूती देगा और क्षेत्रीय विकास को नई दिशा देगा।

अलीगढ़ फेज–2 नोड में स्पेसकेम, मराल और जी-1 ऑफशोर जैसी कंपनियों द्वारा केमिकल, ऑफशोर और डिफेंस सपोर्ट मैन्युफैक्चरिंग में निवेश प्रस्तावित है। चित्रकूट नोड में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड द्वारा 209.95 एकड़ भूमि पर 672 करोड़ का निवेश प्रस्ताव है। साथ ही आईजी ड्रोन्स द्वारा ड्रोन टेक्नोलॉजी सेक्टर में 100 करोड़ का निवेश प्रस्तावित है, जिससे चित्रकूट को डिफेंस इलेक्ट्रॉनिक्स और ड्रोन टेक्नोलॉजी हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में अहम बढ़त मिलेगी। लखनऊ नोड में नेक्सा मुंबई, इंद्रप्रस्थ और प्रोमोटेक जैसी कंपनियों द्वारा कम भूमि में उच्च तकनीक आधारित यूनिट्स प्रस्तावित हैं, जो डिफेंस सप्लाई चेन, टेक्नोलॉजी और सपोर्ट सिस्टम को मजबूती देंगी।

रोजगार, आत्मनिर्भरता और मेक इन इंडिया को बल

प्रस्तावित भूमि आवंटन से हजारों युवाओं को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रोजगार मिलने की उम्मीद है। इससे स्थानीय एमएसएमई और स्टार्टअप्स को डिफेंस सप्लाई चेन से जुड़ने का अवसर मिलेगा और डिफेंस उत्पादन में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा। यह पहल 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' अभियान को भी सशक्त करेगी।

स्मार्ट एप करेगा बिजली उपभोक्ताओं की सभी शिकायतों का समाधान

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: बिजली के स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन ने यूपीपीसीएल स्मार्ट एप लॉन्च किया है। यह ऐप बिजली से जुड़ी लगभग सभी समस्याओं का एक ही मंच पर समाधान मुहैया कराएगा। इसके चलते अब उपभोक्ताओं को न तो बिजली ऑफिसों के चक्कर लगाने पड़ेंगे, और न ही बिल, रीडिंग या शिकायत को लेकर परेशानी उठानी होगी। यूपीपीसीएल स्मार्ट ऐप डाउनलोड करने के बाद उपभोक्ता प्रतिदिन की बिजली खपत, मौजूदा बैलेंस और रिचार्ज की जानकारी रियल टाइम में देख सकते हैं। इससे वे अपनी खपत पर नियंत्रण रख सकते हैं और समय रहते रिचार्ज कर बिजली कटने से बच सकते हैं। ऐप के जरिए प्रीपेड स्मार्ट मीटर का रिचार्ज, बैलेंस चेक, भुगतान की रसीद, बिजली कटौती की शिकायत, कनेक्शन कटवाने के लिए अपील और अन्य सेवाएं आसानी से पा सकते हैं।

एप पर रजिस्ट्रेशन के लिए उपभोक्ता को केवल अपना 10 अंकों का खाता नंबर और पंजीकृत मोबाइल नंबर दर्ज करना होता है। ओटीपी सत्यापन के बाद यूजरनेम और पासवर्ड बनाकर लॉगिन किया जा सकता है।

ऐप से होंगे ये मुख्य फायदे

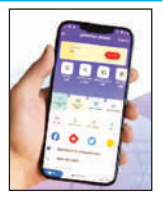

गोमती नगर जोन, लखनऊ के मुख्य अभियंता सुशील कुमार गर्ग ने बताया कि यूपीपीसीएल स्मार्ट ऐप के माध्यम से उपभोक्ता अपनी रोजाना और मासिक बिजली खपत की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। रिचार्ज की सुविधा पूरी तरह डिजिटल है, जिसमें यूपीआई, डेबिट,क्रेडिट कार्ड और नेट बैंकिंग जैसे विकल्प मौजूद हैं। किसी कारणवश बिजली आपूर्ति बाधित होती है तो उपभोक्ता सीधे ऐप पर शिकायत दर्ज कर सकते हैं।

अमृत विचार

शनिवार, 17 जनवरी 2026

गलतियां करते हुए बिताया गया जीवन बिना कुछ किए बिताए गए जीवन की तुलना में न सिर्फ अधिक सम्मानजनक है, बल्कि अधिक उपयोगी भी है।
-जॉर्ज बर्नार्ड शा

स्पष्ट सीख

आईपैक छापे के मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिया गया अंतरिम आदेश उचित विधायी हस्तक्षेप और संघीय ढांचे, एजेंसियों की भूमिका तथा चुनावी राजनीति के जटिल रिश्तों पर एक सख्त टिप्पणी है। अदालत की यह टिप्पणी कि ईडी की याचिकाओं से उठे गंभीर सवालों की जांच नहीं हुई तो "देश में अराजकता" का संदेश जाएगा, बताती है कि अदालत राज्य सरकारों द्वारा केंद्रीय एजेंसियों के कामकाज को प्रशासनिक या राजनीतिक तरीकों से बाधित करने को हल्के में नहीं ले रही। कोर्ट परिसर में टीएमसी समर्थकों की भीड़ जुटाना भी लोकतांत्रिक मर्यादाओं के सर्वथा विपरीत हैं। न्यायालय जनदबाव से नहीं, विधि से चलता है। ऐसा आचरण पार्टी की संवैधानिक समझ पर सवाल खड़े करता है। जब सरकारी तंत्र और राजनीतिक शक्ति एक ही व्यक्तित्व में निहित हो, तब यह दलील कि मुख्यमंत्री वहां पार्टी अध्यक्ष के रूप में गईं, कानूनी तौर पर कमजोर है। ईडी अधिकारियों पर दर्ज एफआईआर पर रोक, राज्य सरकार को नोटिस और जवाब तलबी इत्यादि टीएमसी के लिए तत्काल राजनीतिक असहजता पैदा करते हैं। हालांकि ईडी की टाइमिंग पर भी सवाल स्वाभाविक हैं। पांच वर्षों से लंबित जांच में ऐन चुनावों के पहले छापे क्यों? एजेंसी को यह स्पष्ट करना होगा कि नई सामग्री, हवाला चैनल और कैश ट्रांसफर जैसी कई ताजा कड़ियों का मिलान ही इस देरी और कार्रवाई का आधार बनी। ईडी के दुरुपयोग की जनधारणा को नजरअंदाज न करते हुए अंतिम सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट को दोनों वास्तविकताओं एजेंसियों की स्वायत्तता और उनके कथित दुरुपयोग के बीच संतुलन साधना होगा। राजनीतिक प्रश्न यह है कि क्या इससे ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की मुसीबतें बढ़ेंगी या वे इसे "विपक्षी प्रताड़ना" का मुद्दा बनाकर लाभ उठा पाएंगी? चुनाव अंततः जनमत तय करेगा, पर बंगाल की राजनीति का इतिहास बताता है कि ममता बनर्जी अक्सर पीड़ित-कार्ड को प्रभावी ढंग से भुनाती रही हैं। परंतु इस बार मामला केवल बयानबाजी का नहीं, बल्कि अदालती प्रक्रियाओं, नोटिस और एजेंसियों की विकट और जटिल जांच का है यह प्रक्रिया दीर्घकाल में उनके लिये राजनीतिक जोखिम को बढ़ाता है।

ममता बनर्जी के आरोप कि आईपैक के पास एसआईआर से जुड़ा पार्टी का चुनावी डेटा था, ईडी उसे जब्त करने पहुंची या भाजपा द्वारा पड़ोसी राज्यों से लोगों को लाकर मतदान कराने की साजिश अथवा चुनाव आयोग भाजपा के इशारे पर एआई की मदद से मतदाता सूची से नाम हटा रहा है, राजनीतिक रूप से तीखे हो सकते हैं, पर कानूनी कसौटी पर ठोस सबूत के बिना प्रमाण के ये आरोप समर्थकों को प्रभावित भले करें, लेकिन अदालत में टिकना कठिन है। तथ्यात्मक परीक्षण में मात्र आशंका पर्याप्त नहीं। हां, कोयला घोटाले की रकम सत्तारूढ़ दल के वरिष्ठ नेताओं तक पहुंचने के दावे यदि प्रमाण सहित सामने आते हैं, तो राजनीति और तेज होगी अन्यथा यह सियासी पलटवार जोखिम से भरा है। अब अंतिम अदालती फैसला चाहे जो हो, यह मामला बंगाल के आगामी विधानसभा चुनावों और उसके बाद भी राजनीतिक विमर्श में बना रहेगा। गैर-भाजपाई राज्यों के लिए सीख स्पष्ट है कि कानूनी लड़ाई को सड़क और भीड़ की राजनीति से अलग रखें, संस्थानों से टकराव में संयम बरतें और हर आरोप को दस्तावेजी प्रमाण से जोड़ें।

प्रसंगवश

डिजिटल शोर में शब्दों का शाश्वत स्वर

नई दिल्ली के भारत मंडपम में विश्व पुस्तक मेला चल रहा है। यह 18 जनवरी तक चलेगा। विश्व पुस्तक मेला नई दिल्ली में ऐसे समय में हो रहा है, जब दुनिया तेजी से डिजिटल स्क्रीन पर सिमटती जा रही है और पढ़ने की आदत को लेकर लगातार चिंता व्यक्त की जाती रही है। ऐसे में यह आयोजन न केवल किताबों का बाजार है, बल्कि यह उम्मीद का वह दीप भी है, जो बताता है कि शब्दों की रोशनी अब भी मनुष्यता का मार्ग प्रशस्त कर सकती है। नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले का इतिहास भी इसकी महत्ता को और गहराई देता है। 1972 में विंडसर प्लेस से शुरू हुआ यह सफर आज 53 वर्षों का हो चुका है। तब केवल 200 प्रकाशक और कुछ ही देश शामिल होते थे, आज यह एशिया के सबसे बड़े और दुनिया के सबसे बड़े बी 2 सी बुक फेयर में गिना जाता है। यह यात्रा इस बात का प्रमाण है कि बदलते समय के बावजूद पुस्तकों का महत्व कम नहीं हुआ, बल्कि हर दौर में नए रूप में सामने आया है।

इस वर्ष पुस्तक मेले की थीम 'भारतीय सैन्य इतिहासः शौर्य और ज्ञान @75' अपने आप में गहरी अर्थवत्ता समेटे हुए है। आजादी के 75 वर्षों की यात्रा में भारत ने केवल सीमाओं की रक्षा ही नहीं की,

योगेश कुमार गोयल
लेखक

बल्कि रणनीतिक बुद्धिमत्ता, वैज्ञानिक प्रगति और मानवीय मूल्यों के साथ सैन्य परंपरा को आगे बढ़ाया है। हॉल नंबर 5 में बना थीम पवेलियन एक जीवंत इतिहास बनकर सामने आता है, जहां अर्जुन टैंक, आईएनएस विक्रांत और एलसीए तेजस की प्रतिकृतियां केवल तकनीकी उपलब्धियां नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत की कहानी कहती हैं। 21 परमवीर चक्र विजेताओं को समर्पित श्रद्धांजलि स्थल यह याद दिलाता है कि स्वतंत्रता और सुरक्षा केवल शब्द नहीं, बल्कि अनगिनत बलिदानों का परिणाम हैं। यहां प्रदर्शित 500 से अधिक पुस्तकें और 100 से अधिक थीम आधारित कार्यक्रम सैन्य इतिहास को केवल युद्धों की कथा नहीं, नीति, विज्ञान और राष्ट्र निर्माण के व्यापक संदर्भ में प्रस्तुत करते हैं। पुस्तक मेले की सबसे सुंदर तस्वीर शायद यह है कि जेन-जी के युवा, जिन्हें अक्सर 'स्क्रीन की पीढ़ी' कहकर किताबों से दूर मान लिया जाता है, कागज के पन्नों में डूबे नजर आते हैं। पिक्सल्स के शोर से निकलकर वे शब्दों की गहराई को टटोलते हैं, अपनी पसंदीदा किताबें ढूंढ़ते हैं और बताते हैं कि तकनीक चाहे जितनी आगे बढ़ जाए, सुकून आज भी किताबों में बंद ज्ञान से ही मिलता है। कतर पवेलियन में हिंदी और उर्दू के तैरते अक्षरों को देखकर तकनीक में निपुण युवा भी ठहर जाते हैं। वे लुप्त होते पारंपरिक खेलों, गायब होते पक्षियों और सांस्कृतिक स्मृतियों की किताबों में खुद को खोजते हैं। यह दृश्य इस बात का प्रमाण है कि युवा पीढ़ी को किताबों से दूरी नहीं, बल्कि सही मंच और माहौल की जरूरत है।

इस वर्ष मेले की अंतर्राष्ट्रीय उपस्थिति भी उल्लेखनीय है। 35 से अधिक देशों के 1000 से ज्यादा प्रकाशक, 1000 से अधिक लेखक और वक्ता तथा 600 से ज्यादा साहित्यिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम इसे सचमुच वैश्विक उत्सव बनाते हैं। कतर का गेस्ट ऑफ ऑनर और स्पेन का फोकस कंट्री होना भारत के सांस्कृतिक कूटनीति के विस्तार को दर्शाता है। स्पेन-भारत ड्यूल ईयर 2026 के तहत दोनों देशों के लेखकों और साहित्य को मिला मंच यह बताता है कि किताबें केवल पढ़ने की वस्तु नहीं बल्कि देशों के बीच संवाद का माध्यम भी हैं। पुस्तक मेले की सांस्कृतिक आभा इसे और जीवंत बनाती है। पुस्तकें केवल जानकारी नहीं देती, वे सोचने की क्षमता विकसित करती हैं। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और सोशल मीडिया हमें त्वरित सूचनाएं तो देते हैं, लेकिन अक्सर निष्क्रिय स्वीकृति की आदत डाल देते हैं। इसके विपरीत, पुस्तकें ध्यान, एकाग्रता और कल्पनाशीलता की मांग करती हैं। वे प्रश्न पूछने की क्षमता जगाती हैं और उत्तर खोजने का धैर्य सिखाती हैं। जब हम अकेले होते हैं, उदास या परेशान होते हैं, तब किताबें ही सच्ची मित्र बनकर हमारा साथ देती हैं।

विज्ञान के सहारे विकसित भारत की ओर

राजेश श्रीनेत
वरिष्ठ पत्रकार

भारत में विज्ञान और वैज्ञानिक सोच को दिशा देने वाली प्रमुख संस्था इंडियन नेशनल साइंस एकेडमी (आईएनएसए) ने इसी महीने 7 तारीख को अपना 91 वां स्थापना दिवस मनाया। दिल्ली में आयोजित यह कार्यक्रम केवल एक संस्थान के स्थापना दिवस तक सीमित नहीं था। यह भारत की वैज्ञानिक यात्रा, उपलब्धियों और भविष्य की चुनौतियों पर विचार करने का एक महत्वपूर्ण मंच भी बना। नौ दशकों से अधिक समय से आईएनएसए देश में विज्ञान, अनुसंधान और तार्किक सोच को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभा रही है। इस संस्था ने न केवल भारतीय वैज्ञानिकों को एक सशक्त मंच दिया है, बल्कि सरकार और समाज के बीच विज्ञान को जोड़ने का काम भी किया है।

आईएनएसए की स्थापना ऐसे समय में हुई थी, जब भारत वैज्ञानिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अपने पहले कदम रख रहा था। स्वतंत्रता से पहले और बाद के दौर में इस संस्था ने देश के वैज्ञानिक विकास की नींव मजबूत करने में योगदान दिया। समय के साथ आईएनएसए विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले वैज्ञानिकों को सम्मानित करने, शोध को प्रोत्साहित करने और वैज्ञानिक नीतियों पर मार्गदर्शन देने वाली एक विश्वसनीय संस्था के रूप में स्थापित हुई। 91 वर्षों की इसकी यात्रा भारत के वैज्ञानिक विकास की कहानी को भी दर्शाती है।

इस अवसर पर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव प्रोफेसर अभय करंदीकर ने एक विशेष सार्वजनिक व्याख्यान दिया। अपने संबोधन में उन्होंने भारत के विज्ञान और तकनीक के बदलते स्वरूप और विकसित भारत की दिशा में हो रही प्रगति पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि किसी भी देश का वास्तविक विकास केवल आर्थिक वृद्धि या भौतिक ढांचे से नहीं होता, बल्कि उसकी वैज्ञानिक क्षमता, नवाचार और ज्ञान निर्माण से तय होता है। आज के दौर में वही देश आगे बढ़ रहे हैं, जो विज्ञान और तकनीक को अपनी विकास नीति का आधार बनाते हैं। भारत अब उस दौर से आगे निकल चुका है, जब वह केवल दूसरे देशों की तकनीक और ज्ञान पर निर्भर रहता था।

आज भारत स्वयं ज्ञान का निर्माण कर रहा है और वैश्विक मंच पर अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए बेहद जरूरी है। इसके लिए शोध, नवाचार और शिक्षा के क्षेत्र में लगातार निवेश और सुधार की आवश्यकता है। आज भारत विज्ञान और इंजीनियरिंग से जुड़े शोध प्रकाशनों के मामले में दुनिया के शीर्ष तीन देशों में शामिल है। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह दिखाती है कि भारतीय वैज्ञानिक न केवल बड़ी संख्या में शोध कर रहे हैं, बल्कि वैश्विक ज्ञान भंडार में सक्रिय योगदान भी दे रहे हैं। यह तथ्य इस बात का संकेत है कि देश में उच्च शिक्षा और अनुसंधान की क्षमता लगातार बढ़ रही है। भारत में अब नवाचार की संस्कृति धीरे-धीरे मजबूत हो रही है। भारत में रहने वाले भारतीयों द्वारा पेटेंट दाखिल करने के मामले में देश-दुनिया में छठे स्थान पर पहुंच गया है।

यह बदलाव देश में स्टार्ट-अप संस्कृति, उद्योग और अनुसंधान के बीच बढ़ते सहयोग का परिणाम है। भारत की प्रगति का एक और महत्वपूर्ण उदाहरण ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में उसकी स्थिति है। पिछले एक दशक में भारत ने इस सूचकांक में 90 वें स्थान से छलांग लगाकर 30 वें स्थान तक का सफर तय किया है। यह उपलब्धि अचानक नहीं मिली, बल्कि यह लगातार किए गए प्रयासों, नीतिगत सुधारों और अनुसंधान एवं विकास में बढ़ते निवेश का परिणाम है। इससे यह स्पष्ट होता है कि भारत का नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र अब पहले से कहीं अधिक मजबूत और व्यवस्थित हो रहा है।

सरकार अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए कई स्तरों पर काम कर रही है। विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों और उद्योगों के बीच सहयोग को बढ़ाया जा रहा है, ताकि प्रयोगशालाओं में होने वाला शोध केवल कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि समाज और आम लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सके। युवा वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और स्टार्ट-अप्स को वित्तीय सहायता, आधुनिक सुविधाएं और नीतिगत समर्थन दिया जा रहा है, जिससे नए विचारों को आगे बढ़ने का अवसर मिल सके। आईएनएसए की भूमिका इस पूरे परिदृश्य में बेहद महत्वपूर्ण बन जाती है। यह संस्था केवल वैज्ञानिकों को सम्मानित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि विज्ञान से जुड़ी नीतियों पर सरकार को सलाह देने और समाज में वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने का भी कार्य करती है। आईएनएसए वैज्ञानिक समुदाय को एक साझा मंच उपलब्ध कराती है, जहां विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ अपने विचार साझा कर सकें और राष्ट्रीय विकास में योगदान दे सकें। 91 वर्षों की इसकी यात्रा यह दिखाती है कि मजबूत और स्वतंत्र वैज्ञानिक संस्थाएं किसी भी देश की प्रगति की आधारशिला होती हैं।

स्थापना दिवस का यह आयोजन इस बात की याद दिलाता है कि भारत ने विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में लंबा सफर तय किया है, लेकिन अभी भी कई चुनौतियां सामने हैं। जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा संकट, स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच, कृषि की उत्पादकता और डिजिटल सुरक्षा जैसे मुद्दे ऐसे हैं, जिनका समाधान विज्ञान और तकनीक के माध्यम से ही संभव है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए अनुसंधान, नवाचार और वैज्ञानिक सोच को समाज के हर स्तर तक पहुंचाना आवश्यक है।

आईएनएसए की स्थापना ऐसे समय में हुई थी, जब भारत वैज्ञानिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अपने पहले कदम रख रहा था। स्वतंत्रता से पहले और बाद के दौर में इस संस्था ने देश के वैज्ञानिक विकास की नींव मजबूत करने में योगदान दिया।

आमने

SIR प्रक्रिया के अंतिम दिन, ERO के माध्यम से BLO पर दबाव डाला गया कि वे कांग्रेस विचारधारा वाले मतदाताओं के नाम काटें। कई जगहों पर प्रशासनिक अधिकारियों और BLO ने इस लोकतंत्र की हत्या में शामिल होने से इंकार किया तो उन्हें सत्ताधारी पार्टी के लोगों ने तबादलों की धमकी दी है।
- **अशोक गहलोत**
पूर्व सीएम राजस्थान

सामने

कांग्रेस इस तरह के विषयों पर ध्यान भटकाने का काम करती है। पहली बात तो यह पूछना चाहता हूं कि पूरे देश आजाद होने के बाद 11 बार SIR हुई, जिसमें 10 बार कांग्रेस शासन के कार्यकाल में हुई, उस समय जब कांग्रेस के नेता आरोप लगाते रहे, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है। इस तरह के आरोप जनता में भ्रम पैदा करते हैं, इसीलिए जनता को कांग्रेस ने पूरे भारत में नकार दिया है।
-**सुमित गोदारा**, मंत्री राजस्थान

बीच चुनाव में बिखर गई नेपाली कांग्रेस

यशोदा श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

नेपाल की सबसे पुरानी और सबसे लंबे समय तक सरकार में रही नेपाली कांग्रेस अंततः दो फांक हो गई। पार्टी में व्याप्त असंतोष और अंतर्विरोध का यह परिणाम है। पार्टी के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा पर कमजोर नेतृत्व का आरोप लग रहा था। युवाओं की उपेक्षा और दिशाहीन होने का भी आरोप था। उन पर इन सब मसलों के हल और विचार विमर्श के लिए विशेष राष्ट्रीय अधिवेशन की मांग जोर पकड़ रही थी।

देउबा इसके लिए तैयार नहीं थे। उनका कहना था कि राष्ट्रीय अधिवेशन सहित अन्य मुद्दों पर चुनाव बाद विचार और मंत्रणा होगी। पार्टी के दो महामंत्री गगन थापा और विश्व प्रकाश शर्मा इसके लिए तैयार नहीं थे। इन दोनों ने पिछले रविवार को ही दो दिवसीय विशेष राष्ट्रीय अधिवेशन आमंत्रित किया था। अधिवेशन की वैधता के सवाल पर गगन थापा का कहना था कि पार्टी विधान की धारा 17/2 के तहत यदि राष्ट्रीय परिषद के 54 प्रतिशत सदस्य और पदाधिकारी सहमत हैं, तो विशेष राष्ट्रीय अधिवेशन कभी भी बुलाया जा सकता है। पार्टी में प्रदत्त इसी विधान के तहत अधिवेशन बुलाया गया।

इस अधिवेशन में शेर बहादुर देउबा सहित उनके निकटवर्ती अन्य पदाधिकारियों को भी आमंत्रित किया गया था, लेकिन वे लोग अधिवेशन में नहीं आए। पूर्व में आयोजित दो दिवसीय यह अधिवेशन चार दिवसीय हो गया, जो काठमांडू के भृकुटी मंडप में आयोजित था। शेर बहादुर देउबा की सहमति के बिना आयोजित इस राष्ट्रीय अधिवेशन में पार्टी के विभाजन की आशंका न केवल पार्टी के अन्य तमाम वरिष्ठ नेताओं को थी, बल्कि दूसरे राजनीतिक दलों को भी ऐसा ही अंदेशा था। देउबा और उनके गुट के वरिष्ठ सदस्यों ने पार्टी को विभाजन से बचाने की पूरी कोशिश की, लेकिन वे असफल रहे। अधिवेशन के चौथे दिन मामला तब बिगड़ गया, जब देउबा गुट के कार्यवाहक सभापति पूर्ण बहादुर खड़का ने पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में में बैठक कर दोनों महामंत्री गगन थापा और विश्व प्रकाश शर्मा सहित उप महामंत्री फरकुल्लाह मंसूर को पार्टी से निष्कासित कर दिया। इस निष्कासन के बाद ही पार्टी में विभाजन की रूपरेखा तैयार हुई। बुधवार को देर रात अधिवेशन में ही गगन थापा को राष्ट्रीय अध्यक्ष चुन लिया गया। विश्व प्रकाश शर्मा और कमला भुसाल को उपसभापति और फरकुल्लाह मंसूर को महामंत्री चुना गया।

पार्टी में विभाजन के बाद देउबा का अपने नेतृत्व वाली पार्टी का असली नेपाली कांग्रेस का दावा है, तो गगन थापा का कहना है कि पार्टी विभाजित नहीं हुई, यह और मजबूत और संगठित हुई है। बहरहाल नेपाली कांग्रेस के विभाजन का मामला चुनाव आयोग में जाना तय है और वहीं असली नकली का फैसला भी होगा। हां यह एक मामला जरूर पेचीदा हो गया कि चुनाव में देउबा के चयनित उम्मीदवार मैदान में होंगे या गगन थापा के? उच्च सदन के नामांकन की तिथि समाप्त हो गई है और उसके उम्मीदवार भी तय हो गए हैं, जबकि निचले सदन के उम्मीदवारी के नामांकन की तिथि अभी शेष है। चुनाव पांच मार्च को है। इसके पहले यदि देउबा और गगन थापा के नेतृत्व वाली कांग्रेस में फैसला नहीं आया, तो देउबा द्वारा चयनित उम्मीदवार और रूख चुनाव चिन्ह पर ही उम्मीदवार चुनाव लड़ेंगे, लेकिन पार्टी के विभाजन का दंश उम्मीदवारों को झेलना तय है।

नेपाली कांग्रेस में मतभेद और असंतोष नया नहीं है, लेकिन पार्टी कभी विभाजन के कगार पर नहीं पहुंची। स्वर्गीय गिरिजा प्रसाद कोइराला और केपी भट्टराई के बीच का विवाद किसे नहीं याद होगा। नेपाली कांग्रेस नेपाल की राजनीति में केवल एक पार्टी भर नहीं है। इसके साथ स्वर्गीय वीपी कोइराला, गिरिजा प्रसाद कोइराला, केपी भट्टराई, सुशील कोइराला आदि का नाम जुड़ा होने के नाते इसकी एक विचारधारा है, जो समावेशी विकास और जनसरोकार की बात करती है। स्वर्गीय वीपी कोइराला ने राजशाही के वक्त 1960 में ही लोकतंत्र का बिगुल बजा दिया था। इसके लिए उन्हें तत्कालीन राजा महेन्द्र के षड्यंत्रों का शिकार होना पड़ा था। लंबे समय तक जेल में रहना पड़ा और निर्वसन तक का जीवन जीने को मजबूर होना पड़ा था। हालांकि वीपी कोइराला लोकतंत्र की जंग जीत नहीं पाए थे। राजा महेन्द्र अपनी कुटिल चालों से नेपाली कांग्रेस में फूट डालकर राजशाही बचाने में सफल रहे थे, जो लंबे समय से नेपाली कांग्रेस में फूट डालकर राजशाही बचाने में सफल रहे थे, जो लंबे समय तक चला। राजशाही विरोधी कई दलों के एक जुट विरोध और लंबे आंदोलन के बाद 2008 में नेपाल राजशाही से मुक्त हो पाया और यहां गणतंत्र का उदय हुआ। लोकतंत्र बहाली आंदोलन में नेपाली कांग्रेस के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता, जिसका नेतृत्व वीपी कोइराला के बाद स्वर्गीय गिरिजा प्रसाद कोइराला ने किया था। गिरिजा प्रसाद कोइराला को नेपाल में गांधी के नाम से जाना जाता है।

नेपाली कांग्रेस संघर्ष, त्याग और लोकतांत्रिक आंदोलनों की जीवंत विरासत है। जिस पार्टी ने नेपाल में लोकतंत्र की नींव रखी, राजतंत्र को चुनौती दी और गणतंत्र की स्थापना में ऐतिहासिक भूमिका निभाई, उस पार्टी का आज यह हाल चिंताजनक है। पार्टी के युवा नेताओं की अपेक्षा पर खरा नहीं उतर पाने वाले देउबा यदि स्वेच्छा से हट जाते तो पार्टी को विभाजन से बचाया जा सकता था। देउबा के नेतृत्व में नेपाली कांग्रेस देश में तेजी से बदलते राजनीतिक हालात के बीच पीछे छूट जा रही था, जो एक सच्चाई है। फिलहाल संख्या बल और स्वीकार्यता के लिहाज से गगन थापा के नेतृत्व वाली कांग्रेस का पलड़ा भारी है। आसन्न संसदीय चुनाव में देउबा अथवा थापा के नेतृत्व वाली कांग्रेस में कितना दम है यह देखना होगा।

नेपाली कांग्रेस में मतभेद और असंतोष नया नहीं है, लेकिन पार्टी कभी विभाजन के कगार पर नहीं पहुंची। स्वर्गीय गिरिजा प्रसाद कोइराला और केपी भट्टराई के बीच का विवाद किसे नहीं याद होगा।

सोशल फोरम

सदैव अकेला होता है सच्चे विद्रोह का मार्ग

जैसे-जैसे मनुष्य की आयु बढ़ती जाती है, वैसे-वैसे उसका अनुभव और ज्ञान भी परिपक्व होता जाता है। जीवन की घटनाएं, समाज की वास्तविकताएं और सत्ता के व्यवहार धीरे-धीरे उसके भीतर प्रश्न खड़े करने लगते हैं। एक समय ऐसा आता है जब व्यक्ति के सामने दो ही स्पष्ट रास्ते बचते हैं या तो वह भक्त बन जाए या फिर विद्रोही। भक्ति सहज मार्ग है। यह सामाजिक रूप से स्वीकार्य है, सुरक्षित है और सम्मान दिलाने वाला है। भक्त बनकर व्यक्ति न केवल समाज की अपेक्षाओं में फिट हो जाता है, बल्कि उसे पहचान, संरक्षण और प्रशंसा भी प्राप्त होती है। भक्ति में प्रश्न नहीं होते, केवल स्वीकार्यता होती है और यही कारण है कि यह मार्ग भीड़ द्वारा सबसे अधिक चुना जाता है। इसके विपरीत, विद्रोह का मार्ग अत्यंत कठिन और खतरनाक है। विद्रोह व्यक्ति को समाज से बहिष्कृत कर सकता है, उसे पूर्णतः अकेला कर सकता है। यह मार्ग जेल, सामाजिक अपमान और कभी-कभी मृत्युदंड तक ले जा सकता है। इसलिए विद्रोह का चयन वही करता है, जो सत्य के लिए मूल्य चुकाने को तैयार हो और ऐसे लोग सदैव बिरले होते हैं। नास्तिकता भी वस्तुतः विद्रोह का ही एक रूप है-ठीक उसी प्रकार, जैसे धर्मपरिवर्तन। दोनों ही किसी स्थापित मान्यता, परंपरा या विश्वास-तंत्र के विरुद्ध खड़े होने की घोषणा हैं। परंतु नास्तिकता में एक प्रकार की सामूहिक सुरक्षा निहित होती है। इसके समर्थक, तर्क, मंच और सहयोगी आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं, जिससे व्यक्ति पूरी तरह अकेला नहीं पड़ता।

विशुद्ध चैतन्य
लेखक

वास्तविक समस्या तब उत्पन्न होती है, जब व्यक्ति केवल धर्म या ईश्वर ही नहीं, बल्कि समाज और सत्ता-दोनों के विरुद्ध खड़ा हो जाए। वह यह समझ ले कि समाज वास्तव में स्वतंत्र चेतना से युक्त नागरिकों का समूह नहीं, बल्कि मवेशियों और गुलामों का वह झुंड है, जिसे लुटेरों और माफियाओं ने अपनी बपौती संपत्ति बना रखा है। वह जब इन मान्यताओं और परंपराओं को चुनौती देता है, तब संघर्ष का स्तर कहीं अधिक गहरा और खतरनाक हो जाता है। ऐसी स्थिति में व्यक्ति को कहीं कोई समर्थक या सहयोगी नहीं मिलता, क्योंकि अधिकांश लोग अपने तथाकथित पालनहारों-सत्ता, व्यवस्था और संरचनाओं के विरुद्ध जाने का साहस नहीं कर पाते। वे सत्य को देखना नहीं चाहते, क्योंकि सत्य देखने का अर्थ है सुविधा, सुरक्षा और पहचान खो देने का जोखिम उठाना। यही कारण है कि सच्चा विद्रोह सबसे अकेला मार्ग होता है, परंतु वही मार्ग मनुष्य को वास्तव में स्वतंत्र भी बनाता है।

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

महाराष्ट्र में चुनाव परिणामों के निहितार्थ

महाराष्ट्र में मुंबई सहित सभी 29 महानगरपालिकाओं के चुनाव परिणामों ने उन राजनीतिक दलों और नेताओं को करारा संदेश दिया है, जो बड़े गुमान में देश के लोगों को बांटने की राजनीति करते रहे हैं। क्षेत्रीय पार्टी मनसे के प्रमुख राज ठाकरे द्वारा हिंदी भाषी राज्यों के लोगों को "लात मारकर महाराष्ट्र से बाहर करने" जैसे गैर-जिम्मेदाराना बयान से न केवल हिंदी भाषी नागरिकों की भावनाएं आहत हुईं, बल्कि महाराष्ट्र के मराठी समाज को भी यह बयान नागवार गुजरा। इसी का परिणाम रहा कि महाराष्ट्र की जनता, विशेषकर मराठी मतदाताओं ने, चुनावों के माध्यम से ऐसे बयानों की राजनीति करने वाले नेताओं को न केवल अपने दिलों से बल्कि सत्ता से भी बाहर का रास्ता दिखा दिया। यह स्पष्ट संकेत है कि महाराष्ट्र ही नहीं, बल्कि देश का जनमानस अब जाति, धर्म और भाषा के नाम पर की जाने वाली विभाजनकारी राजनीति के बहकावे में आने वाला नहीं है।

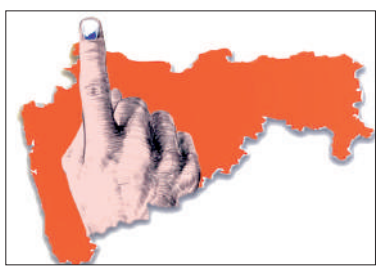

अरविंद रावल
लेखक

> आज देश के नागरिकों के लिए राष्ट्र प्रथम और उसकी सुरक्षा सर्वोपरि है। यही कारण है कि वर्तमान राजनीति में वही दल और नेता जनता का विश्वास जीत पा रहे हैं, जो राष्ट्रहित और विकास के मुद्दों पर काम कर रहे हैं।

आज देश के नागरिकों के लिए राष्ट्र प्रथम और उसकी सुरक्षा सर्वोपरि है। यही कारण है कि वर्तमान राजनीति में वही दल और नेता जनता का विश्वास जीत पा रहे हैं, जो राष्ट्रहित और विकास के मुद्दों पर काम कर रहे हैं। महाराष्ट्र की स्थानीय राजनीति में भाजपा ने अपने दम पर नया इतिहास रचा है। पहली बार क्षेत्रीय दलों को पीछे छोड़ते हुए भाजपा को सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनाने का जनादेश मिलना, केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार और राज्य की देवेंद्र फड़नवीस सरकार की साफ नीयत और विकासोन्मुखी राजनीति का परिणाम है। महाराष्ट्र के इन स्थानीय चुनावों ने उन राजनीतिक दलों के नेताओं को आत्ममंथन का अवसर दिया है, जो आज भी जाति, धर्म और भाषा के सहारे सत्ता के सपने देखते हैं। आज देश का हर नागरिक चाहे वह किसी भी धर्म या वर्ग से हो अपने और अपने देश का विकास चाहता है। अच्छी शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, मजबूत कानून व्यवस्था, शांति और सुरक्षा आज आम नागरिक की प्राथमिकताएं हैं। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई की महानगरपालिका, जिसका बजट कई राज्यों के बजट के बराबर है, वहां तीन दशक बाद भाजपा का सत्ता में लौटना जनता के सरकार के प्रति बढ़ते विश्वास का प्रतीक है। उम्मीद है कि भाजपा गठबंधन महाराष्ट्र की जनता की अपेक्षाओं और जनादेश की कसौटी पर खरा उतरेगा।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं एलआईजी 23, प्रथम तल, आशियाना फेस-1, कांठ रोड मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- सुनील कुमार सिंह*** 0591-3551286(कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2020/79034 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुरादाबाद होगा)।

INSV कौंडिन्य

समुद्र की लहरों पर भारतीय गौरव

ओमान के मस्कट पहुंचने पर INSV कौंडिन्य को वॉटर कैनन सैल्यूट मिला। 29 दिसंबर 2025 को पोरबंदर, गुजरात से शुरू हुआ 18 दिनों का सफर बीती 14 जनवरी को ओमान के मस्कट में खत्म हुआ। इंडियन नेवी का INSV कौंडिन्य जहाज 2000 साल पुरानी पाल विधि से निर्मित है। यह जहाज भारत-ओमान की गहरी दोस्ती और समुद्री सुरक्षा में दोनों देशों के सहयोग का सम्मान है। इस यात्रा का मकसद भारत की प्राचीन समुद्री विरासत को फिर से पुनर्जीवित करना है। यह जहाज 4 वीं-5 वीं शताब्दी के भारतीय जहाजों के मॉडल पर बना है। जहाज बिना कील या धातु के लकड़ी के तख्तों को रस्सियों से सिलकर तैयार किया गया। कहां से आया कौंडिन्य का आइडिया? चलिए आपको इसके पूरे सफर के बारे में बताते हैं।

जहाज की विशेषताएं

- 65 फुट लंबे इस जहाज का निर्माण पारंपरिक सिलाई तकनीक से किया गया है, जिसमें प्राकृतिक सामग्रियों और सदियों पुरानी विधियों का उपयोग किया गया है। भारत के प्राचीन जहाज निर्माण कौशल को दुनिया के सामने लाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने साल 2023 में प्रोजेक्ट को मंजूरी दी थी, जिसके बाद संस्कृति मंत्रालय, भारतीय नौसेना और गोवा की निजी बोट बिल्डर कंपनी होड़ी इनोवेशंस के बीच त्रिपक्षीय समझौता हुआ। जहाज को फरवरी 2025 में गोवा में लॉन्च किया गया।
- INSV 'कौंडिन्य' का डिजाइन अजंता गुफाओं की 5 वीं सदी की एक पेंटिंग पर आधारित है। गोवा की एक कंपनी ने करीब 2000 साल पुरानी टांका पद्धति से इस जहाज का निर्माण किया है। लकड़ी के तख्तों से बने इस जहाज को नारियल के रेशे से सिला गया है। जहाज में कहीं भी कीलों का इस्तेमाल नहीं हुआ है। जहाज में न तो इंजन है और न ही जीपीएस। इसमें चौकोर सूती पाल और पैडल लगे हैं। यह पूरी तरह हवा के सहारे, कपड़े के पाल (सढ़) से चलता है। इस प्रोजेक्ट की कल्पना संजीव सान्याल ने की थी। स्वदेशी रूप से बने इस जहाज के पालों पर गंडभेरुंड और सूर्य के प्रतीक हैं। आगे की ओर सिंह याली की आकृति उकेरी गई है, जबकि डेक पर हड़प्पा शैली का प्रतीकात्मक पत्थर का लंगर लगाया गया है।
- कमांडर विकास शेओरान इस अभियान के कप्तान थे, जबकि कमांडर वाई हेमंत कुमार अभियान के प्रभारी अधिकारी के रूप में कार्यरत थे। हेमंत कुमार परियोजना की अवधारणा से ही इससे जुड़े हुए हैं। दल में चार अधिकारी और 13 नौसैनिक शामिल थे। मस्कट के सुल्तान काबूस बंदरगाह पहुंचने पर कौंडिन्य को वाटर सैल्यूट (जल सलामी) दिया गया। इस पर कोई कमरा नहीं है। क्रू मेंबर्स स्लीपिंग बैग में सोते थे। वहां बिजली की भी व्यवस्था नहीं थी। अन्य जहाजों को चेतावनी देने के लिए क्रू के पास सिर्फ हेडलैंप्स थे, जो अपने सिर पर लगाकर रखते थे। क्रू मेंबर्स ने 18 दिन खिचड़ी और अचार खाकर बिताए।

सामने आएंगी समुद्री परंपराएं

यह पोत भारत के पुराने समुद्री रास्तों को फिर से जिंदा करेगा। यह जहाज हिंद महासागर की दुनिया से भारत के हजारों साल पुराने रिश्तों को दिखाएगा। इस यात्रा से भारत की पुरानी पोत बनाने की कला और समुद्री परंपराएं फिर से सामने आएंगी।

ऐसे हुआ जहाज का नामकरण

जहाज का नाम पहली सदी के प्रसिद्ध भारतीय नाविक कौंडिन्य के नाम पर रखा गया है, उन्होंने प्राचीन काल में भारत से दक्षिण पूर्व एशिया तक की यात्रा की थी। यह जहाज भारत की समुद्री खोज, व्यापार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान की परंपरा का प्रतीक माना जा रहा है।

- प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार परिषद (EAC-PM) के सदस्य संजीव सान्याल ने ही INSV कौंडिन्य मिशन का वैचारिक आधार तैयार किया और इस प्रस्ताव को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष रखा। एक प्रखर इतिहासकार होने के नाते सान्याल ने भारत की समुद्री चेतना को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उनका मानना था कि भारत को अपनी प्राचीन समुद्री शक्ति को पहचानते हुए उसे आधुनिक संदर्भों में पुनः स्थापित करना चाहिए। उन्होंने इस मिशन को केवल एक नौसैनिक यात्रा नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक और रणनीतिक वापसी के रूप में परिभाषित किया।
- 'कौंडिन्य' नाम का चयन भी संजीव सान्याल की गहरी ऐतिहासिक समझ का परिणाम है। उन्होंने इस मिशन को प्रधानमंत्री के नारी शक्ति विजन से जोड़ने में अहम भूमिका निभाई। नौसेना और सरकार के बीच सेतु बनते हुए, उन्होंने दो महिला अधिकारियों द्वारा विश्व परिक्रमा के कठिन लक्ष्य को राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक बनाया। उनके मार्गदर्शन में यह मिशन भारत की सॉफ्ट पावर का प्रभावी माध्यम बनकर उभरा, जिसने वैश्विक मंच पर भारत की आधुनिक सोच और क्षमता को दर्शाया।
- यह यात्रा केवल सैन्य अभ्यास नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक पुल है। सदियों पहले भारतीय नाविक मसाले, वस्त्र और संस्कृति लेकर अरब देशों तक जाते थे। आज INSV कौंडिन्य उन्हीं समुद्री मार्गों पर शांति, मित्रता और महिला सशक्तिकरण का संदेश लेकर आगे बढ़ा है। यह मिशन दर्शाता है कि भारत अपनी पुरानी मित्रताओं को नए युग में और अधिक सशक्त बनाना चाहता है।
- INSV कौंडिन्य पूरी तरह स्वदेशी नौका है, जिसे भारत में ही डिजाइन और निर्मित किया गया है। यह 'मेक इन इंडिया' की सफलता का प्रमाण है। इसकी मजबूती और संतुलन इसे दुनिया के सबसे चुनौतीपूर्ण समुद्री मार्गों-जैसे रोरिंग फोर्टीज को पार करने में सक्षम बनाते हैं और आत्मनिर्भर भारत का संदेश देते हैं।
- इस मिशन के लिए महिला अधिकारियों का चयन एक लंबी और कठोर प्रक्रिया के बाद किया गया। लेफ्टिनेंट कमांडर वर्तिका जोशी के पहले सफल अभियान के अनुभवों के आधार पर इस बार दो नई महिला अधिकारियों को मानसिक और शारीरिक रूप से विशेष प्रशिक्षण दिया गया। महीनों तक उन्हें तूफानों, तकनीकी चुनौतियों और समुद्र के एकाकीपन से जूझने के लिए कमांडो स्तर की ट्रेनिंग दी गई।
- यात्रा के दौरान महिला अधिकारी समुद्र की सेहत, प्रदूषण और समुद्री जीवों से संबंधित डेटा भी एकत्र कर रही हैं, जो जलवायु परिवर्तन के अध्ययन में वैज्ञानिकों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। इस प्रकार यह मिशन साहस, विज्ञान और पर्यावरण संरक्षण का एक सशक्त संगम बन गया है। समुद्र की लहरें कभी स्थिर नहीं रहतीं। इस यात्रा में INSV कौंडिन्य को कई बार 20-30 फीट ऊंची लहरों और तेज तूफानी हवाओं का सामना करना पड़ा। बिना इंजन, केवल हवा के सहारे आगे बढ़ना एक असाधारण कौशल की मांग करता है। महिला अधिकारियों का धैर्य और आत्मविश्वास यह सिद्ध करता है कि कठोर प्रशिक्षण और दृढ़ संकल्प से हर चुनौती पर विजय पाई जा सकती है।

-रोहित टंडन (लेखक रक्षा मामलों में रुचि रखते हैं।)

जॉब का पहला दिन

पहली बार ऑफिस पहुंचने पर हुआ जोरदार स्वागत

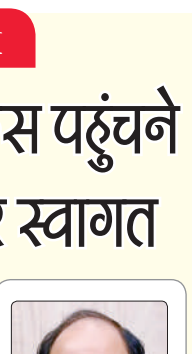

आलोक कुमार सिंह
एआरटीओ कानपुर

मैं स्वभाव से सरल हूं और अपने कार्यों के प्रति पूरी गंभीरता रखता हूं। वर्तमान में मैं कानपुर में सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) के पद पर कार्यरत हूं। जब मैं पहली बार परिवार कल्याण विभाग में जिला प्रशासनिक अधिकारी के रूप में सहारनपुर पहुंचा, तो स्नेहपूर्ण और भव्य स्वागत मेरे लिए उत्साहवर्धक था, लेकिन मेरा लक्ष्य केवल प्रशंसा पाना नहीं था। मेरी दृष्टि हमेशा आगे बढ़ने और ऊंचाइयों को छूने पर केंद्रित रही है। मेरी इस यात्रा में मेरे पिता ओ.पी. सिंह का आशीर्वाद और उनके द्वारा दिए गए संस्कार मेरी सबसे बड़ी पूंजी रहे हैं। उन्होंने मुझे अनुशासन, परिश्रम और ईमानदारी का महत्व सिखाया। इन्हीं मूल्यों के कारण मैंने प्रतिदिन 8 से 9 घंटे अध्ययन कर पीसीएस परीक्षा की तैयारी की। निरंतर मेहनत और आत्मविश्वास के बल पर वर्ष 2013 में

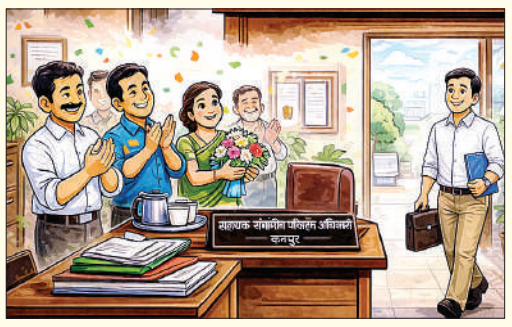

मुझे पीसीएस में सफलता प्राप्त हुई। मेरी पहली नियुक्ति मुजफ्फरनगर में सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) के रूप में हुई। उस समय लोगों की शुभकामनाएं और बधाइयां मुझे नई जिम्मेदारियों के लिए और अधिक प्रेरित करती रहीं। इसके बाद मुझे लखनऊ, बिजनौर और लखीमपुर खीरी जैसे जिलों में सेवा करने का अवसर मिला, जहां मैंने प्रशासनिक अनुभव को और गहराई से समझा।

वर्तमान में कानपुर में कार्य करते हुए मेरा प्रयास रहता है कि जनता की समस्याओं का समाधान ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ करूं। मेरा दृढ़ विश्वास है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और उसके लिए मन लगाकर परिश्रम किया जाए, तो कोई भी मंजिल दूर नहीं होती। मेरा जीवन अनुभव आज के युवाओं के लिए यही संदेश है कि सफलता का मार्ग अनुशासन, संघर्ष और आत्मविश्वास से होकर ही गुजरता है।

जेन-जी में कैंची धाम की बढ़ती प्रसिद्धि

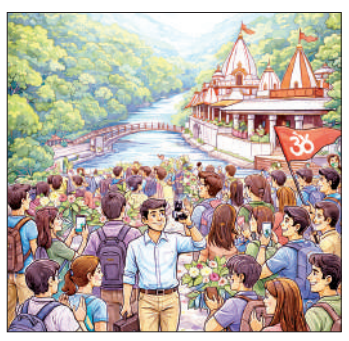

त्विंकल तोमर सिंह
शिक्षिका

नैनीताल स्थित बाबा नीम करौली के कैंची धाम की प्रसिद्धि में पिछले कुछ वर्षों में काफी वृद्धि हुई है। श्रद्धालुओं के जत्थे पर जत्थे यहां सिर नवाते हुए देखे जा सकते हैं। छुट्टियों में इतनी अधिक भीड़ हो जाती है कि नैनीताल जाने वाली सड़क पर मीलों लंबा जाम लग जाता है। सड़क के दो, कैंची जैसे तीखे मोड़ों पर स्थित होने के कारण इसका नाम कैंची धाम पड़ा। पर्यटन विभाग के सहयोग से कराए गए एक अध्ययन में पाया गया कि इस धाम में बाबा नीम करौली और उनके द्वारा स्थापित हनुमान जी के मंदिर में दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं में अधिकांशतः 15 से 30 वर्ष की आयु वर्ग के युवा हैं। यह कुल आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या का लगभग 67 प्रतिशत है।

कैंची धाम पहुंचने वाली पीढ़ी व पीढ़ी है, जिसे हम जेन-जी के नाम से जानते हैं। रील्स के माध्यम स्वयं को व्यक्त करने वाली, सोशल मीडिया पर अपने छोटे से छोटे अधिकार के लिए आवाज उठाने वाली, तेजी से डिजिटल एक्सपर्ट होने वाली यह पीढ़ी एकाएक इतनी आध्यात्मिक और आस्थावान कैसे हो गई, यह भी शोध का विषय हो सकता है। क्या यह पीढ़ी किसी आध्यात्मिक शांति की तलाश

में है? या फिर नीम करौली बाबा में उनकी आस्था को सचमुच में आधार मिला है? या फिर वे किसी चमत्कार की आस में वहां जा रहे हैं?

गौरतलब है कि यह स्थान एप्पल व फेसबुक के संस्थापकों जैसी प्रसिद्ध हस्तियों की यात्राओं के कारण यह स्थान, जिसके बारे में पहले कम ही लोग जानते थे, अब अचानक चर्चित हो गया। कहा जाता है कि एप्पल कंपनी के संस्थापक, स्टीव जॉब्स, 1974 में नीम करोली बाबा से मिलने भारत आए थे। बाबा के निधन के बाद भी वे कुछ दिन आश्रम में रुके थे, जिससे उन्हें आध्यात्मिक प्रेरणा मिली और यह उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण अनुभव रहा। उनके आशीर्वाद के कारण ही वे एक सफल बिजनेसमैन बन सके। इसी प्रकार यह भी कहा जाता है कि फेसबुक के संस्थापक, मार्क जुकरबर्ग, स्टीव जॉब्स की सलाह पर, फेसबुक के शुरुआती मुश्किल दौर में कैंची धाम आए थे। इस यात्रा से उन्हें नई दिशा मिली और यह उनके जीवन में एक परिवर्तनकारी घटना थी। उसके बाद उनकी सफलता के हम सब साक्षी है।

अब प्रश्न यह उठता है कि क्या युवा वर्ग में कैंची धाम के प्रति बढ़ता क्रेज वास्तव में बाबा में उनकी श्रद्धा का परिणाम है या फिर वैश्विक स्तर के उनके दो आदर्शों ने उनके मन में यह प्रेरणा भरी है? युवा वर्ग के हृदय में अध्यात्म ने वास्तव में घर कर लिया है या इस लालच ने कि उनके धनी और सफल आदर्शों की तरह ही बाबा के दर्शनों से उनके जीवन में रातोंरात चमत्कार हो जाएगा और वे भी सितारे बन जाएंगे? अनुसरण उसी का किया जाता है, जिसकी तरह हम बनना चाहते हैं। वास्तव में अनुसरण तो बाबा नीम करौली द्वारा दी गई शिक्षाओं का होना चाहिए था। वे सेवा, त्याग, धर्म, तप के जीती जागती मिसाल थे। ऐसा प्रतीत होता है कि बाबा के द्वार पर सिर नवाकर युवा पीढ़ी यह आशीर्वाद चाहती है कि यू ट्यूब, इंस्टाग्राम पर हमारे मिलियंस फॉलोअर्स हो जाएं, लाखों में हमारी इनसे आय होने लगे, हमारी प्रसिद्धि विश्व के कोने-कोने तक पहुंच जाए। इन्हें संत नहीं, मन की मुराद पूरी करने वाला सांता चाहिए।

सक्सेस स्टोरी

हाना अल रस्तमानी अरेबिया वुमन 2025

मुस्लिम समुदायों में, खासकर कुछ परंपरागत या ग्रामीण क्षेत्रों में, लड़कियों की शिक्षा पर अक्सर कम जोर दिया जाता है, जो एक सामाजिक चुनौती बनी हुई है, लेकिन हाना अल रस्तमानी जैसी महिलाएं इस धारणा को तोड़ने वाली मिसालें हैं, जो न केवल अपनी शिक्षा और मेहनत से ऊंचाइयों पर पहुंचीं, बल्कि दूसरों के लिए भी प्रेरणा बन गईं। हाना अल रस्तमानी संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की एक प्रमुख व्यवसायिक नेता हैं, जो फर्स्ट अबू धाबी बैंक (एफएबी) की ग्रुप चीफ एक्जीक्यूटिव ऑफिसर (सीईओ) के रूप में जानी जाती हैं। फरवरी 2021 से इस पद पर आसीन, वे यूएई की सबसे बड़ी बैंक, जिसकी संपत्ति 2025 तक 365 बिलियन डॉलर से अधिक हो चुकी है, की पहली महिला सीईओ हैं। फोर्ब्स मिडिल ईस्ट ने उन्हें 2025 में टॉप 100 सीईओ की सूची में 10 वें स्थान पर रखा और 100 सबसे प्रभावशाली व्यवसायिक महिलाओं में शामिल किया। 25 वर्षों से अधिक के अनुभव वाली हाना ने बैंकिंग में इनोवेशन, सस्टेनेबिलिटी और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन को बढ़ावा दिया है, जो यूएई की आर्थिक प्रगति का प्रतीक बनी हुई हैं।

रूफिया खान
शिक्षिका

प्रारंभिक जीवन और पारिवारिक पृष्ठभूमि

हाना अल रस्तमानी का जन्म यूएई में एक प्रमुख व्यवसायिक परिवार में हुआ था, जो रस्तमानी वंश से जुड़ा है। वे एडब्ल्यू रस्तमानी ग्रुप की बोर्ड सदस्य हैं, जो 1954 में अबू धाबी के अल रस्तमानी भाइयों, अब्दुल्लाह और अब्दुल वहिद, द्वारा स्थापित एक प्रमुख कॉन्ग्लोमरेट है। यह ग्रुप ऑटोमोटिव, रियल एस्टेट, फाइनेंस और अन्य क्षेत्रों में सक्रिय है और यूएई की आर्थिक नींव का हिस्सा माना जाता है। हालांकि उनके निजी पारिवारिक जीवन के बारे में सार्वजनिक रूप से ज्यादा जानकारी उपलब्ध नहीं है, लेकिन उनकी पारिवारिक विरासत ने उन्हें व्यवसायिक मूल्यों और नेतृत्व की समझ प्रदान की। अबू धाबी में पली-बढ़ी हाना ने हमेशा महिलाओं के सशक्तिकरण और सांस्कृतिक मूल्यों को महत्व दिया, जो उनकी नेतृत्व शैली में झलकता है।

शिक्षा

हाना अल रस्तमानी ने अपनी शिक्षा अमेरिका में पूरी की, जहां उन्होंने जॉर्ज वाशिंगटन यूनिवर्सिटी से बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (बीबीए) और इंफॉर्मेशन मैनेजमेंट में मास्टर ऑफ साइंस (एमएस) की डिग्री प्राप्त की। यह शिक्षा ने उन्हें वित्तीय प्रबंधन, डेटा एनालिटिक्स और रणनीतिक निर्णय लेने के कौशल प्रदान किए, जो बाद में उनकी डिजिटल बैंकिंग और इनोवेशन-केंद्रित करियर में सहायक सिद्ध हुई, उनकी शिक्षा ने उन्हें वैश्विक दृष्टिकोण दिया, जो यूएई जैसे उभरते बाजार में महत्वपूर्ण है।

करियर की यात्रा- हाना अल रस्तमानी के पास बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज और कॉर्पोरेट लीडरशिप में 25 वर्षों से अधिक का अनुभव है। उनकी यात्रा पारिवारिक व्यवसाय से शुरू होकर वैश्विक स्तर की संस्थाओं तक फैली हुई है। उनके प्रारंभिक करियर की बात करें, तो उन्होंने अपनी करियर की शुरुआत 1990 में एडब्ल्यू रस्तमानी ग्रुप से की, जहां विभिन्न वित्तीय भूमिकाओं में कार्य किया। इसके बाद, वे सिटी बैंक में शामिल हुईं, जहां उन्होंने घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय जिम्मेदारियों को संभाला। फिर, फर्स्ट गल्फ बैंक में विभिन्न वरिष्ठ पदों पर रहीं, जहां उन्होंने पर्सनल बैंकिंग और कंज्यूमर फाइनेंस को मजबूत किया। 2000 में फर्स्ट अबू धाबी बैंक (तब नेशनल बैंक ऑफ अबू धाबी का हिस्सा) ज्वाइन करने के बाद, हाना ने तेजी से प्रगति की। 2017 में एफएबी के गठन (नेशनल बैंक ऑफ अबू धाबी और फर्स्ट गल्फ बैंक के विलय से) के बाद, उन्होंने पर्सनल बैंकिंग ग्रुप हेड का पद संभाला। इस भूमिका में, उन्होंने डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को बढ़ावा दिया और ग्राहक-केंद्रित सेवाओं को विकसित किया। 2020 तक, वे डिप्टी ग्रुप सीईओ बनीं, जहां उन्होंने पर्सनल बैंकिंग के साथ-साथ समग्र रणनीति का नेतृत्व किया। फरवरी 2021 में ग्रुप सीईओ बनने के बाद, उन्होंने बैंक को सस्टेनेबल फाइनेंस और एआई-ड्रिवन इनोवेशन की ओर निर्देशित किया। उनकी यात्रा में अंतर्राष्ट्रीय जिम्मेदारियां शामिल हैं, जैसे एफएबी प्राइवेट बैंक स्विस की चेयरपर्सन और मास्टरकार्ड एडवाइजरी बोर्ड में सदस्यता।

प्रमुख इनिशिएटिव्स

सस्टेनेबिलिटी - 2030 तक 136 बिलियन डॉलर के सस्टेनेबल फाइनेंस लक्ष्य का 53 प्रतिशत 2024 तक हासिल। 2025 में 4 बिलियन डॉलर के ग्रीन बॉन्ड्स और सुकूक जारी। वे नेट-जीरो बैंकिंग एलायंस की प्रिंसिपल्स ग्रुप की चेयर हैं और पूर्व में यूएन एसडीजी क्लीन एनर्जी काउंसिल की चेयर।

डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन - अप्रैल 2024 में माइक्रोसॉफ्ट के साथ एआई इनोवेशन हब लॉन्च। 2025 में बोर्ड एआई ऑब्जर्वर, वॉयस कॉन्सियरेज और प्लानिंग टूल्स जैसे एआई उपकरण पेश। अप्रैल 2025 में आईएचसी, एडीक्यू के साथ यूएई दिरहम-बैक्ड स्टेबलकॉइन परियोजना।

ग्लोबल एक्सपैंशन - दिसंबर 2025 में अमुंदी के साथ एमओयू, जो एसेट मैनेजमेंट को मजबूत करेगा। एसएमई फाइनेंसिंग में 245 मिलियन डॉलर की नई फंडिंग।

सोशल इम्पैक्ट- महिलाओं के सशक्तिकरण और एसएमई को प्रोत्साहन, जो यूएई की विजन 2031 के अनुरूप है।

उनका विजन - बैंकिंग को अधिक समावेशी, सस्टेनेबल और तकनीकी रूप से उन्नत बनाना, जो मिडिल ईस्ट की अर्थव्यवस्था को गति दे।

उपलब्धियां और पुरस्कार

हाना अल रस्तमानी की उपलब्धियां, उन्हें मिडिल ईस्ट की शीर्ष महिलाओं में शुमार करती हैं। कुछ प्रमुख उपलब्धियां इस प्रकार हैं-

- 2021 - यूएई की प्रमुख बैंक की पहली महिला सीईओ।
- 2024 - फोर्ब्स पावर वुमन लिस्ट में सम्मिलित।
- 2025 - फोर्ब्स मिडिल ईस्ट 100 मोस्ट पावरफुल बिजनेसवुमन।
- 2025 - फोर्ब्स मिडिल ईस्ट टॉप 100 सीईओ में 10 वें नवंबर पर।
- 2025 - जीसीसी की 26 सबसे प्रभावशाली फाइनेंस महिलाओं में शामिल।
- 2025- फोर्ब्स मिडिल ईस्ट सस्टेनेबिलिटी लीडर्स।
- 2025 - बाजार अरेबिया वुमन ऑफ द ईयर।

अन्य - ग्लोबल काउंसिल ऑन सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स की चेयर, बोर्ड मेंबर, बूना (अरब मॉनेटरी फंड), इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल फाइनेंस, इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर मैनेजमेंट डेवलपमेंट, यूएस-यूएई बिजनेस काउंसिल।

उनके नेतृत्व में एफएबी ने 2024 के पहले नौ महीनों में 3.5 बिलियन डॉलर शुद्ध लाभ दर्ज किया।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	83,570.35	25,694.35
बढ़त	187.64	28.75
प्रतिशत में	0.23	0.11

सोना 1,46,200 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,92,600 प्रति किलो

अमृत विचार

मुरादाबाद, शनिवार, 17 जनवरी 2026

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

एलटीआई को मिला 3000 करोड़ का ठेका

नई दिल्ली। वैश्विक प्रौद्योगिकी परामर्श एवं डिजिटल समाधान कंपनी एलटीआई माइंडट्री को भारत के राष्ट्रीय कर विश्लेषण मंच के आधुनिकीकरण के वास्ते एआई-आधारित कार्यक्रम बनाने के लिए केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड से 3,000 करोड़ का ठेका मिला है। यह ठेका 7 वर्ष में पूरा होगा। कंपनी ने शुक्रवार को बताया एलटीआई माइंडट्री को केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) से इनसाइट 2.0 परियोजना का ठेका मिला है जिसके तहत भारत के राष्ट्रीय कर विश्लेषण मंच के आधुनिकीकरण के लिए एक एआई-संचालित कार्यक्रम विकसित किया जाएगा।

मारुति के विक्टोरिस मॉडल का निर्यात शुरू

नई दिल्ली। वाहन विनिर्माता मारुति सुजुकी इंडिया ने कहा कि उसने अपनी मिड-साइज एसयूवी विक्टोरिस को विदेशी बाजारों में भेजना शुरू कर दिया है। मुंद्रा और पिपावाव बंदरगाहों से इस मॉडल की 450 से अधिक इकाइयां वैश्विक बाजारों के लिए रवाना की गई हैं। इस एसयूवी को अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में एक्रॉस नाम से बेचा जाएगा। इस वाहन को 100 देशों और क्षेत्रों में बेचने की उम्मीद है, जिनमें लैटिन अमेरिका, पश्चिम एशिया और अफ्रीका शामिल हैं। कंपनी ने विक्टोरिस मॉडल को पिछले साल सितंबर में पेश किया था। मारुति सुजुकी इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी हिसाशी ताकेउची ने इसकी जानकारी दी है।

रुपया 50 पैसे टूटकर 90.84 प्रति डॉलर पर बंद

मुंबई। रुपये में शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट आई और यह 50 पैसे टूटकर 90.84 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और विदेशी पूंजी की निरंतर निकसी से घरेलू मुद्रा पर दबाव बढ़ा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि अस्थिर वैश्विक रुख और अमेरिकी मुद्रा में मजबूती ने विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी को तेज कर दिया जबकि घरेलू निवेशकों ने निचले मूल्य पर शेयरों की खरीद की। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 90.37 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान 90.89 प्रति डॉलर के निचले स्तर पर पहुंच गया। अंत में यह डॉलर के मुकाबले 90.84 (अस्थायी) पर बंद हुआ जो बुधवार को बंद भाव से 50 पैसे की गिरावट है।

काकीनाडा प्रोजेक्ट से भारत बनेगा ऊर्जा निर्यातक

जर्मनी, जापान और सिंगापुर जैसे वैश्विक बाजारों में आपूर्ति करने वाले देशों में शामिल होगा भारत

अमरावती, एजेंसी

आंध्र प्रदेश के बंदरगाह शहर काकीनाडा में 10 अरब डॉलर की लागत वाली हरित हाइड्रोजन और हरित अमोनिया परियोजना एक महत्वपूर्ण चरण में पहुंच गई है। इसके पहले प्रमुख उपकरण के स्थापना समारोह के साथ ही भारत जर्मनी, जापान और सिंगापुर जैसे वैश्विक बाजारों में हरित ऊर्जा की आपूर्ति करने वाले देशों की सूची में शामिल होने की ओर अग्रसर है।

राज्य सरकार के अधिकारियों ने बताया कि ''एएम ग्रीन'' के हरित हाइड्रोजन और हरित अमोनिया परिसर के उपकरण स्थापना समारोह में 17 जनवरी को मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और उपमुख्यमंत्री कोनिडाला पवन कल्याण शामिल होंगे। 10 अरब डॉलर के निवेश वाली परियोजना भारत में सबसे बड़े स्वच्छ ऊर्जा निवेशों में से एक है। इसके निर्माण चरण के दौरान 8,000 रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। इसके परिचालन से नवीकरणीय ऊर्जा, लॉजिस्टिक और बंदरगाह सेवाओं जैसे क्षेत्रों में उच्च-कुशल रोजगार के अवसर मिलेंगे। एएम ग्रीन अमोनिया-यूरिया इकाई को परिवर्तित कर भारत का पहला और दुनिया का सबसे बड़ा हरित अमोनिया परिसर विकसित कर रहा है। इसकी नियोजित क्षमता 15 लाख टन प्रति वर्ष है। यह परियोजना चरणों में शुरू होगी।

पहले चरण में 2027 तक पांच लाख टन, दूसरे चरण में 2028 तक 10 लाख टन और तीसरे चरण में 2030 तक पूरी क्षमता (15 लाख टन) हासिल करने का लक्ष्य रखा गया है। चालू होने के बाद, यह इकाई भारत से हरित अमोनिया के पहले निर्यात को सक्षम बनाएगी। इसका उपयोग दुनिया भर में स्वच्छ पोत परिवहन ईंधन, बिजली उत्पादन और हरित हाइड्रोजन के वाहक के रूप में किया जाता है। इस एकीकृत परियोजना में 7.5 गीगावाट सौर एवं पवन ऊर्जा क्षमता और 1,950 मेगावाट इलेक्ट्रोलाइजर क्षमता शामिल है। इसके अलावा, पंप हाइड्रो स्टोरेज के माध्यम से चौबीसों घंटे दो गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी, जिसमें आंध्र प्रदेश के पिन्नापुरम में स्थित देश की पहली ऐसी सुविधा भी शामिल है।

- 10 अरब डॉलर वाली हरित हाइड्रोजन और अमोनिया परियोजना महत्वपूर्ण चरण में

एएम ग्रीन का जर्मनी से दीर्घकालिक आपूर्ति समझौता, जापान तथा सिंगापुर भी संपर्क में

एएम ग्रीन ने जर्मनी की कंपनी यूनिपर के साथ दीर्घकालिक आपूर्ति समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं और वह जापान तथा सिंगापुर के खरीदारों के साथ भी संपर्क में है। यह यूरोप और उन्नत एशियाई अर्थव्यवस्थाओं के साथ भारत के पहले हरित ऊर्जा निर्यात संपर्क को दर्शाता है। यह परियोजना आंध्र प्रदेश की एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति, 2024 के अनुरूप है, जिसका लक्ष्य राज्य को हरित हाइड्रोजन और हरित अमोनिया के मुख्य केंद्र के रूप में स्थापित करना है। इस इकाई के चालू होने के बाद भारत से हरित ऊर्जा का पहला निर्यात संभव हो सकेगा। यह ऊर्जा आयात पर निर्भरता खत्म कर स्वच्छ ऊर्जा निर्यात की दिशा में एक बड़े बदलाव का प्रतीक होगा और इससे आंध्र प्रदेश वैश्विक हरित ऊर्जा मूल्य श्रृंखला के केंद्र में आ जाएगा। ग्रीनको ग्रुप के संस्थापकों द्वारा समर्थित एएम ग्रीन अमोनिया दरअसल एएम ग्रीन, मलेशिया की जेंटारी, सिंगापुर के सॉवरेन वेल्थ फंड जीआईसी और अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी के बीच एक साझेदारी है।

डाक से भेजने वाले माल पर 15 से निर्यात प्रोत्साहन योजना लागू : सीबीआईसी

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने शुक्रवार को कहा कि आरओडीटीईपी और आरओएससीटीएल जैसी निर्यात प्रोत्साहन योजनाएं अब डाक से भेजे जाने वाले माल पर भी लागू होंगी। वित्त मंत्रालय ने कहा कि इन प्रोत्साहनों से एमएसएमई निर्यातकों विशेष रूप से छोटे शहरों और दूरदराज के क्षेत्रों के निर्यातकों की प्रतिस्पर्धा में उल्लेखनीय वृद्धि की उम्मीद है और डाक निर्यात को काफी बढ़ावा मिलेगा।

सीबीआईसी ने ड्यूटी ड्रॉबैक, निर्यातित उत्पादों पर शुल्क एवं करों की छूट (आरओडीटीईपी) और राज्य एवं केंद्रीय करों तथा शुल्क की छूट (आरओएससीटीएल) योजनाओं के तहत निर्यात से संबंधित लाभों को 15 जनवरी 2026 से डाक के जरिये इलेक्ट्रॉनिक रूप में किए गए निर्यातों तक विस्तारित कर दिया है। ड्यूटी ड्रॉबैक निर्यात को बढ़ावा देने वाली एक महत्वपूर्ण वित्तीय सहायता है। इसके तहत निर्यात किए गए माल के निर्माण या उत्पादन में उपयोग किए गए कच्चे माल पर चुकाए गए सीमा शुल्क और उत्पाद शुल्क (या उनके समकक्ष कर) का पूरा या आंशिक रिफंड निर्यातक को दिया जाता है।

ईवाई इंडिया के कर साझेदार सौरभ अग्रवाल ने कहा कि डाक मार्ग के लिए आरओडीटीईपी और आरओएससीटीएल के लाभों का विस्तार करके, सरकार ने दूरस्थ क्षेत्रों में एमएसएमई के लिए एक लंबे समय से चली आ रही अनुपालन बाधा को दूर कर दिया है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि इस उपाय का उद्देश्य डाक माध्यमों का उपयोग करने वाले निर्यातकों के लिए समान अवसर प्रदान करना एवं सीमा पार ई-कॉमर्स के विकास के लिए एक अनुकूल तथा समावेशी परिवेश बनाना है।

- योजनाओं से निर्यातकों की प्रतिस्पर्धा में वृद्धि होने की उम्मीद

डाक निर्यात विनियम 2022 में संशोधन की मंजूरी

सीबीआईसी ने इन लाभों को क्रियान्वित करने के लिए डाक निर्यात (इलेक्ट्रॉनिक घोषणा और प्रसंस्करण) विनियम, 2022 में संशोधन को मंजूरी दे दी है। इससे निर्यातकों को डाक मार्ग से निर्यात किए गए माल के लिए ड्यूटी ड्रॉबैक, आरओडीटीईपी और आरओएससीटीएल लाभों का दावा करने में सक्षम बनाया जा सके। भारत में वर्तमान में सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा-7 के तहत अधिसूचित 28 विदेशी डाकघर (एफपीओ) हैं।

8 ई-कॉमर्स मंचों पर वॉकी-टॉकी बिक्री को लेकर 44 लाख जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने ई-कॉमर्स मंचों पर वॉकी-टॉकी की बिना अनुमति और नियमों के विपरीत बिक्री के मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए आठ कंपनियों पर कुल 44 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। इन कंपनियों पर यह कार्रवाई उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 और दूरसंचार नियमों के उल्लंघन को लेकर की गई है।

सीसीपीए ने 13 ई-कॉमर्स कंपनियों- चिमिया, जियोमार्ट, टॉक प्रो, मीशो, मास्कमैन टॉयज, ट्रेडइंडिया, अंतरिक्ष टेक्नोलॉजीज, वरदानमार्ट, इंडियामार्ट, मेटा प्लेटफॉर्म्स (फेसबुक मार्केटप्लेस), फ्लिपकार्ट, कृष्णा मार्ट और अमेजन को नोटिस जारी किए थे। जांच में कई ई-कॉमर्स मंचों पर 16,970 से अधिक गैर-अनुपालन उत्पाद सूचीबद्ध मिले। उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने बताया कि मीशो, मेटा प्लेटफॉर्म्स, फ्लिपकार्ट और अमेजन पर 10-10 लाख का जुर्माना लगाया गया है जबकि चिमिया, जियोमार्ट, टॉक प्रो और मास्कमैन टॉयज पर एक-एक लाख का जुर्माना लगा है। इनमें से मीशो, मेटा, चिमिया, जियोमार्ट और टॉक प्रो ने जुर्माने की राशि जमा कर दी है।

सीसीपीए के मुताबिक, कई मंच ऐसे पर्सनल मोबाइल रेडियो (पीएमआर) की बिक्री की सुविधा दे रहे थे जो लाइसेंस-मुक्त 446.0-446.2 मेगाहर्ट्ज बैंड से बाहर संचालित होते हैं और जिनके लिए अनिवार्य इक्विपमेंट टाइप अप्रूवल (ईटीए) यानी लाइसेंस की जानकारी नहीं दी गई थी। नियमों के तहत इन उपकरणों के आयात, बिक्री या उपयोग से पहले ईटीए लेना अनिवार्य होता है।

- सीसीपीए ने बिना अनुमति और नियमों के विपरीत बिक्री के मामले में स्वत: संज्ञान पर की कार्रवाई

आगामी बजट में एमएसएमई निर्यात के लिए ऋण बढ़ाए सरकार : डेलॉयट

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में व्यापारिक स्थिरता बढ़ाने एवं बाहरी कमजोरियों को कम करने के लिए निर्यात ऋण तथा रियायती वित्तपोषण के माध्यम से छोटे उद्यमों को समर्थन देने के साथ-साथ महत्वपूर्ण खनिजों की खोज के लिए वित्तपोषण जैसे उपायों पर विचार किया जाना चाहिए। वित्तीय परामर्श एवं सलाहकार कंपनी डेलॉयट इंडिया ने यह बात कही।

डेलॉयट ने बजट को लेकर अपनी आकांक्षाओं पर कहा कि भारत के निर्यात में सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) का 46 प्रतिशत हिस्सा है और कृषि के बाद ये दूसरे सबसे बड़े नियोक्ता हैं। वित्तीय एवं अनुपालन संबंधी दबावों को कम करने से इन उद्यमों को वैश्विक अस्थिरता से निपटने, उत्पादन बनाए रखने और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में प्रतिस्पर्धी बने रहने में मदद मिलेगी। एमएसएमई को मजबूत करने से रोजगार सुरक्षित होंगे और समावेशी आर्थिक वृद्धि को गति मिलेगी, ग्रामीण आय में वृद्धि होगी तथा भारत की वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने की महत्वाकांक्षा को समर्थन मिलेगा। डेलॉयट ने एमएसएमई की प्रतिस्पर्धा को बेहतर बनाने और सरलीकृत डिजिटल प्रक्रियाओं के माध्यम से अनुपालन बोझ को कम करने के लिए व्यापक प्रशिक्षण का सुझाव दिया। इसने यह भी सुझाव दिया कि शुल्क के प्रति संवेदनशील क्षेत्रों (तैयार वस्त्र, रत्न, आभूषण, चमड़ा) को लक्षित निर्यात प्रोत्साहन या बढ़ी हुई शुल्क छूट प्रदान की जाए।

- छोटे उद्यमों को समर्थन देने के साथ महत्वपूर्ण खनिजों की खोज को वित्तपोषण पर करें विचार

निर्यातकों के लिए बढ़ सकती है अनिश्चितता

डेलॉयट की अर्थशास्त्री रुमकी मजूमदार ने कहा कि बढ़ते वैश्विक संरक्षणवाद एवं तदर्थ उपायों से भारतीय निर्यातकों के लिए अनिश्चितता बढ़ जाती है। वैश्विक व्यापारिक टकरावों का जीडीपी की वृद्धि पर प्रत्यक्ष प्रभाव 0.40 से 0.80% तक सीमित हो सकता है लेकिन एमएसएमई और रोजगार पर इसका प्रभाव पड़ सकता है। महत्वपूर्ण खनिजों को सुरक्षित और वैकल्पिक ऊर्जा आपूर्ति तक पहुंच के उद्देश्य से डेलॉयट ने विदेशी अधिग्रहण एवं प्रौद्योगिकी सहयोग को वित्तपोषित करने को समर्पित महत्वपूर्ण खनिज कोष के आवंटन का सुझाव दिया।

सीमा पार व्यापार की मजबूती के लिए किए कई उपाय

सीबीआईसी ने डाक और कूरियर माध्यमों से सीमा पार व्यापार को मजबूत करने के लिए कई उपाय किए हैं। डाक निर्यात (इलेक्ट्रॉनिक घोषणा एवं प्रसंस्करण) विनियम, 2022 डाक निर्यात के लिए निर्यात घोषणाओं के संपूर्ण इलेक्ट्रॉनिक प्रसंस्करण को सक्षम बनाते हैं। डाक आयात विनियम, 2025 को डाक आयात की इलेक्ट्रॉनिक प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए अधिसूचित किया गया था। डाक निर्यात के लिए आईजीएसटी रिफंड का स्वचालन सितंबर 2024 में लागू किया गया था।

राष्ट्रीय

न्यायमूर्ति वर्मा की याचिका खारिज

संसदीय पैनल की वैधता को दी थी चुनौती, उच्चतम न्यायालय ने सुनाया फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष के उन्हें पद से हटाने की मांग वाले प्रस्ताव को स्वीकार करने के फैसले और उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच कर रहे संसदीय पैनल की वैधता को चुनौती दी थी। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और एससी शर्मा की पीठ ने वर्मा की याचिका पर 8 जनवरी को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था और आज फैसला सुनाया।

इससे पहले आठ जनवरी को उच्चतम न्यायालय ने कहा था कि यदि उपराष्ट्रपति राष्ट्रपति की अनुपस्थिति में राष्ट्रपति के कार्यों का निर्वहन कर सकते हैं, तो राज्यसभा के उपसभापति, सभापति की अनुपस्थिति में उनके कार्यों का निर्वहन क्यों नहीं कर सकते? ये टिप्पणियां पीठ ने कीं और न्यायमूर्ति वर्मा के इस तर्क से असहमत होने से इन्कार कर दिया कि राज्यसभा के उपसभापति के पास किसी प्रस्ताव को अस्वीकार करने का अधिकार नहीं है और न्यायाधीश (जांच) अधिनियम 1968 के तहत, केवल अध्यक्ष और सभापति के पास ही किसी न्यायाधीश के खिलाफ प्रस्ताव को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार है।

उम्मीद वक्फ पोर्टल वाली याचिका पर सुनवाई से इन्कार

उच्चतम न्यायालय ने केंद्र सरकार के उम्मीद पोर्टल में तकनीकी गड़बड़ियों के आरोप वाली याचिका पर सुनवाई से इन्कार कर दिया है। एक याचिकाकर्ता ने वक्फ सम्पति की जानकारी अपलोड करने के लिए इस्तेमाल होने वाले उम्मीद पोर्टल में तकनीकी गड़बड़ियों का आरोप लगाया था।मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने शुक्रवार को याचिका खारिज करते हुए याचिकाकर्ता को शिकायतों के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों से संपर्क करने की छूट दी। पीठ ने कहा कि हमें इस रिट याचिका पर सुनवाई का कोई आधार नहीं दिखता। पीठ ने शुरुआत में कहा कि याचिकाकर्ता ने उच्च न्यायालय के बजाय सीधे उच्चतम न्यायालय का दरवाजा क्यों खटखटाया।

फोन टैपिंग में अधिकारी को क्या टूट जाने तक जेल में रखेगी राज्य सरकार

उच्चतम न्यायालय ने तेलंगाना के विशेष खुफिया ब्यूरो (एसआईबी) के पूर्व प्रमुख टी प्रभाकर राव की ओर से फोन टैपिंग मामले में दाखिल अग्रिम जमानत याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई करते हुए राज्य सरकार से पूछा कि क्या उसकी मंशा सेवानिवृत्त अधिकारी को तब तक जेल में रखने की है, जब तक कि वह टूट न जाएं। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और आर महादेवन की पीठ ने सुनवाई के शुरुआत में ही भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के पूर्व अधिकारी को दी गई अंतरिम जमानत के आदेश को स्थायी करने का संकेत दिया।

मुकुल रॉय को अयोग्य विधायक घोषित करने के हाईकोर्ट के फैसले पर रोक

उच्चतम न्यायालय ने कलकत्ता हाईकोर्ट के उस फैसले पर रोक लगा दी, जिसमें वरिष्ठ नेता मुकुल रॉय को भाजपा छोड़कर टीएमसी में शामिल होने के बाद बंगाल विधानसभा के विधायक के रूप में अयोग्य घोषित किया गया था। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने हाईकोर्ट के 13 नवंबर 2025 के आदेश पर रोक लगा दी। दलबदल विरोधी कानून का सहारा लेते हुए हाईकोर्ट ने पहली बार दलबदल विरोधी कानून के तहत किसी निर्वाचित सदस्य को अयोग्य घोषित करने के लिए अपने संवैधानिक अधिकार का प्रयोग किया था।

अनुच्छेद 32 के तहत अधिकार का किया जा रहा दुरुपयोग

उच्चतम न्यायालय ने बंबई हाईकोर्ट में एक याचिका लंबित होने के बावजूद अनुच्छेद 32 के तहत याचिका दायर करने वाले याचिकाकर्ता से शुक्रवार को नाराजगी जताई। अनुच्छेद 32 नागरिकों को मौलिक अधिकारों के उल्लंघन पर शीर्ष अदालत से संवैधानिक उपचार का अनुरोध करने का अधिकार देता है। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालयों में स्थगन जैसे मामलों को लेकर भी अनुच्छेद 32 के तहत याचिकाएं दायर कर इसका दुरुपयोग किया जा रहा है। अनुच्छेद 32 के तहत दायर मामलों की संख्या बढ़ रही है। हर छोटी बात पर, एक स्थगन पर भी, अनुच्छेद 32 के तहत याचिका दायर कर दी जाती है। खासकर दिल्ली के आसपास के लोग अनुच्छेद 32 के तहत याचिकाएं दायर कर रहे हैं। यह क्या है? यह दुरुपयोग है।

बीआरएस विधायकों की अयोग्यता : तेलंगाना विस अध्यक्ष से दो सप्ताह में मांगी रिपोर्ट

उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष से सत्तारूढ़ कांग्रेस में शामिल हुए बीआरएस विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिकाओं के निपटारे की स्थिति के बारे में दो सप्ताह में जानकारी देने को कहा। न्यायमूर्ति संजय करोल और एजी मसीह की पीठ ने अध्यक्ष को अयोग्यता याचिकाओं के निपटारे के लिए उठाए कदमों को दर्शाते हुए स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया। अध्यक्ष ने कार्यवाही समाप्त करने के लिए आठ सप्ताह का समय मांगा था।

तलाकनामा की प्रति मांगने संबंधी याचिका पर अभिनेत्री करिश्मा कपूर से जवाब तलब

उच्चतम न्यायालय ने प्रिया सचदेव कपूर की याचिका पर अभिनेत्री करिश्मा कपूर से जवाब मांगा। याचिका में, प्रिया ने दिवंगत पति संजय कपूर और अभिनेत्री के बीच 2016 में हुए तलाक की प्रमाणित प्रति मांगी है। यह घटनाक्रम इसलिए मायने रखता है, क्योंकि संजय कपूर की पत्नी प्रिया सचदेवा कपूर दिल्ली हाईकोर्ट में कानूनी लड़ाई लड़ रही हैं। पिछले साल सितंबर में, करिश्मा की दो संतान ने संजय कपूर की संपत्ति में हिस्सा पाने के लिए उच्च न्यायालय में याचिका दायर की और उनकी 21 मार्च 2025 की वसीयत को चुनौती दी।

सीआईसी ने पत्रों के मामले में सहकारी रजिस्ट्रार को फटकारा

नई दिल्ली। केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) ने कहा कि सहकारी समितियों के केंद्रीय रजिस्ट्रार (सीआरसीएस) के इस दावे में कोई दम नहीं दिखता कि सहारा जमाकर्ता द्वारा भेजे पत्रों का कार्यालय के स्थानांतरण से पता नहीं लग पा रहा है। इसने इस संबंध में की गई कार्रवाई के बारे में प्राधिकार को चार सप्ताह के भीतर स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया।

- आयोग ने प्राधिकार को चार सप्ताह में रिपोर्ट देने का दिया आदेश

यह मामला सेवानिवृत्त आईएफएस अधिकारी केवल कृष्ण गुप्ता द्वारा दायर आरटीआई आवेदन से संबंधित है, जिसमें उन्होंने सीआरसीएस को भेजे गए कई पत्रों और आदेशों पर की गई कार्रवाई का विवरण मांगा था। इसमें कांगड़ा स्थित जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग द्वारा पारित आदेश भी शामिल हैं, जिसके तहत सहकारी समिति सहारा में जमा राशि उन्हें वापस करने को कहा गया था। अपने जवाब में, सीआरसीएस ने कहा कि आपके आवेदन में उल्लिखित पत्र सहकारी समितियों के केंद्रीय रजिस्ट्रार के कार्यालय में नहीं मिल रहे हैं क्योंकि कार्यालय को वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, नौरोजी नगर, नई दिल्ली स्थित एक नए भवन में स्थानांतरित कर दिया गया है।

निर्वाचन आयोग पर गुमराह करने के राहुल गांधी के आरोप पर भाजपा ने कसा तंज

नई दिल्ली, एजेंसी

भाजपा ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तंज कसते हुए आरोप लगाया कि महाराष्ट्र निकाय चुनाव की मतगणना जारी रहने के दौरान चुनाव प्रक्रिया को बदनाम करके वह लोगों को गुमराह कर रहे हैं। यह प्रतिक्रिया गांधी के इस बयान पर आई है कि वोट चोरी एक राष्ट्र विरोधी कृत्य है और निर्वाचन आयोग नागरिकों को गुमराह कर रहा है।

राहुल ने महाराष्ट्र नगर निकाय चुनाव में मार्कर पेन में इस्तेमाल होने वाली पक्की स्याही की गुणवत्ता पर विवाद के बीच यह बयान दिया। बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने एक्स पर कहा कि बहाना ब्रिगेड की वापसी! गिनती खत्म होने से पहले हार स्वीकार रहे हैं? उन्होंने कहा कि राहुल वही कर रहे हैं जिसमें वह सबसे अच्छे हैं- बदनाम करना, तोड़-मरोड़कर पेश करना और गलत जानकारी देना। पूनावाला ने कहा कि बिहार चुनाव पर राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोपों का क्या नतीजा निकला। भाजपा के एक और राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि हर मौसम में परिवारवादी जांच से बचने के लिए कोई न कोई आरोप लगाते हैं, जो अदालत और जनता की अदालत में बेकार साबित होते हैं। भंडारी ने एक्स पर कहा कि पाकिस्तान से समर्थन पाने वाली देश विरोधी पार्टी, बीएमसी चुनावों में हार सुनिश्चित देखते हुए बलि का बकरा ढूंढ रही है। भाजपा ने कई मौकों पर गांधी के वोट चोरी के आरोपों को बेबुनियाद और अपनी नाकामियों को छिपाने की कोशिश बताया है। भाजपा ने राहुल गांधी और विपक्षी इंडिया गठबंधन के दूसरे नेताओं से पूछा है कि उन्होंने बिहार चुनाव के नतीजों को न्यायालय में या दूसरे मंचों पर चुनौती क्यों नहीं दी।

- राहुल के पक्की स्याही की गुणवत्ता पर विवाद के बीच दिए बयान पर वाकयुद्ध

भाजपा शासित राज्यों में बांग्ला बोलने वाले प्रताड़ित : ममता

कोलकाता, एजेंसी

प. बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि भाजपा शासित राज्यों में प्रवासी मजदूरों को बांग्ला बोलने के कारण प्रताड़ित किया जा रहा है। प्रशासनिक कार्यक्रमों में जाने के लिए उत्तरी बंगाल रवाना हुईं बनर्जी ने कहा कि भाजपा राज्य में दंगे भड़काने की साजिश रच रही है, क्योंकि उसे एहसास है कि वह 2026 का विस चुनाव नहीं जीत पाएगी।

प. बंगाल के बाहर प्रवासी श्रमिकों पर हुए हमलों के विरोध में मुर्शिदाबाद के बेलडांगा में हुए प्रदर्शन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक समुदाय का गुस्सा जायज है। यह प्रदर्शन प्रवासी श्रमिकों के खिलाफ हिंसा की बार-बार होने वाली घटनाओं से हुआ। पुलिस ने बताया कि मुर्शिदाबाद के लोगों ने अन्य राज्यों में जिले के प्रवासी श्रमिकों पर कथित हमलों के विरोध में शुक्रवार को राष्ट्रीय राजमार्ग 12 को अवरुद्ध कर दिया और टायर जलाए, जिससे वाहनों की आवाजाही बाधित हो गई। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि जिले से संबंधित प्रवासी अन्य राज्यों में बांग्ला बोलने के कारण अत्याचार का सामना कर रहे हैं। अधिकारी ने बताया कि काम की तलाश में झारखंड गए मुर्शिदाबाद के एक निवासी की मौत की खबर फैलने के बाद बेलडांगा में प्रदर्शन हुआ। मुख्यमंत्री ने बंगाल में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर निर्वाचन आयोग पर निशाना साधा और दावा किया कि इस कवायद से संबंधित चिंता के कारण 100 लोगों की जान चली गई है। एसआईआर विवाद के बीच बनर्जी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त से कहा कि अपने पद की गरिमा और निष्पक्षता की रक्षा करें, तभी लोग आपका सम्मान करेंगे।

- प्रवासी श्रमिकों पर हो रहे हमलों के विरोध में मुर्शिदाबाद में लोगों ने किया प्रदर्शन

ईडी ने गृह मंत्रालय और कार्मिक विभाग को पक्षकार बनाने का किया अनुरोध

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने असामान्य कदम उठाते हुए उच्चतम न्यायालय में अर्जी दाखिल कर अपनी उस याचिका में केंद्रीय गृह मंत्रालय और कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) को भी पक्षकार बनाने का अनुरोध किया है, जिसमें पश्चिम बंगाल सरकार एवं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर कोयला घोटाले की जांच के क्रम में राजनीतिक परामर्श फर्म आई-पैक के खिलाफ एजेंसी की छापेमारी में दखल देने व बाधा डालने का आरोप लगाया गया है।

आई-पैक छापेमारी

ईडी ने अपनी अर्जी में प्रस्तावित प्रतिवादियों सात, आठ और नौ को वर्तमान आपराधिक रिट याचिका में प्रतिवादी के रूप में शामिल करने का अनुरोध किया है। उसने दलील दी कि ऐसा न करने पर एजेंसी को अपूरणीय हानि और नुकसान का सामना करना पड़ेगा। ईडी यह अर्जी इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि एजेंसी उन रिपोर्ट की प्रामाणिकता की जांच कर रही है, जिनमें कहा गया है कि आई-पैक के कार्यालय पर छापेमारी के दौरान पश्चिम बंगाल की मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती भी ममता के साथ वहां पहुंची थीं। अर्जी के मुताबिक, डीओपीटी और गृह मंत्रालय अपने-अपने सचिव से प्रतिवादी संख्या सात और आठ हैं, जबिक पश्चिम बंगाल राज्य अपने मुख्य सचिव के माध्यम से प्रतिवादी संख्या नौ है।

आईआरसीटीसी घोटाला

राबड़ी की याचिका पर सीबीआई से मांगा जवाब

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद की पत्नी और बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी द्वारा दायर उस याचिका पर सीबीआई से जवाब मांगा, जिसमें आईआरसीटीसी घोटाले के मामले में आरोप तय किए जाने को चुनौती दी गई है।

न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने उनकी याचिका पर नोटिस जारी किया और सुनवाई के लिए 19 जनवरी की तारीख तय की, जिस दिन उनके पति और बेटे तेजस्वी यादव की इसी तरह की याचिकाएं भी सूचीबद्ध हैं। निचली अदालत ने 13 अक्टूबर 2025 को धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश और भ्रष्टाचार के आरोपों में लालू प्रसाद, राबड़ी देवी, तेजस्वी प्रसाद यादव और 11 अन्य के खिलाफ आरोप तय किए। राबड़ी देवी ने कहा कि निचली अदालत ने कथित साजिश में पहले ही मान लिया की उनकी भूमिका है।

वर्ल्ड ब्रीफ

जापान तट के पास से अमेरिकी लड़ाकू विमान रडार से गायब

जापान। जापान के उत्तरी तट के पास अमेरिकी वायुसेना का एक एफ-35ए लड़ाकू विमान रडार से गायब हो गया। फ्लाइट रडार24 सेवा के अनुसार, यह घटना शुक्रवार को उस समय हुई जब विमान ने आपातकालीन संकेत (डिस्ट्रेस सिग्नल) भेजा था। फ्लाइट रडार 24 के आंकड़ों के मुताबिक, लॉकहीड मार्टिन का एफ-35ए लाइटनिंग-दो, लड़ाकू विमान जापान सागर के उत्तरी हिस्से से उड़ान भरकर आओमोरी शहर के दक्षिण में ज़मीनी हिस्से के ऊपर से पूर्व दिशा में गया और फिर उत्तर-पूर्व की ओर मुड़ गया। भारतीय समयानुसार लगभग 03:09 जीएमटी पर यह विमान रडार से ओझल हो गया। उड़ान संबंधी जानकारी में यह भी सामने आया है कि विमान ने उड़ान के दौरान 7700 स्क्वॉक कोड प्रसारित किया था, जिसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आपात स्थिति का संकेत माना जाता है।

ऑस्ट्रेलिया : राजधानी में चार पाइप बम मिले

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया राजधानी क्षेत्र (एसीटी) पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि बेलकोनेन इलाके में चार और पाइप बम मिले हैं, जबकि इस हफ्ते की शुरुआत में 11 बम पहले ही मिल चुके थे। जासूसी विभाग के कार्यवाहक निरीक्षक अन्ना व्रोन्स्की ने गुरुवार को कहा कि 11 उपकरण मिले हैं और कुछ को पहले ही निष्क्रिय कर दिया गया है। इस नई जानकारी के बाद कुल बरामद बमों की संख्या 15 हो गई है। एसीटी की पुलिस ने बुधवार को जनता के लिए एक सामुदायिक चेतावनी जारी की, जिसमें कहा गया कि मध्य कैनबरा से 10 किलो मीटर उत्तर-पश्चिम में बेलकोनेन के उपनगर में पाइप बम मिले हैं। पुलिस जांच अभी भी जारी है।

उट्रेच में विस्फोट से लगी आग, चार घायल

द हेग। डच शहर उट्रेच में गुरुवार दोपहर एक विस्फोट के बाद आग लगने की घटना में चार लोग घायल हो गए। उट्रेच की मेयर शैरन डाइकस्मा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि विस्फोट में घायल दो लोगों का इलाज मौके पर ही एंबुलेंस कर्मियों द्वारा किया गया, मामूली चोटों वाले एक व्यक्ति को अस्पताल ले जाया गया, जबकि चौथा व्यक्ति एक राहगीर है, जिसे घायल होने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। कोई भी गंभीर रूप से घायल नहीं है और किसी के लापता होने की सूचना नहीं है। उट्रेच सेफ्टी रीजन ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है।

दिल्ली में अवैध हथियार बनाने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़

नई दिल्ली, एजेंसी

- दिल्ली पुलिस ने पांच आरोपियों को किया गिरफ्तार, हथियार बरामद

दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, उत्तर प्रदेश और हरियाणा में सक्रिय गैंगस्टर और कुख्यात अपराधियों को कथित तौर पर हथियार मुहैया करने वाले एक अवैध आग्नेयास्त्र निर्माण और आपूर्ति गिरोह का भंडाफोड़ किया गया है।

पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि गणतंत्र दिवस समारोह से पहले अवैध हथियारों पर अंकुश लगाने और जन सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए शुरू किए गए एक विशेष अभियान के तहत की गई कार्रवाई में हत्या सहित जघन्य अपराधों के आरोप में पांच संदिग्ध अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने 20 देसी पिस्तौल, 12 कारतूस और अवैध आग्नेयास्त्र बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाली बड़ी मात्रा में मशीनरी और कच्चा माल जब्त किया।

चार जनवरी को कापसहेड़ा इलाके में पुलिस ने जाल बिछाया और दिल्ली के पालम निवासी भरत उर्फ भारु को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से एक पिस्तौल और एक कारतूस जब्त किया गया। अधिकारी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ शस्त्र कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया, जिसके बाद उससे पूछताछ में एक बड़े पैमाने पर आग्नेयास्त्र निर्माण गिरोह का खुलासा हुआ।

पर्यावरण-समाज पर अलग प्रभाव

आसमानी बिजली

सदियों से आसमानी बिजली लोगों का ध्यान खींचती रही है। यह मिथक, धर्म और लोकप्रिय संस्कृति में बसी हुई है। नॉर्स मिथक में थोर और हिंदू धर्म में इंद्र की बात करें या ऑस्ट्रेलिया में फर्स्ट नेशन्स की चट्टानी कला में दिखाई गई सृजन संबंधी पुरातन कथाओं को देखें, आसमानी बिजली का जिक्र जरूर मिलता है। बिजली के कई प्रकार हैं और यह समाज और पर्यावरण दोनों पर अलग-अलग तरह से असर डालती है। जब बादलों में विद्युत आवेश का निर्माण होता है तब बिजली उत्पन्न होती है। यह कुछ हद तक वैसा ही है जैसे जब आप अपने बालों को कंघी करते हैं या ट्रैम्पोलिन पर कूदते हैं तो बाल खड़े हो जाते हैं, लेकिन बादलों में विद्युत आवेश के निर्माण की प्रक्रिया बहुत अधिक तीव्र होती है। बादलों में यह आवेश तब बनता है जब ठोस और तरल जलकण टकराते हैं, जो गर्म हवा ऊपर उठने और ठंडी हवा नीचे गिरने के कारण होता है।

दो मुख्य प्रकार...

- **इंट्रा-क्लाउड (बादल के भीतर) :** यह बिजली बादल के एक हिस्से से दूसरे हिस्से में जाती है, लेकिन जमीन तक नहीं पहुँचती। इसे देखने पर बादल झिलमिलाता हुआ दिखाई देता है।
- **क्लाउड-टू-ग्राउंड (बादल से जमीन तक) :** यह तब होता है जब बादल और जमीन के बीच विद्युत आवेश का अंतर बहुत अधिक होता है। यह मानव सुरक्षा के लिए खतरनाक हो सकती है और हर साल कई मौतों का कारण बनती है। इसे हम कहते हैं कि बिजली गिर गई।

गर्म होती दुनिया में बिजली

- गर्म हवा अधिक जल वाष्प रख सकती है, जिससे अधिक तीव्र तूफान और बिजली आ सकती है। यदि भविष्य में आसमानी बिजली कड़कने की आवृत्ति बढ़ती है तो यह वातावरण में ओज़ोन पैदा कर सकती है, जो गर्मी और वायु प्रदूषण बढ़ाने में योगदान देती है। हालांकि, बिजली ग्लोबल वार्मिंग का मुख्य कारण नहीं है। अगली बार जब आप तूफान में बिजली का करिश्मा देख रहे हों तो सोचें कि यह कितने अलग रूप ले सकती है। यह न केवल हमारे ग्रह का चमत्कार है, बल्कि अन्य ग्रहों पर भी इसकी मौजूदगी है। जब आवेश अत्यधिक बढ़ जाता है, तो बिजली हवा के माध्यम से प्रवाहित होती है, जिसे हम चमक के रूप में देखते हैं। चमक और गरज के बीच का समय देखकर बिजली की दूरी का अनुमान लगाया जा सकता है। वैसे, बिजली सिर्फ पृथ्वी पर ही नहीं पाई जाती, वैज्ञानिकों ने हाल ही में मंगल ग्रह पर भी इसे देखा है।

दुर्लभ प्रकार ...

सुनने में भले ही अजीब लगे लेकिन बिजली के दुर्लभ प्रकार भी होते हैं।

- **पायरोजेनिक बिजली** : यह कभी-कभी बड़े जंगल की आग के दौरान धुएं में उत्पन्न होती है और नई आग जला सकती है।
- **ट्रांजिएंट ल्यूमिनस इवेंट्स** : इनमें स्प्राइट्स, ब्लू जेट्स, ईएलवीईएस और पीआईएक्सआईईएस शामिल हैं। स्प्राइट्स लाल झील जैसी दिखती हैं, ब्लू जेट्स नीली किरणें हैं जो ऊपर की ओर जाती हैं, ईएलवीईएस लाल पुंज के रूप में दिखते हैं और पीआईएक्सआईईएस बिजली के नीले रंग की चमक के छोटे फ्लैश हैं।
- **बॉल लाइटनिंग** : कई लोगों ने इसे देखने का दावा किया है, लेकिन इसे वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित नहीं किया गया है।

रूस ने की ईरान में दखलंदाजी व बल प्रयोग की धमकियों की निंदा

सुरक्षा परिषद की बैठक में दी चेतावनी-अमेरिका अपने बढ़ते कदमों को रोके

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

रूस ने ईरान के खिलाफ बाहरी दखल, हिंसा भड़काने और बल प्रयोग की धमकियों के सभी रूपों की निंदा की है। संयुक्त राष्ट्र में रूस राजदूत वसीली नेबेंजिया ने गुरुवार को कहा कि उनका देश ईरान के खिलाफ बाहरी दखल, हिंसा भड़काने और बल प्रयोग की धमकियों के सभी रूपों की निंदा करता है। उन्होंने ईरान की स्थिति पर सुरक्षा परिषद की बैठक में अमेरिका से अपने बढ़ते कदमों को रोकने का आग्रह किया और कहा कि हाल के दिनों में अमेरिकी नेतृत्व की बेहद खतरनाक और गैर-जिम्मेदाराना बयानबाजी इतनी आगे बढ़ गई है कि वह खुले तौर पर ईरान के सरकारी संस्थानों पर कब्जा और प्रदर्शनकारियों की मदद करने की धमकी दे रही है।

उन्होंने कहा कि ऐसे बयान एक संप्रभु राष्ट्र की संवैधानिक व्यवस्था को हिंसक रूप से उखाड़ फेंकने के लिए उकसाने के अलावा और कुछ नहीं हैं। नेबेंजिया ने कहा कि ईरान में जो हो रहा है, वह रंग क्रांति के लिए आजमाए हुए तरीकों के इस्तेमाल का एक और उदाहरण है, जिसमें विशेष रूप से उकसाने वाले शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों को बेमतलब की हिंसा में बदल देते हैं। जैसा कि हमने पहले ही कई देशों में बार-बार देखा है, ये सभी कार्रवाई या तो बाहरी ताकतों द्वारा निर्देशित या समर्थित हैं जो शासन परिवर्तन में रुचि रखते हैं। रूसी राजदूत ने कहा कि अमेरिका और उसके समर्थक आम ईरानियों को होने वाली आर्थिक और सामाजिक मुश्किलों का फायदा उठा रहे हैं जो पश्चिमी देशों द्वारा ईरान पर लगाए गए गैर-कानूनी प्रतिबंधों के कारण हुई हैं । इनका मकसद लोगों में तनाव उत्पन्न करना और देश की राजनीतिक स्थिति को अस्थिर करना है। सबसे चिंता की बात अमेरिका का ईरान के खिलाफ सैन्य बल प्रयोग की धमकी है।

पुतिन ने नेतन्याहू, पेजेशक्यान से की फोन पर बात

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ फोन पर बातचीत की और पश्चिम एशिया की स्थिति एवं ईरान से जुड़े घटनाक्रमों पर चर्चा की। रूसी राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन की ओर से जारी बयान के अनुसार पुतिन ने पश्चिम एशिया में स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए राजनीतिक और राजनयिक प्रयासों को तेज करने के पक्ष में रूस के रुख को दोहराया। पुतिन ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशक्यान से भी टेलीफोन पर बात की। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि पुतिन क्षेत्र में तनाव को कम करने के उद्देश्य से प्रयास जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में तनाव अभी भी चरम पर है, क्योंकि ट्रंप ईरान पर हमले के विकल्पों पर विचार कर रहे हैं।

ट्रंप से ईरान पर हमले टालने का किया आग्रह

वाशिंगटन। अमेरिका के कई पश्चिम एशियाई सहयोगियों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन से प्रदर्शनकारियों पर ईरान सरकार की घातक कार्रवाई को लेकर उसके खिलाफ हमलों की योजना टालने का आग्रह किया है। अरब के एक राजनयिक ने अपना नाम गोपनीय रखे जाने की शर्त पर बताया कि मिस्र, ओमान, सऊदी अरब और कतर के शीर्ष अधिकारियों ने पिछले 48 घंटे में चिंता जताई है कि अमेरिकी सैन्य हस्तक्षेप वैश्विक अर्थव्यवस्था को हिला देगा तथा पहले से ही अस्थिर क्षेत्र को और अस्थिर कर देगा। व्हाइट हाउस प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि ईरान के मामले में ट्रंप के लिए सभी विकल्प खुले हैं। कहा कि सच्चाई यह है कि केवल राष्ट्रपति ट्रंप ही जानते हैं कि वह क्या करने जा रहे हैं।

संरा प्रमुख ने की वैश्विक कानून के उल्लंघन की निंदा

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने कुछ देशों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय कानून का खुलेआम उल्लंघन किए जाने की कड़ी निंदा करते हुए जोर देकर कहा कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर कोई ऐसा मेन्यू (व्यंजन सूची) नहीं है, जिसमें से अपनी पसंद का नियम चुना जा सके। गुतारेस ने कहा कि जब नेता अपनी सुविधा के हिसाब से यह चुनते हैं कि किस नियम को मानना है और किसे नहीं तो वे दुनिया की व्यवस्था को कमजोर करते हैं और एक बेहद खतरनाक मिसाल कायम करते हैं।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव के रूप में अपने कार्यकाल के अंतिम वर्ष में प्रवेश कर रहे गुतारेस ने गुरुवार को 193 सदस्यीय महासभा में कहा कि वह 2026 के हर दिन को सार्थक बनाएंगे और वह बेहतर दुनिया के लिए काम करने, लड़ने एवं प्रयास जारी रखने को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध तथा दृढ़ संकल्पित हैं। वेनेजुएला में हालिया अमेरिकी सैन्य कार्रवाई, 2022 में रूस के यूक्रेन पर आक्रमण तथा अन्य भू-राजनीतिक चुनौतियों की पृष्ठभूमि में गुतारेस ने कहा कि दुनिया संघर्ष, असमानता और अनिश्चितता से भरी हुई है। उन्होंने कहा कि एक ऐसी दुनिया जो आत्मघाती भू-राजनीतिक विभाजनों... अंतर्राष्ट्रीय कानून के धड़ल्ले से उल्लंघनों, विकास एवं मानवीय सहायता में कटौती से ग्रस्त है।

आत्मनिर्णय के अधिकार का दुरुपयोग न किए जाए

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

- पाकिस्तान के विभाजनकारी एजेंडे पर संरा में बोला भारत

भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में पाकिस्तान द्वारा जम्मू कश्मीर का मुद्दा उठाए जाने के बाद इस विश्व निकाय के मंचों का अपने विभाजनकारी एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए दुरुपयोग करने पर इस्लामाबाद से कड़ी नाराजगी जताई। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन में काउंसलर एल्डोस मैथ्यू पुन्नूज ने गुरुवार को कहा कि आत्मनिर्णय के अधिकार का दुरुपयोग लोकतांत्रिक देशों में अलगाववाद को बढ़ावा देने के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब सदस्य देशों को संकीर्ण विचारों से ऊपर उठना चाहिए, पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र के सभी मंचों और प्रक्रियाओं का दुरुपयोग कर अपने विभाजनकारी एजेंडे को आगे बढ़ाता रहा है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के पूर्ण सत्र में संगठन के कार्य पर महासचिव की रिपोर्ट पर पुन्नूज ने कहा कि यह मंच भी इसका अपवाद नहीं है और पाकिस्तान ने भारत के अभिन्न और अविभाज्य अंग जम्मू कश्मीर का अनुचित उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्णय का अधिकार संयुक्त राष्ट्र चार्टर में निहित एक मौलिक सिद्धांत है। हालांकि, इस अधिकार का दुरुपयोग लोकतांत्रिक देशों में अलगाववाद के प्रोत्साहन के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

कश्मीर मुद्दा उठाने पर बिफरा भारत

भारत की कड़ी प्रतिक्रिया संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत आसिम इफ्तिखार अहमद द्वारा महासभा में अपने वक्तव्य में जम्मू कश्मीर का संदर्भ दिए जाने के बाद आई। पाकिस्तान बार-बार संयुक्त राष्ट्र और उसके विभिन्न मंचों पर जम्मू कश्मीर का मुद्दा उठाता रहा है, लेकिन इस मामले में उसे व्यापक अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से कोई खास समर्थन नहीं मिला है। अपने वक्तव्य में पुन्नूज ने यह भी कहा कि ग्लोबल साउथ को विकास वित्तपोषण, जलवायु न्याय और वित्त समेत कई क्षेत्रों में विशिष्ट विकास संबंधी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

निपाह वायरस को लेकर झारखंड में राज्य सरकार ने जारी किया अलर्ट

रांची, एजेंसी

झारखंड स्वास्थ्य विभाग ने पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल में निपाह वायरस के दो मामलों की पुष्टि के मद्देनजर एक परामर्श जारी करते हुए सभी जिलों के सिविल सर्जन को सतर्कता बढ़ाने और निगरानी तेज करने के निर्देश दिए हैं। एक अधिकारी ने शुक्रवार को कहा कि झारखंड में अब तक निपाह का कोई पुष्ट मामला सामने नहीं आया है लेकिन प्रभावित क्षेत्रों से लोगों की आवाजाही संभावित खतरा पैदा कर सकती है।

स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार ने कहा, रोग की अत्यधिक संक्रामक प्रकृति और

- परामर्श जारी, जिलों में निगरानी बढ़ाने के दिए गए निर्देश

इसकी उच्च मृत्यु दर को देखते हुए विभाग ने निरंतर निगरानी की आवश्यकता पर जोर दिया है। निपाह वायरस मुख्य रूप से चमगादड़ों से मनुष्यों और जानवरों में फैलता है। इसका संक्रमण चमगादड़ों की लार या मूत्र से दूषित फलों या कच्चे खजूर के रस के सेवन से या संक्रमित व्यक्तियों और उनके शारीरिक द्रवों के निकट संपर्क से भी फैल सकता है।

परामर्श में निपाह के लक्षणों में तेज बुखार, सिरदर्द, चक्कर आना, खांसी, सांस लेने में कठिनाई, गले में खराश, मानसिक स्थिति में बदलाव तथा दौरे और कोमा जैसी तंत्रिका संबंधी गंभीर जटिलताओं का उल्लेख किया गया है। इसमें कहा गया है, जिलों को निर्देश दिया जाता है कि वे निपाह प्रभावित क्षेत्रों से आने वाले व्यक्तियों की विशेष रूप से जांच और निगरानी करें, ताकि किसी संभावित प्रकोप को रोका जा सके। संदिग्ध मामलों की एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम को तुरंत सूचना दी जाए।

द. कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति यून को 5 साल कैद की सजा

सियोल। दक्षिण कोरिया की एक अदालत ने शुक्रवार को पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल को पांच साल कैद की सजा सुनाई। यह फैसला उनके द्वारा मार्शल लॉ लगाए जाने और अन्य आरोपों को लेकर उनके खिलाफ आठ आपराधिक मुकदमों में पहला निर्णय है। संबंधित आरोपों के कारण उन्हें पद से हटना पड़ा था। दिसंबर 2024 में मार्शल लॉ लागू किए जाने के बाद व्यापक विरोध भड़क उठा, जिसमें लोगों ने उनके इस्तीफे की मांग की। इसके बाद यून सुक योल पर महाभियोग लगाया गया, उन्हें राष्ट्रपति पद से हटा दिया गया। उन पर लगे सबसे गंभीर आरोपों में मार्शल लॉ लागू किया जाना देश में विद्रोह करने के बराबर है।

गाजा योजना के दूसरे चरण की हुई शुरुआत, ट्रंप ने बनाया शांति बोर्ड

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा की निगरानी के लिए शांति बोर्ड के गठन की घोषणा की है। यह घोषणा इजराइल और हमास के बीच दो साल के संघर्ष के पश्चात हुए संघर्ष विराम के कुछ महीने बाद की गई है। गाजा संघर्ष को समाप्त करने के लिए अपनी 20 सूत्री शांति योजना के दूसरे चरण के रूप में ट्रंप ने संघर्ष विराम से अपना ध्यान हटाकर विसैन्यीकरण, तकनीकी शासन एवं पुनर्निर्माण पर केंद्रित किया है।

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा कि अमेरिका ने आधिकारिक रूप से गाजा शांति

- इजराइल और हमास के बीच संघर्ष विराम के बाद की घोषणा

योजना के अगले चरण में प्रवेश कर लिया है जिसका मुख्य कारण संघर्ष विराम के दौरान वितरित की गई मानवीय सहायता का रिकॉर्ड स्तर है। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, संघर्ष विराम के बाद से लगातार मेरी टीम ने गाजा में रिकॉर्ड स्तर की मानवीय सहायता पहुंचाने में मदद की है जिससे ऐतिहासिक गति से बड़ी संख्या में नागरिकों तक सहायता पहुंची है। यहां तक कि संयुक्त राष्ट्र ने भी इसे अभूतपूर्व उपलब्धि बताया है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट किया, मुझे घोषणा करते हुए अत्यंत गर्व महसूस हो रहा है कि शांति बोर्ड का गठन हो चुका है। बोर्ड के सदस्यों की घोषणा शीघ्र ही की जाएगी लेकिन मैं विश्वासपूर्वक कह सकता हूं कि यह अब तक किसी भी समय, किसी भी स्थान पर गठित किया गया सबसे महान एवं प्रतिष्ठित बोर्ड है। ट्रंप ने विशेष दूत स्टीव विटकॉफ का हवाला देते हुए घोषणा किया कि हमने आधिकारिक रूप से गाजा की 20 सूत्री शांति योजना के अगले चरण में प्रवेश कर लिया है।

ब्रिटेन ने बांग्लादेश में प्रत्येक तरह की हिंसा की निंदा की

लंदन। ब्रिटेन सरकार ने बांग्लादेश में हर तरह की हिंसा की निंदा की और शांतिपूर्ण एवं विश्वसनीय चुनाव कराने की अपील की है। बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों की हत्याओं का मुद्दा ब्रिटिश संसद के निचले सदन हाउस ऑफ कॉमन्स में उठाये जाने पर ब्रिटेन सरकार ने यह बात कही।

विपक्षी कंजर्वेटिव पार्टी के सांसद बॉब ब्लैकमैन ने गुरुवार को संसद में लेबर पार्टी नीत सरकार से अल्पसंख्यकों की रक्षा के लिए हस्तक्षेप करने और यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि (बांग्लादेश में) फरवरी में होने वाले चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष हों।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 17 जनवरी, शनिवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-कृष्ण पक्ष, चतुर्दशी 18 जनवरी 00.03 तक तत्पश्चात अमावस्या।

आज का पंचांग

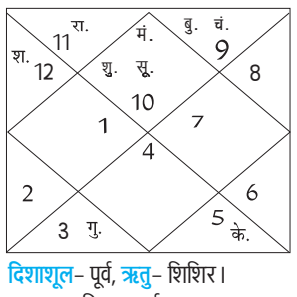

दिशाशूल- पूर्व, ऋतु- शिशिर।
चन्द्रबल- मिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुंभ, मीन।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- मूल 08.12 तक तत्पश्चात पूर्वाषाढ़ा।

मेष — आज किसी प्रिय व्यक्ति से आपकी मुलाकात हो सकती है। व्यापार में आपको बड़े प्रोजेक्ट्स मिलने के योग बन रहे हैं। आपके परिवार में प्रेम और सामंजस्य अच्छा रहेगा। सरकारी सेवा से जुड़े लोगों को बड़ा पद मिल सकता है।

वृष — आज नव विवाहित आज काफी रोमान्टिक पल बितायेंगे। भाई-बहनों के साथ हँसी-मजाक का आनंद उठाएंगे। बच्चे माता-पिता की आज्ञा का पालन करेंगे। बुजुर्गों की सेहत का ध्यान रखें। विद्यार्थी पढ़ाई में आप फोकस बनाए रखें।

मिथुन — आज घर और समाज के कार्यों में आपके योगदान की लोग काफी प्रशंसा करेंगे। बच्चों के प्रति आपका मोह बढ़ेगा। घर का वातावरण सुमधुर रहेगा। व्यक्तिगत कार्यों को लेकर बड़ा जोखिम न लें। विपरीत लिंग के लोग आपसे काफी आकर्षित हो सकते हैं।

कर्क — आज किसी प्रिय मित्र से परेशानी का अनुभव कर सकते हैं। यात्रा के दौरान असुविधा होने की संभावना रहेगी। भावनाओं के बजाय समझदारी से काम करना आपके लिए हितकर होगा। बातचीत के दौरान शब्दों की मर्यादा का ध्यान रखें।

सिंह — आज करियर को लेकर नए मार्ग खुल सकते हैं। उच्च अधिकारी आपकी उन्नति से काफी उत्साहित रहने वाले हैं। अपने से बड़ों की बातें ध्यान से सुनें। अफवाहों से बचने का प्रयास करें। सोशल मीडिया पर सावधानी पूर्वक व्यवहार करें।

कन्या — आज एकांत और शांति में समय बिताना आपको काफी पसंद होगा। नौकरीपेशा लोग जातक धन की आवक को लेकर थोड़े चिंतित हो सकते हैं। निवेश के लिए समय अच्छा है। भविष्य को लेकर योजना बनाएंगे।

तुला — आज कार्यक्षेत्र में काम का दबाव रहेगा, जो आपके चेहरे पर भी दिखलाई देगा। अपने जीवनमूल्यों को लेकर काफी गौरव की अनुभूति कर सकते हैं। घर की सफाई के दौरान कोई पुरानी, लेकिन जरूरी वस्तु आपको मिल सकती है।

वृश्चिक — आज व्यापारी उधार में माल की बिक्री करने से बचें तो उत्तम होगा। अधिक लाभ की अपेक्षा आपको नहीं करनी चाहिए। अपने अधिकारों का गलत उपयोग करने के कारण अपमान झेलना पड़ सकता है।

धनु — आज आप नया कारोबार शुरू कर सकते हैं। किसी निकटस्थ व्यक्ति से शुभ समाचार मिलेगा। जटिल कार्यों को सरलता से पूर्ण कर लेंगे। समाज में आपको लोकप्रियता मिलेगी। प्रेमी जन के साथ बहुत अच्छा समय बिताएंगे।

मकर — आज आर्थिक योजना बनाने के लिए दिन विशेष रूप से शुभ है। कारोबार में परंपरागत तरीकों का पालन करें। आपको सामाजिक नियमों का कड़ाई से पालन करना चाहिए। प्रशासन से जुड़े लोग अपनी जिम्मेदारियों को लेकर काफी निष्ठावान रहें।

कुंभ — आज आपका स्वास्थ्य बहुत ही अच्छा रहेगा। कुछ नजदीकी लोग ही आपको धोखा दे सकते हैं। इसीलिए लोगों की बातों पर अधिक ध्यान न दें। आपके भीतर आंतरिक ऊर्जा और उत्साह का संचार होगा। कार्यक्षेत्र में काफी तीव्रता के साथ काम करेंगे।

मीन — आज अति आत्मविश्वास के कारण आपके काम बिगड़ सकते हैं। भाग्य का पूरा साथ नहीं मिलेगा। मन में कुंठा की भावना न पनपने दें। दूसरों के दोष दर्शन में अपना समय व्यर्थ न करें। नौकरी पेशा लोगों को सावधानी से काम करना चाहिए।

सुडोकू-34

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

5		3		9			6	
	7		8				5	1
4			6			3		
	3			1			4	
1		4			2		3	
			3			1		6
3				5			1	
8			4				7	3
		5			8	6		

सुडोकू - 33 का हल

8	1	2	6	7	5	3	9	4
3	6	5	1	4	9	8	2	7
9	7	4	3	8	2	5	1	6
1	9	6	5	2	7	4	3	8
2	4	3	8	6	1	9	7	5
7	5	8	4	9	3	1	6	2
6	3	1	2	5	8	7	4	9
5	2	7	9	1	4	6	8	3
4	8	9	7	3	6	2	5	1

पुरुषों को कोचिंग देने की तुलना में महिलाओं को कोचिंग देने में ज्यादा बातचीत की जरूरत होती है। मैं हर दिन ख़ुद को भी सिखा रहा हूं कि, सुनो अभिषेक, अपना मुंह खोलो, बात करो, और कभी-कभी आपको ऐसा करना पड़ता है।
-अभिषेक नायर, यूपी वॉरियर्ज के कोच

स्टेडियम

मुरादाबाद, शनिवार, 17 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

पंजाब- विदर्भ के बीच विजय हजारे ट्रॉफी की होगी खिताबी जंग

बेंगलुरु। चेतन साकरिया (चार विकेट) के बाद विश्वराज जडेजा (नाबाद165), कप्तान हार्विक देसाई (64) और प्रेरक मांकड (नाबाद 52) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत सौराष्ट्र ने शुक्रवार को दूसरे सेमीफाइनल में पंजाब को 63 गेंदें शेष रहते नौ विकेट से हराकर विजय हजारे ट्रॉफी के खिताबी मुकाबले में जहग बना ली है। जहां उसका मुकाबला विदर्भ से होगा। 292 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सौराष्ट्र के लिए कप्तान हार्विक देसाई और विश्वराज जडेजा की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 172 रनों की साझेदारी कर अपनी टीम के जीत की नींव रखी। प्रेरक मांकड ने विश्वराज जडेजा के साथ 121 रनों की अविजित साझेदारी कर अपनी टीम 39 .3 ओवरों एक विकेट पर 293 रन बनाकर अपनी टीम को नौ विकेट से जीत दिला दी।

फेडरर रॉड लेवर एरिना में लौटे, रूड के साथ अभ्यास किया

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपनी आखिरी उपस्थिति के छह साल बाद, रोजर फेडरर मेलबर्न के कोर्ट पर वापस आ गए हैं। स्विस दिग्गज शुक्रवार को 2020 के बाद पहली बार कैस्पर रूड के साथ प्रैक्टिस सेशन के लिए रॉड लेवर एरिना लौटे। फेडरर, जिन्होंने 2022 में प्रोफेशनल टेनिस से संन्यास ले लिया था, अपने करियर में रूड का सामना सिर्फ एक बार किया था। उनकी एकमात्र लेक्सस हेड2हेड भिड़ंत 2019 में रौलां गैरो के चौथे राउंड में हुई थी, जब फेडरर ने नॉर्वेजियन खिलाड़ी को सीधे सेटों में हराया था। 44 साल के खिलाड़ी ने अपने 20 ग्रैंड स्लैम खिताबों में से छह ऑस्ट्रेलियन ओपन में जीते हैं। टूर्नामेंट में उनका जीत-हार का रिकॉर्ड 102-15 है। उन्होंने आखिरी बार 2020 में मेलबर्न में खेला था, जब वह सेमीफाइनल में आखिरकार चैंपियन बने नोवाक जोकोविच से हार गए थे।

बाएज और मेनसिक में होगा खिताबी मुकाबला

ऑकलैंड। विश्व रैंकिंग में आठवें नंबर के खिलाड़ी और यहां शीर्ष वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन को एटीपी 250 टेनिस टूर्नामेंट ऑकलैंड ओपन के दो दिन तक चले क्वार्टर फाइनल मैच में हार का सामना करना पड़ा। शेल्टन अर्जेंटीना के सेबेस्टियन बाएज से 7-5, 6-3 से हार गए, जो गैरवरीयता प्राप्त हैं और विश्व रैंकिंग में 39वें स्थान पर हैं। गुरुवार रात को भारी बारिश के कारण यह मैच स्थगित करना पड़ा था। बाएज ने शुक्रवार को बाद में हुए सेमीफाइनल में अमेरिका के एक अन्य खिलाड़ी मार्कोस गिरोन को 6-1, 6-4 से हराया। बारिश के कारण खेल बाधित होने की वजह से तीन क्वार्टरफाइनल और दोनों सेमीफाइनल एक ही दिन खेले गए। फाइनल में बाएज का मुकाबला तीसरी वरीयता प्राप्त याकूब मेनसिक से होगा, जिन्होंने सेमीफाइनल में फैबियन मारोज़सन को 7-6(9), 4-6, 6-1 से हराया। मारोज़सन ने पहले दौर में मौजूदा चैंपियन गेल मोनफिल्स और दूसरे दौर में दूसरी वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड को हराया था।

मुझे डेल स्टेन की आक्रामकता बहुत पसंद है : हेनिल

अंडर-19 विश्व कप

बुलावायो, एजेंसी

अमेरिका के खिलाफ अंडर-19 विश्व कप के पहले मैच में पांच विकेट लेकर भारत की छह विकेट से जीत में अहम भूमिका निभाने वाले तेज गेंदबाज हेनिल पटेल ने कहा कि उन्हें दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज तेज गेंदबाज डेल स्टेन की मैदान पर आक्रामकता से प्रेरणा मिलती है। पटेल ने गुरुवार को यहां खेले गए मैच में 16 रन देकर पांच विकेट लिए जिससे पांच बार के चैंपियन भारत ने अपने अभियान की शानदार शुरुआत की।

यह पुरुषों के अंडर-19 विश्व कप में किसी भारतीय गेंदबाज का तीसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे बेहतर प्रदर्शन केवल कमल पासी (2012 में जिम्बाब्वे के खिलाफ 23 रन देकर छह विकेट) और अनुकूल रॉय (2018 में पापुआ न्यू गिनी के खिलाफ 14 रन देकर पांच विकेट) ने किया है। पटेल ने आईसीसी डिजिटल से कहा मुझे डेल स्टेन की आक्रामकता बहुत पसंद है। उनकी गेंदबाजी इतनी अच्छी थी कि कोई भी बल्लेबाज उनके सामने खुलकर नहीं खेल पाता था। उनका सामना करना बहुत मुश्किल था। पटेल के पांच में से तीन विकेट अपने शुरुआती स्पेल में लिए। इस 18 वर्षीय खिलाड़ी ने खुलासा किया कि गेंदबाजी की शुरुआत करते समय उनकी सफलता की कुंजी विकेट को निशाना बनाकर गेंदबाजी करना था। पटेल ने कहा मैं हमेशा बल्लेबाज को तीन से चार गेंदों के भीतर आउट करने के बारे में सोचता हूं। मेरा मकसद जल्दी विकेट लेना है। मैं इसी मानसिकता के साथ खेलता हूं और शांति से अपने काम को अंजाम देता हूं। मैं सकारात्मक मानसिकता के साथ अभ्यास करता हूं और मैच में भी यही प्रक्रिया अपनाता हूं। इस बीच भारतीय कप्तान आयुष म्हात्रे ने स्वीकार किया कि उनकी टीम को अमेरिका के खिलाफ मैच में कम विकेट खोकर जीत हासिल करनी चाहिए थी।

बांग्लादेश के खिलाफ जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा भारत

बुलावायो। पहले मैच में आत्मविश्वास से भरी जीत हासिल करने के बाद भारतीय टीम शनिवार को यहां आईसीसी अंडर-19 विश्व कप के अपने दूसरे मैच में बांग्लादेश की कड़ी चुनौती के बावजूद जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी। पांच बार की चैंपियन भारत ने बारिश से प्रभावित मैच में अमेरिका को केवल 107 रन पर आउट करके छह विकेट से जीत दर्ज करके अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज हेनिल पटेल ने सात ओवरों में 16 रन देकर पांच विकेट लिए जबकि अन्य गेंदबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय बल्लेबाजी क्रम में कई स्टार खिलाड़ी शामिल हैं। उसके बल्लेबाज बांग्लादेश के खिलाफ क्रीज पर लंबा समय बिताने की उम्मीद करेंगे क्योंकि अमेरिका के खिलाफ उन्हें खेलने का पर्याप्त मौका नहीं मिला। बांग्लादेश को कमजोर नहीं आंका जा सकता है और उसकी टीम आयुष म्हात्रे के नेतृत्व वाली टीम के सामने कड़ी चुनौती पेश कर सकती है।

ऑस्ट्रेलिया ने आयरलैंड को 8 विकेट से पीटा

विंडहोक। स्टीवन होगान (नाबाद 115) की शानदार शतकीय पारी और उनकी नितेश सैमुअल (नाबाद 77) के साथ दूसरे विकेट के लिए 186 रन की जबरदस्त साझेदारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने पुरुष अंडर-19 विश्व कप के पांचवें मुकाबले में शुक्रवार को आयरलैंड को 62 गेंद शेष रहते आठ विकेट से पीट दिया। आयरलैंड ने रॉब ओ'ब्रायन (79) और फ्रेडी ओगिल्बी (49) की जुझारू पारियों के दम पर सात विकेट पर 235 रन का सम्मानजक स्कोर बनाया लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने 39 .4 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर 237 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया।

निर्णायक मुकाबले में भारत की निगाह होगी कुलदीप और स्पिन रणनीति पर

न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार को होगा तीसरा व अंतिम एकदिवसीय मैच

इंदौर, एजेंसी

भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार को होने वाले तीसरे और निर्णायक एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच के लिए अपने गेंदबाजी संयोजन पर पुनर्विचार करना पड़ सकता है, क्योंकि पहले दो मैचों में उसके स्पिन गेंदबाज अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए जबकि उसके बल्लेबाजों को कीवी टीम के धीमी गति के गेंदबाजों के सामने संघर्ष करते हुए देखा गया।

राजकोट में खेले गए दूसरे वनडे मैच में न्यूजीलैंड ने आसानी से जीत हासिल कर श्रृंखला 1-1 से बराबर कर ली, जिसमें भारत की बीच के ओवरों की कमजोरियां उजागर हो गईं। इनमें सबसे अधिक संघर्ष कुलदीप यादव को करना पड़ा जो न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों के सामने ना तो नियंत्रण बना सके और ना ही विकेट लेने का खतरा पैदा कर सके। इस मैच में शतक लगाने वाले डैरिल मिचेल ने उनकी गेंदों पर आसानी से रन बटोरे। कुलदीप की ''लेंथ और लाइन'' दोनों पर हमला किया गया, जिसमें विशेष रूप से मिचेल ने अपने पैरों का अच्छा इस्तेमाल करते हुए गेंद के टर्न को बेअसर किया और बीच के ओवरों में भारतीय रणनीति को नाकाम कर दिया। कीवी बल्लेबाजों ने उनकी गेंदों को बहुत प्रभावी ढंग से स्वीप किया। यह रणनीति उनके लिए टेस्ट मैचों में भी कारगर साबित हुई थी। भारत के स्पिनर बल्लेबाजों पर लगातार दबाव नहीं बना पाए। इसके विपरीत न्यूजीलैंड के स्पिनरों ने भारतीय बल्लेबाजों को खुलकर नहीं खेलने दिया। इंदौर का मैदान अपनी छोटी बाउंड्री और बल्लेबाजी के अनुकूल पिचों के लिए जाना जाता है। इसलिए यहां विविधता के बजाय अनुशासित गेंदबाजी करना अधिक महत्व रखता है। भारत के गेंदबाजों विशेषकर कुलदीप को गेंद को अधिक सपाट रखना होगा, स्टंप्स पर आक्रमण करना होगा और मैदान के बड़े हिस्सों का पूरी चतुराई के साथ इस्तेमाल करना होगा।

कप्तान शुभमन गिल के साथ कुलदीप यादव। एजेंसी

अर्शदीप सिंह पर असमंजस बरकरार

यह देखना दिलचस्प होगा कि बाएं हाथ के गेंदबाज अर्शदीप सिंह को मौका दिया जाता है या नहीं। अगर अर्शदीप सिंह को टीम में दिया जाता है तो प्रसिद्ध कृष्णा को बाहर होना पड़ेगा लेकिन पिछले दो मैच में उनका प्रदर्शन खराब नहीं रहा है। प्रसिद्ध की गेंदबाजी की लेंथ उनके खिलाफ जा सकती है। उनकी स्वाभाविक लेंथ बैक ऑफ द लेंथ है, जिसका फायदा छोटे मैदानों पर उठाया जा सकता है, जबकि अर्शदीप अपनी फुल लेंथ गेंदबाजी से होलकर स्टेडियम में अधिक कारगर साबित हो सकते हैं। मोहम्मद सिराज निश्चित रूप से गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई करेंगे। जहां तक बल्लेबाजी का सवाल है तो भारत के मुख्य बल्लेबाजों में किसी तरह के बदलाव की संभावना नहीं है। कप्तान शुभमन गिल, रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल और श्रेयस अय्यर केंद्र में बने हुए हैं।

मैच के दौरान चर्चा करतीं ऋचा घोष व राधा यादव। एजेंसी

आरसीबी ने गुजरात को दिया 183 रनों का लक्ष्य

नवी मुंबई, एजेंसी

महिला प्रीमियर लीग

- राधा यादव ने खेली शानदार अर्धशतकीय पारी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने भारतीय क्रिकेटर राधा यादव (66 रन) के अर्धशतक और उनकी ऋचा घोष (44 रन) के साथ पांचवें विकेट के लिए 105 रन की भागीदारी से शुक्रवार को यहां महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) मैच में गुजरात जायंट्स के खिलाफ 20 ओवर में सात विकेट पर 182 रन बनाए।

राधा और ऋचा उस समय बल्लेबाजी करने आई जब टीम को मजबूत भागीदारी की दरकार थी। उन्होंने एक महत्वपूर्ण शतकीय साझेदारी करके टीम को प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाया। शुरू में जल्दी विकेट गंवाने से टीम का स्कोर चार विकेट पर 43 रन था जिसके बाद राधा ने 47 गेंद में 66 रन और ऋचा ने 28 गेंद में 44 रन बनाए। इन दोनों की भागीदारी से गुजरात जाएंट्स की गेंदबाज निराश हो गईं क्योंकि शुरू में वे प्रतिद्वंद्वी टीम को कम स्कोर पर रोकने की ओर बढ़ रही थीं। गुजरात जाएंट्स की युवा तेज गेंदबाज काशवी गौतम ने 42 रन देकर दो विकेट झटके। उन्होंने विकेट का फायदा उठाकर आरसीबी की बल्लेबाजों को परेशान किया। उनके अलावा सोफी डिवाइन ने 31 रन देकर तीन विकेट झटके। काशवी ने सलामी बल्लेबाज ग्रेस हैरिस और दयालन हेमलता को जल्दी आउट किया। रेणुका सिंह ने अपने पहले महंगे ओवर में 23 रन देने के बाद आरसीबी की कप्तान स्मृति मंधाना (05) को आउट किया जिससे छठे ओवर में आरसीबी का स्कोर चार विकेट पर 43 रन था। नाडिन डि क्लर्क की 26 रन की तेज पारी ने आरसीबी को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया।

महिलाओं की कोचिंग आसान नहीं रही : नायर

नवी मुंबई। डब्ल्यूपीएल के मौजूदा सीजन से पहले यूपी वॉरियर्ज के हेड कोच का पद संभालने वाले अभिषेक नायर ने स्वीकार किया कि उनके शुरुआती कुछ दिन आसान नहीं थे। उन्होंने कहा कि महिला क्रिकेट में उन्हें उम्मीद से ज़्यादा "हैंड्स-ऑन" (सीधे तौर पर शामिल) रहने की जरूरत पड़ी है।

इंडिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे के लिन चुन यी के खिलाफ शॉट लगाते भारत के लक्ष्य सेन। एजेंसी

इंडिया ओपन में भारतीय चुनौती खत्म

नई दिल्ली, एजेंसी

- लक्ष्य सेन तीन गेमों तक खिंचे संघर्ष में परास्त

अल्मोड़ा के 24 वर्षीय खिलाड़ी लक्ष्य सेन शुक्रवार को यहां इंडिया ओपन सुपर 750 में पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे के लिन चुन यी को चुनौती देने के बाद हार गए, जिससे टूर्नामेंट में घरेलू चुनौती भी समाप्त हो गई।

लक्ष्य ने तीन गेम तक चले कड़े मुकाबले में कड़ी टक्कर दी लेकिन निर्णायक पलों में पीछे रह गए। उन्होंने आखिरी पलों में मिली बढ़त गंवा दी और दुनिया के 12वें नंबर के खिलाड़ी से 21-17 13-21 18-21 से हार गए। यह मुकाबला चुनौतीपूर्ण था जिसमें लंबी रैलियां और नेट पर तेज शॉट देखने को मिले। दोनों खिलाड़ियों ने थका देने वाले तीन गेम में एक-दूसरे के सयंम और सटीकता की परीक्षा ली।

लक्ष्य ने जोरदार शुरुआत करते हुए लिन को तेज रैलियों में उलझाया। शुरुआती दौर में स्कोर 4-4 से 7-7 तक बराबर रहा जिसके बाद लक्ष्य ब्रेक में आगे निकल गए। दो शानदार विनर ने लक्ष्य को 13-10 पर पहुंचा दिया और लिन की गलतियों की वजह से लगातार दबाव बनाकर उन्होंने इसे 16-11 तक बढ़ा लिया। 54 शॉट की एक रैली लिन के बाहर शॉट फेंकने के साथ खत्म हुई जिससे लक्ष्य को जल्द ही पांच गेम प्वाइंट मिले और उन्होंने तीसरे मौके पर पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में परिस्थितियों ने शटल पर नियंत्रण करना मुश्किल बना दिया और लक्ष्य को अपनी लेंथ के साथ संघर्ष करना पड़ा जिससे ब्रेक में वह 11-5 से पीछे थे। एक तेज रिटर्न ने उन्हें अंतर को कम करने में मदद की।

बांग्लादेश खिलाड़ी संघ के प्रमुख को मिल रही जान से मारने की धमकी

ढाका, एजेंसी

- मोहम्मद मिथुन ने कहा- ऐसा पहले कभी अनुभव नहीं किया

बांग्लादेश क्रिकेटर्स वेलफेयर एसोसिएशन (सीडब्ल्यूएबी) के अध्यक्ष मोहम्मद मिथुन ने कहा है कि बोर्ड के एक आला अधिकारी द्वारा अपमानजनक बयानबाजी के बाद खिलाड़ियों का पक्ष लेने पर उन्हें जान से मारने की धमकी मिल रही है।

मिथुन ने कहा कि वह चाहते हैं कि बांग्लादेशी टीम अगले महीने टी20 विश्व कप खेले लेकिन सुरक्षा चिंताओं के साथ नहीं। बांग्लादेश सुरक्षा कारणों से विश्व कप के अपने चार लीग मैच भारत की बजाय श्रीलंका में कराने की मांग कर रहा है ।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के निदेशक नजमुल इस्लाम ने कहा कि अगर आईसीसी उनके मैच अन्यत्र नहीं कराती है और टीम टूर्नामेंट से नाम वापिस लेती है तो उन्हें मुआवजा नहीं मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि खिलाड़ियों ने ऐसा कुछ खास नहीं किया है जिससे उन्हें भुगतान मिलना चाहिए। मिथुन ने कहा मैने पहले ऐसा कुछ अनुभव नहीं किया। मेरी जिंदगी में ऐसा पहली बार हो रहा है। मुझे याद भी नहीं कि कभी विवादास्पद चर्चा का हिस्सा रहा हूं। यह मेरे सिर के ऊपर जा रहा है कि मैने कब देश के खिलाफ कोई बयान दिया। उन्होंने कहा मुझे समझ में नहीं आ रहा कि इसे कैसे लूं या कैसे बयां करूं। मैने कभी ऐसा कोई शब्द नहीं बोला जो देश के खिलाफ हो। मैने सिर्फ क्रिकेट और क्रिकेटरों के पक्ष में बोला है। मिथुन ने कहा यहां कोई निजी मसला नहीं है। चूंकि मैं एक संगठन का अध्यक्ष हूं और अगर मैं खिलाड़ियों के अधिकारों के बारे में नहीं बोलूंगा तो पद पर रहने का क्या फायदा। देश से ऊपर कोई नहीं है। मिथुन ने कहा कि अभी तक उन्होंने बीसीबी को औपचारिक तौर पर धमकियों के बारे में बताया नहीं है लेकिन उन्हें पता चला है कि कुछ खिलाड़ियों को भी ऐसे संदेश मिले हैं। उन्होंने कहा मैने बोर्ड को अभी सूचना नहीं दी है।

खिलाड़ियों ने बहिष्कार खत्म किया बीपीएल फिर शुरू

ढाका। बांग्लादेश के नाराज क्रिकेटरों ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) और खिलाड़ियों के कल्याण संघ के बीच सहमति बनने के बाद खेल के व्यापक हित को ध्यान में रखते हुए बहिष्कार खत्म कर दिया जिससे शुक्रवार से बीपीएल टी20 के मैच फिर से शुरु हो गए। बृहस्पतिवार को सीनियर खिलाड़ियों ने बीसीबी निदेशक नजमुल इस्लाम की उनके खिलाफ की गई अपमानजनक टिप्पणियों के विरोध में बगावत कर दी थी जिससे बोर्ड की शीर्ष टी20 लीग के ठप होने का खतरा पैदा हो गया था।

विवाद सुलझाने को बांग्लादेश जाएंगे आईसीसी अधिकारी

दुबई। भारत में अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप में बांग्लादेश की भागीदारी को लेकर गतिरोध को खत्म करने के लिये आईसीसी का दो सदस्यीय दल शनिवार को ढाका जाएगा। आईसीसी पहले ही संकेत दे चुकी है कि बांग्लादेश के मैच अन्यत्र आयोजित करा पाना संभव नहीं है। आईसीसी का दल सुरक्षा को लेकर बांग्लादेश की आशंकाओं को दूर करने की कोशिश करेगा।

बांग्लादेश आईसीसी से लगातार अनुरोध कर रहा है कि सुरक्षा कारणों से कोलकाता और मुंबई में होने वाले उसके मैच भारत के बाहर आयोजित कराये जाएं। बीसीसीआई के निर्देश पर बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्ताफिजुर रहमान का कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ आईपीएल करार रद्द किए जाने के बाद से बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने यह मांग उठाई है। एक जानकार सूत्र ने बताया इस समय यही सूचना (आईसीसी अधिकारियों का ढाका दौरा) मिली है।

मुकाबला | टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट आज से, भारतीय खिलाड़ियों की होगी कड़ी परीक्षा

पहले मैच में डी गुकेश का सामना सिंदारोव से

विज्क आन जी(नीदरलैंड्स), एजेंसी

विश्व चैंपियन डी गुकेश 2025 की अपनी असफलताओं को पीछे छोड़कर शनिवार से यहां शुरू होने वाले टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में नई शुरुआत करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे जहां पहले दौर में उनका मुकाबला उज्बेकिस्तान के विश्व कप विजेता जावोखिर सिंदारोव से होगा।

यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट विश्व के सबसे पुराने टूर्नामेंट में से एक है। इसकी शुरुआत 1938 से हुई थी और 2011 से इसका आयोजन टाटा स्टील के बैनर तले किया जा रहा है। भारतीय खिलाड़ियों को इस बार टूर्नामेंट में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। गुकेश ने 2024 में चीन के डिंग लिरेन को हराकर विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था।

वह टाटा स्टील टूर्नामेंट में पिछली बार हमवतन आर प्रज्ञानानंदा से टाइब्रेक में हार कर दूसरे स्थान पर रहे थे। इस बार वह खिताब जीतने के लिए किसी भी तरह से कोई कसर नहीं छोड़ना चाहेंगे। मौजूदा चैंपियन प्रज्ञाननंदा एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं जिन्होंने मार्च-अप्रैल में होने वाले कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में अपनी जगह पक्की कर ली है। लेकिन इसके बाद उनका प्रदर्शन अपेक्षित नहीं रहा है। इस प्रतियोगिता के शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी हैं, जो कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में भाग नहीं लेंगे, लेकिन 2025 के आखिर तक वह भारतीय खिलाड़ियों में रैंकिंग में शीर्ष पर बने रहे।

अर्जुन का लक्ष्य यहां अच्छा प्रदर्शन करके रैंकिंग में अपनी स्थिति को और मजबूत करना होगा। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले चौथे भारतीय खिलाड़ी अरविंद चिदंबरम हैं, जो अपने करियर के सबसे मुश्किल टूर्नामेंट में अपनी छाप छोड़ने के लिए बेताब होंगे। प्रज्ञाननंदा पहले मैच में अर्जुन से भिड़ेंगे जबकि चिदंबरम का सामना जर्मनी के मैथियास ब्लूबाउम से होगा। भारतीय खिलाड़ियों को इस टूर्नामेंट में नीदरलैंड के अनीश गिरी, उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव और जर्मनी के विन्सेंट कीमर जैसे खिलाड़ियों से कड़ी चुनौती मिलेगी। इस बार टूर्नामेंट में नई समय नियंत्रण प्रणाली लागू की गई है जिसके तहत खिलाड़ियों को 40 चालें चलने तक कोई अतिरिक्त समय नहीं मिलेगा।

प्रज्ञानानंद-गुकेश में हुआ विश्व चैंपियनशिप का फाइनल तो मुकाबला चेन्नई में : आनंद

जयपुर। अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) के उपाध्यक्ष और भारतीय दिग्गज विश्वनाथन आनंद का मानना है कि अगर आर प्रज्ञानानंद कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतकर मौजूदा चैंपियन और हमवतन डी गुकेश को चुनौती देते हैं तो इस साल की विश्व चैंपियनशिप चेन्नई में हो सकती है। बीस वर्षीय प्रज्ञाननंदा उन आठ खिलाड़ियों में शामिल हैं जो इस वर्ष मार्च-अप्रैल में होने वाले कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में खेलेंगे। इस टूर्नामेंट का विजेता खिलाड़ी विश्व चैंपियनशिप में गुकेश का सामना करेगा। फैबियानो कारुआना, हिकारू नाकामुरा, अनीश गिरी, वेई यी, जावोखिर सिंदारोव, एंड्री एसेपेंको और मैथियास ब्लूबाउम अन्य खिलाड़ी हैं जिन्होंने कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया है। आनंद ने कहा जो भी खिलाड़ी कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में जीतेगा वह विश्व चैंपियनशिप में कड़ी चुनौती पेश करेगा। मुझे लगता है कि अगर प्रज्ञानानंद क्वालीफाई करने में सफल रहता है तो यह मुकाबला दोनों भारतीय खिलाड़ियों के लिए भावनात्मक रूप से काफी चुनौतीपूर्ण होगा।